झांसी ■ शनिवार 28 फरवरी 2026 ■ वर्ष -19 ■ अंक-230 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

दैनिक सत्ता सुधार

जनता के साथ जनता की आवाज

सुविचार

अपने अनुभव का साहित्य किसी दर्शन के साथ नहीं चलता, वह अपना दर्शन पैदा करता है।

होली से पहले तीन गुना से ज्यादा बढ़ा प्राइवेट बसों का किराया

स्लीपर सीट 600 वाली 1900 में हो रही बुक, विंडो सीट का अलग से लग रहा चार्ज

सत्ता सुधार ■ दिल्ली-एनसीआर

दिल्ली और नोएडा-ग्रेटर नोएडा से कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी की ओर जाने वालों की भीड़ सबसे ज्यादा है। आमदिनों में इस रूट पर जाने वालों से बैठने के लिए 600-700 रुपये और स्लीपर सीट के लिए 850-1000 रुपये ऑनलाइन बुकिंग के जरिए लिए जाते हैं। लेकिन त्योहार में रेट कई गुना हो गए हैं। कानपुर के लिए सीट 1900 रुपये और स्लीपर के लिए 3200 रुपये लिए जा रहे हैं।

होली का त्योहार नजदीक है और शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां हो चुकी हैं। पढ़ाई करने वाले युवा और नौकरी पेशा लोग जल्द से जल्द अपने घर पहुंचना चाहते हैं। लेकिन उन्हें नोएडा से कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और अन्य शहरों तक जाने के लिए तीन गुना से ज्यादा किराया देना पड़ रहा है।

युवाओं को सबसे ज्यादा हो रही परेशानी

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में तीन लाख से ज्यादा युवा पढ़ाई कर रहे हैं। यहां पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ ही बिहार तक के शहरों से पढ़ाई करने के लिए युवा आते हैं। जो त्योहार नजदीक आते ही अपने घर जाने की तैयारी कर लेते हैं। युवाओं की भीड़ को देखते हुए ही बस कंपनियों ने भी अपने रेट में इजाफा कर दिया है। जिसके कारण युवाओं और अन्य यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

600 वाली टिकट 1900 की

त्योहार में चलने वाली भीड़ को देखते हुए प्राइवेट बस कंपनियों ने अपने किराए में तीन गुना से ज्यादा इजाफा कर दिया है। आम दिनों में जो टिकट 600-900 रुपये तक रहती थी। वही टिकट खरीदने के लिए लोगों को 1900 से 3300 रुपये तक देने पड़ रहे हैं। इसके बाद भी बसों में लोगों को जगह नहीं मिल रही है। यमुना एक्सप्रेस-वे के जीरो प्वाइंट, जेवर टोल, रबूपुरा और दनकौर कट पर यात्रियों की लगी भीड़ लग रही है। शुक्रवार को भी यही हाल देखने को मिला। सुबह से ही सभी प्वाइंटों पर बस का इंतजार करने वालों की भीड़ थी। जो देर रात तक बनी रही। लोग बसों का इंतजार करते रहे और घंटों इंतजार करने के बाद उन्हें अपने शहर जाने के लिए बसें मिल सकीं।

विंडो सीट के लिए देने पड़ रहे 100-150 ज्यादा

खिड़की साइड सीट का चार्ज ज्यादा प्राइवेट बसों को बुक करने के लिए लोग ऑनलाइन एप का सहारा ले रहे हैं। लेकिन त्योहार नजदीक होने के कारण ज्यादातर बसों में सीटें फुल हो जा रही हैं। दिल्ली के आईएसबीटी, कश्मीरी गेट और अन्य बस अड्डों से ही बसें फुल होकर आ रही हैं। सीट फुल होने के कारण यमुना एक्सप्रेस-वे के जीरो प्वाइंट और अन्य कटों पर खड़े विद्यार्थियों और अन्य लोगों को घंटों बसों का इंतजार करना पड़ा। वहीं खिड़की की तरफ वाली सीट के लिए लोगों से 100-150 रुपये तक अतिरिक्त लिए जा रहे हैं।

कानपुर, लखनऊ, वाराणसी का किराया सबसे महंगा

दिल्ली और नोएडा-ग्रेटर नोएडा से कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी की ओर जाने वालों की भीड़ सबसे ज्यादा है। आमदिनों में इस रूट पर जाने वालों से बैठने के लिए 600-700 रुपये और स्लीपर सीट के लिए 850-1000 रुपये ऑनलाइन बुकिंग के जरिए लिए जाते हैं। लेकिन त्योहार में रेट कई गुना हो गए हैं। कानपुर के लिए सीट 1900 रुपये और स्लीपर के लिए 3200 रुपये लिए जा रहे हैं। वहीं वाराणसी के लिए सीट 1857 और स्लीपर 3244 का है। जबकि खिड़की वाली सीट के लिए 1950 रुपये का है। इसी तरह लखनऊ और प्रयागराज जाने वाली बसों का भी रेट तीन गुना हो गया है।

यूपी में पंचायत चुनाव समय पर ही होंगे

मुजफ्फरनगर। सूबे के पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि पंचायत चुनाव अपने समय पर होंगे। फिलहाल एसआईआर का कार्य चल रहा है। 15 अप्रैल को सूची का प्रकाशन होगा। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। कहा कि सपा के समय में दंगे होते थे, योगी के राज में कोई दंगा नहीं हुआ। प्रदेश से माफियाओं का सफाया हो गया है। खतौली में जानसठ रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में भागीदारी पार्टी (पी) की ओर से वंचित, शोषित एकता रैली कार्यक्रम के दौरान राजभर ने कहा कि बैलेट पेपर छप चुके हैं, सभी जिलों में भेज दिए गए हैं। एसआईआर, परीक्षा और जनगणना को लेकर भ्रांति है, मगर चुनाव समय पर ही होंगे। विधानसभा चुनाव एनडीए गठबंधन के साथ ही मिलकर लड़ा जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से जापान का नाम बदलने को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि जब मुजफ्फरनगर में दंगा हो रहा था, तब वह मुख्यमंत्री थे और सैफई में बैठक कर नृत्य देख रहे थे।

प्रदेश सरकार के मंत्री ने बता दिया, कब होगा सूची का प्रकाशन

कथित शराब घोटाले मामले में केजरीवाल समेत कई नेता बरी

कोर्ट ने कहा- यह गलत, फर्जी केस है इसमें मुकदमा नहीं चलाया जा सकता

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया है। इस फैसले पर अरविंद केजरीवाल अपने आवास से पार्टी दफ्तर तक रोड शो किया। रोड शो के दौरान उन्होंने अपने हाथ में गदा लेकर समर्थकों का अभिवादन किया। वहीं केंद्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली शराब नीति मामले में हाईकोर्ट का रुख किया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता कट्टर ईमानदार है। कोर्ट ने झूठ का किला ढहा दिया। देशभर के लोगों ने जिन्होंने इतने कठिन समय में हमारा साथ दिया मैं उनका धन्यवाद करता हूं। आप जानते हैं कि किस तरह पिछले चार साल से ईडी, सीबीआई और सारी संस्थाओं का इस्तेमाल करके हमारे ऊपर शराबा घोटाला नामक एक आरोप लगाया गया। सीबीआई, ईडी ने उसमें चार्जशीट दाखिल की। आज कोर्ट ने लगभग 600 पेज के आदेश में कहा है कि इतना भी सबूत नहीं है कि इसमें मुकदमा भी चलाया जा सके। कोर्ट का कहना है कि इतना गलत, फर्जी केस है कि इसमें मुकदमा भी नहीं चलाया जा सकता। यह पूरा षड्यंत्र किसने और क्यों रचा? यह पूरा षड्यंत्र प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने रचा, उन दोनों को देश से माफी मांगनी चाहिए। केजरीवाल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया और पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला करते हुए कहा कि इन्होंने आम आदमी पार्टी के खिलाफ बड़ी साजिश रची।

मुझे जेल जाने से फर्क पड़ता है

केजरीवाल ने कहा कि मैंने सिर्फ ईमानदारी का काम किया। मुझे जेल जाने से फर्क पड़ता है। मैं वो राजनेता नहीं हूं जिसकी मोटी चमड़ी है। मेरे जेल जाने से मेरे परिवार पर फर्क पड़ता है। केजरीवाल ने बीजेपी सरकार पर भी हमला बोला और कहा कि आज दिल्ली की क्या हालत कर दी है। मैंने दिल्ली में पांच हजार स्कूल बनाए, आप पांच सौ स्कूल बना कर दिखा दो।

ब्रीफ न्यूज

'द केरल स्टोरी 2' फिल्म पर लगी रोक हटी

नई दिल्ली। शुक्रवार को केरल हाईकोर्ट ने फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' के मेकर्स को राहत दी है। कुछ दिन पहले केरल हाईकोर्ट की सिंगल जज की बेंच ने फिल्म पर 15 दिन की रोक लगाई थी। यह आदेश केरल हाईकोर्ट के जस्टिस एसए धर्माधिकारी और पीवी बालकृष्णन की डिवीजन बेंच ने जारी किया है। अब 'द केरल स्टोरी 2' के मेकर्स अपनी फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज कर सकते हैं। विवादों में घिरी फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज पर केरल हाईकोर्ट ने 15 दिन की रोक लगा दी थी, लेकिन बाद में केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल जज का आदेश पलट दिया। सेंसर बोर्ड को दोबारा फिल्म देखने का निर्देश दिया।

बस और ट्रेलर की भीषण टक्कर, छह की मौत

बालोतरा। बालोतरा जिले के सरवड़ी गांव के पास नेशनल हाईवे-25 पर शनिवार को एक गंभीर सड़क हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, एक स्लीपर बस ओवरटेक करते समय सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। इस दुर्घटना में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। गंभीर रूप से घायल 9 लोगों में से 6 को जोधपुर रेफर किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वदेशी 'प्रचंड' हेलीकॉप्टर से भरी उड़ान, रचा कीर्तिमान

'वायुशक्ति 2026' अभ्यास में आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता का दिया संदेश

एजेंसी ■ जैसलमेर

भारत की सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर में स्वदेश में निर्मित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में विशेष उड़ान भरकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह उड़ान भारतीय वायुसेना के प्रमुख युद्धाभ्यास 'वायुशक्ति 2026' के दौरान आयोजित की गई, जहां राष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

राष्ट्रपति मुर्मु फ्लाइंग हेलमेट और विशेष फ्लाइट ड्रेस में 'प्रचंड' हेलीकॉप्टर में सवार हुईं। उनकी यह सॉर्टी दो 'प्रचंड' हेलीकॉप्टरों के फॉर्मेशन में संपन्न हुई। दूसरे हेलीकॉप्टर में वायुसेना प्रमुख एपी सिंह सवार थे। 'प्रचंड' एक अत्याधुनिक स्वदेशी हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर है, जिसे कठिन युद्ध परिस्थितियों और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संचालन के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक राष्ट्रपति की यह उड़ान देश की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की दिशा में मजबूत कदम का प्रतीक है। भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित 'वायुशक्ति 2026' अभ्यास में विभिन्न लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और उन्नत हथियार प्रणालियों ने अपनी मारक क्षमता और सटीकता का प्रदर्शन किया। यह अभ्यास देश की वायु शक्ति, सामरिक तैयारी और पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन करने का प्रमुख मंच माना जाता है।

शंकराचार्य को राहत, अगले आदेश तक गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। इससे पहले शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई पर कहा कि झूठ की कलई कोर्ट में खुल जाएगी। कोर्ट पर भरोसा जताते हुए शंकराचार्य ने कहा कि कब तक झूठ की कहानी बनाकर बरगलाएंगे। उत्तर प्रदेश की पुलिस भी उनको संरक्षण दे रही है। बच्चों के साथ कुकर्म की मेडिकल रिपोर्ट किसकी है, उन बच्चों के साथ कुकर्म किसने की है, यह साबित तो उनको करना होगा। पुलिस अपने मुताबिक जांच कर रिपोर्ट भी लगा रही है। बता दें नाबालिगों के साथ यौन शोषण करने के मामले में दर्ज एफआईआर के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट पहुंचे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई।

बंगाल एसआईआर पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

न तो चुनाव आयोग न ही राज्य सरकार हमारे आदेशों का उल्लंघन करेगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार हमारे आदेशों का उल्लंघन करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि हमने स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है। हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग ने राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की कि वह अपने न्यायिक अधिकारियों को जानता है और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे। पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ से कहा कि चुनाव आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है जिसमें कहा गया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि राज्य में इस प्रक्रिया के लिए तैनात न्यायिक अधिकारी इस संबंध में फैसले लेंगे। सीजेआई ने कहा कि हम इस तरह की बातें बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसका अंत होना चाहिए। हम अपने न्यायिक अधिकारियों को जानते हैं और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं हो सकते।" इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है।

कनाडाई पीएम मार्क कार्नी मुंबई पहुंचे, हुआ जोरदार स्वागत

2 मार्च को पीएम मोदी से क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर करेंगे चर्चा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पत्नी डायना फॉक्स कार्नी के साथ चार दिवसीय दौरे पर भारत पहुंच चुके हैं। मार्क कार्नी का बतौर प्रधानमंत्री पहला भारत दौरा है। पीएम कार्नी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2 मार्च को देश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का भारत के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर मुंबई पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत है। यह दौरा भारत-कनाडा संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल और मार्केटिंग मंत्री जय कुमार रावल ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। भारत-कनाडा पार्टनरशिप साझा डेमोक्रेटिक मूल्यों, लोगों के बीच मजबूत संबंधों और अलग-अलग सेक्टर में बढ़ते सहयोग पर आधारित है।'

विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, 28 फरवरी को पीएम कार्नी मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वह 1 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगे। नई दिल्ली में वह 2 मार्च को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से सुबह 9 बजे होटल लीला पैलेस में मुलाकात करेंगे। फिर सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर वह हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। 11 बजकर 40 मिनट पर दोनों देशों के बीच एमओयू एक्सचेंज होगा और फिर प्रेस स्टेटमेंट जारी किए जाएंगे। एक बजकर 50 मिनट पर भारत मंडपम में भारत-कनाडा सीईओ फोरम की शुरुआत होगी, जिसमें दोनों देशों के प्रधानमंत्री शामिल होंगे। शाम छह बजे पीएम कार्नी अपने देश के लिए रवाना होंगे। वे व्यापार और निवेश, ऊर्जा, जरूरी मिनरल्स, कृषि, शिक्षा, शोध और नवाचार और लोगों के बीच संबंधों जैसे खास स्तंभों में चल रहे सहयोग की भी समीक्षा करेंगे।

आंकड़े

वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ अनुमानों को पछाड़ा

भारत की तीसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर घटकर 7.8 फीसदी हुई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर अपने मजबूत प्रदर्शन से बाजार और अर्थशास्त्रियों को चौंका दिया है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी हो गए हैं, जिसने 7.8 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की है। चालू वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.4% थी। देश की अर्थव्यवस्था की इस तेज रफ्तार और इसके पीछे के मुख्य कारणों को आइए एक आसान सवाल-जवाब के जरिए विस्तार से समझते हैं।

वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के ताजा जीडीपी आंकड़े क्या कहते हैं?: नए आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में खत्म हुई तीसरी तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ी है। देश के आर्थिक आंकड़ों के हालिया 'रीसेट' के बीच आई यह रिपोर्ट देश के सकारात्मक आर्थिक रुझान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। बाजार के जानकारों का क्या अनुमान था और असली आंकड़े उससे कितने बेहतर हैं? अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया था कि दिसंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी (यह अनुमान 7% से 8.7% के दायरे में था)। लेकिन 7.8 प्रतिशत का वास्तविक आंकड़ा यह साबित करता है कि देश में आर्थिक गतिविधियां बाजार की उम्मीदों से कहीं ज्यादा बेहतर स्थिति में हैं।

सरकार द्वारा विभिन्न सेक्टर्स में की गई जीएसटी कटौती ने उत्पादन को बढ़ाने में बड़ा सहारा दिया है, जिसका सीधा असर विकास दर पर पड़ा है। अगर पिछले साल की इसी तिमाही से तुलना करें, तो तब जीडीपी ग्रोथ 6.2 प्रतिशत (2011-12 आधार वर्ष के साथ) रही थी। इसका मतलब है कि सालाना आधार पर विकास की गति में बड़ा सुधार हुआ है। हालांकि, इससे ठीक पिछली तिमाही में यह वृद्धि 8.2 प्रतिशत थी, जिसके मुकाबले इस बार (7.8%) क्रमिक आधार पर थोड़ी नरमी जरूर आई है। लेकिन कुल मिलाकर यह एक बेहद मजबूत आंकड़ा है।

अब आगे क्या उम्मीद है?

जीएसटी दरों में कटौती और त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ी खपत ने भारतीय अर्थव्यवस्था को जो रफ्तार दी है, वह भविष्य के लिए एक शुभ संकेत है। एक तरफ जहां शुक्रवार को शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखी गई और सेंसेक्स 961 अंक टूट गया, वहीं दूसरी ओर वृद्ध आर्थिक मोर्चे पर 7.8% की यह दमदार जीडीपी ग्रोथ निवेशकों और नीति निर्माताओं को यह भरोसा दिलाती है कि भारत की विकास गाथा पूरी तरह से सुरक्षित और मजबूत ट्रैक पर है।

टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर गोयल बोले

भारत रुको और इंतजार करो के मोड में, लगातार बदल रहे हालात

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत फिलहाल रुको और इंतजार करो की स्थिति में है और हालात लगातार बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार देश के हितों की रक्षा के लिए स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। गोयल ने कहा कि भारत अमेरिकी प्रशासन के साथ लगातार संवाद में है और आंतरिक स्तर पर भी विचार-विमर्श जारी है। उन्होंने कहा कि यह एक विकसित होती स्थिति है। हम घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत के सर्वोत्तम हित सुरक्षित रहें। मंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत बेहतर अवसरों के लिए संवाद की नीति पर कायम है और वैश्विक व्यापार में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हो रही बातचीत का उद्देश्य ऐसा समझौता सुनिश्चित करना है, जिससे भारत को अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सके और राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खुलें।

ब्रीफ न्यूज़

आज एचपीवी टीकाकरण अभियान में वर्चुअली शामिल होंगे सीएम डॉ. यादव

भोपाल। महिलाओं का स्वास्थ्य परिवार, समाज एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार है। सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे जानलेवा कैंसर है। इस गंभीर बीमारी की रोकथाम के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। पीएम मोदी 28 फरवरी को 11:30 बजे राजस्थान के अजमेर जिले से इस राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ करेंगे। यह अभियान आगामी तीन माह तक पूरे देश में संचालित किया जाएगा। सभी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे और राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ करेंगे।

शस्त्र लाइसेंस की प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब शस्त्र लाइसेंस लेने के लिए ऑफलाइन आवेदन नहीं लिए जाएंगे। ये केवल ऑनलाइन ही स्वीकार होंगे। सरकार आगामी एक मार्च से शस्त्र लाइसेंस संबंधी नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। इसमें किसी व्यक्ति को नया शस्त्र, बंदूक अथवा अन्य हथियार लेना है तो भारत सरकार द्वारा बनाए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। बिना ऑनलाइन आवेदन के फार्म स्वीकार नहीं होंगे। दरअसल, प्रदेश में जिलों से कारतूस में हेरफेर और लाइसेंस प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायतें आती रही हैं। नई व्यवस्था लागू होने से इस तरह की गड़बड़ियों पर रोक लगेगी। आवेदक का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन सत्यापित किया जा सकेगा, जिससे अयोग्य या नियमों का उल्लंघन करने वालों की पहचान आसान होगी।

भाजपा में कद के हिसाब से लिया जा रहा चंदा

भोपाल। भाजपा ने अपने नियमित खर्चों को पूरा करने के लिए आजीवन सहयोग निधि अभियान शुरू किया है, जो 28 फरवरी तक चलेगा। इसमें कार्यकर्ता व आमजन से स्वैच्छिक तौर पर 50 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी है। वर्ष 2025 में 25 करोड़ रुपये एकत्र हुए थे। पार्टी ने इस वर्ष दो बड़े परिवर्तन किए हैं। एक तो यह कि सहयोग निधि सिर्फ डिजिटल माध्यम से ही ली जाएगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और कोई प्रश्न नहीं उठा पाए। दूसरा यह कि 20 हजार रुपये से अधिक सहयोग निधि देने वालों का पैन नंबर भी लिया जाएगा। वहीं इस बार भाजपा के अंदर अब कद के हिसाब से चंदा लिया जा रहा है। विधायकों-महापौर से पांच-पांच लाख तो पार्षदों से 51-51 हजार का सहयोग लिया जा रहा है।

सीएम ने नानाजी देशमुख की पुण्य तिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्र सेवक और महान समाज सुधारक, नानाजी देशमुख की पुण्य तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित स्व. नानाजी देशमुख ने देश की प्रगति में ग्रामीण विकास, शिक्षा और गरीब कल्याण को आधार बनाया। उनके कृतित्व, विचार एवं दृष्टिकोण राष्ट्र के नव निर्माण की दिशा सदैव प्रेरणादायी रहेंगे।

विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, समय से पहले सिमटा सत्र

10 दिन चले बजट सत्र में कुल 62 घंटे ही चली कार्यवाही

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मप्र विधानसभा की कार्रवाई शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि इस बजट सत्र में कुल 62 घंटे की कार्यवाही हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और बहस को सराहा। सत्र की शुरुआत 16 फरवरी से हुई थी, जिसके बाद 18 फरवरी को प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने सदन में बजट पेश किया था। f

वधानसभा बजट सत्र 6 मार्च तक चलना था। बजट सत्र 10 दिनों तक चला, जिसमें विभिन्न विभागों के बजट पर विस्तार से चर्चा हुई और सदन में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव और ध्यानाकर्षण पेश किए गए। इस दौरान सरकार और विपक्ष के बीच कई

मुद्दों पर गर्मागर्म बहस देखने को मिली। विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और विस्तृत चर्चा की सराहना की और कहा कि अगले सत्र की तारीख और समय की जानकारी बाद में साझा की जाएगी। सत्र के समय से पहले समापन पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कड़ा ऐतराज जताया है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार जनहित के मुद्दों, विशेषकर कानून-व्यवस्था और किसानों की समस्याओं पर चर्चा से बचना चाहती है, इसलिए सत्र को आनन-फानन में समाप्त कर दिया गया।

सत्र की प्रमुख उपलब्धियां

सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 का राज्य बजट पारित किया गया। सरकार ने कई महत्वपूर्ण संशोधनों और नए विधेयकों को सदन के पटल पर रखा और उन्हें मंजूरी दिलाई। शुक्रवार को श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल के प्रस्ताव पर मध्य प्रदेश श्रम कल्याण निधि संशोधन विधेयक 2026 सदन में पारित हुआ। इसके साथ ही खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, जल संसाधन, खाद्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, उद्यानिकी, ऊर्जा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, एमएसएमई, अल्पसंख्यक कल्याण सहित अन्य विभागों की प्रस्तावित अनुदान मांगें बिना चर्चा के ही पारित घोषित कर दी गई। इसके बाद वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने मध्य प्रदेश विनियोग क्रमांक-2 विधेयक दोबारा सदन में प्रस्तुत किया, जिसे ध्वनिमत से पारित घोषित कर दिया गया।

अवैध कॉलोनी बनाने वालों पर होगा एक्शन

मध्य प्रदेश की विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को अवैध कॉलोनियों को लेकर बड़ी घोषणा की। सीधी विधायक रीति पाठक के प्रश्न काल में पूछे सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि अब अवैध कॉलोनियों पर कड़ा कानून लागू किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ तेज कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में तीन महीने के भीतर सख्त नियम लागू होंगे। विजयवर्गीय ने सीधी जिले के सवाल पर कहा कि सरकार ने शहर के पुराने बस स्टैंड को गिराकर नया शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए लगभग 7 करोड़ रुपए की राशि पहले ही स्वीकृत कर दी थी। विकास कार्य में देरी के कारण मंत्री ने बताया कि निविदा प्रक्रिया में समय लगने के कारण अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है, लेकिन इसे जल्द ही शुरू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं।

क्रांतिकारी नायकों का स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा

स्वतंत्रता संग्राम में चन्द्रशेखर आजाद का सदैव किया जाएगा स्मरण, आज़ाद कुटिया पहुंचकर अमर शहीद की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

आजाद ने भील बालकों से धनुष-बाण और निशानेबाजी की शिक्षा ली

आज़ाद कुटिया परिसर में संग्रहालय का किया अवलोकन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की 95वीं पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उनकी जन्मस्थली चंद्रशेखर आज़ाद नगर स्थित ऐतिहासिक आज़ाद कुटिया पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्र के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, सांसद अनीता चौहान, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाडे, आईजी अनुराग, कलेक्टर नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने आजाद कुटिया में क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने आज़ाद कुटिया परिसर में ही स्थापित संग्रहालय का भी अवलोकन किया, जहां उनके जीवन, संघर्ष और क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज, चित्र और स्मृति चिह्न संजोए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की शहादत पर स्मरण कर कहा कि भारत के सभी क्रांतिकारी नायकों का स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा है। शहीद चंद्रशेखर आज़ाद जैसे वीर क्रांतिकारी ने अनेक कठिनाइयों के बावजूद अपने अदम्य साहस और त्याग से तत्कालीन समय में स्वतंत्रता की अलख को रौशन रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदिवासी अंचलों के नायकों के संघर्ष को भी याद किया और कहा कि उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध कर स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय नायक शहीद छीतू किराड़ के बलिदान को भी नमन करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

आलीराजपुर जिले में 23 जुलाई 1906 को जन्मे चंद्रशेखर आज़ाद का प्रारंभिक जीवन तत्कालीन भाबरा वर्तमान चन्द्रशेखर आजाद नगर की पावन भूमि पर बीता। बचपन में उन्होंने भील बालकों के साथ रहकर धनुष-बाण चलाना और निशानेबाजी की शिक्षा प्राप्त की। आदिवासी अंचल में पले-बढ़े आज़ाद ने यहीं से साहस, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा ली, वहीं से उनके क्रांतिकारी जीवन की आधारशिला बनी। 27 फरवरी 1931 को, इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में अपने एक साथी के विश्वासघात के कारण पुलिस ने उन्हें घेर लिया। उस दौरान उनके पास सिर्फ एक गोली बची थी, तो उन्होंने अपने संकल्प के अनुसार स्वयं को गोली मारकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

प्रतिमा पर किया माल्यार्पण मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बस स्टैंड स्थित चन्द्रशेखर उद्यान में अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, क्षेत्रीय सांसद अनीता नागर सिंह चौहान, कलेक्टर नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

सीएम ने वन विभाग के विजन डाक्यूमेंट का किया विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन विभाग द्वारा प्रकाशित 'विजन 2047- रीइमैजिनिग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर ए क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर' पुस्तक का मुख्यमंत्री निवास में विमोचन किया। 'विजन@2047' राज्य में जैव विविधता समृद्ध, सामुदायिक सहभागिता आधारित वन प्रबंधन की दीर्घकालिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। प्रमुख सचिव वन संदीप यादव ने बताया कि प्रदेश के वनों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु-सहिष्णु तथा जैव-विविधता से समृद्ध आदर्श वनों के रूप में स्थापित करना विजन@2047 का लक्ष्य है। दृष्टि पत्र में वनों के संरक्षण और प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। दृष्टि पत्र में स्पष्ट किया गया है कि आजीविका को सुरक्षित करने में सक्षम, समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में प्रदेश के वनों का संरक्षण किया जाएगा। दृष्टि पत्र में प्रदेश के वन क्षेत्र में स्थित प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए किए जाने वाले प्रयासों को भी रेखांकित किया गया है। उन्होंने बताया कि वन विभाग का यह दृष्टि पत्र भारत के पर्यावरणीय तथा विकास लक्ष्यों में निर्णायक योगदान देगा।

नई हवाई सेवाएं शुरू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में

रीवा में विमानन सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण कार्यों की समीक्षा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

रीवा में विमानन सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों की उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में विमानन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि रीवा से रायपुर एवं कोलकाता के लिए नई हवाई सेवाएं प्रारंभ करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी औपचारिकताएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करें, ताकि उड़ान सेवाएं जल्द से जल्द प्रारंभ की जा सकें। साथ ही, रीवा-इंदौर-रीवा एवं रीवा-दिल्ली-रीवा उड़ानों को प्रोत्साहन एवं संवर्धन के लिए राज्य शासन द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश भी उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इन मार्गों पर नियमित और सतत विमानन सेवाओं के संचालन के लिए प्रोत्साहन आवश्यक है।

बैठक में बताया गया कि विमानन विभाग द्वारा जारी निविदा के अंतर्गत नवीन हवाई रूट्स के लिए विभिन्न शिड्यूल्ड ऑपरेटर्स द्वारा 20 हवाई मार्गों पर विमानन सेवाएं संचालित करने हेतु अभिरुचि व्यक्त की गई है। प्राप्त बिड्स का तकनीकी एवं वित्तीय परीक्षण वर्तमान में प्रगति पर है, ताकि निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र निर्णय लिया जा सके। शुक्ल ने कहा कि प्रस्तावित हवाई सेवाओं से रीवा सहित पूरे प्रदेश में औद्योगिक, व्यापारिक, शैक्षणिक एवं पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्रीय संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा।

बैठक में चिकित्सकों के प्रमोशन हेतु सामान्य प्रशासन विभाग में लंबित प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इस विषय में शीघ्र निर्णय लेकर प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत चिकित्सकों को समय पर पदोन्नति का लाभ मिल सके। बैठक में अपर मुख्य सचिव, विमानन एवं सामान्य प्रशासन संजय कुमार शुक्ल, अपर सचिव सामान्य प्रशासन अजय कटेसरिया और उप सचिव, विमानन कैलाश बुंदेला सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

प्रदेश में पर्यावरण-संरक्षण के संदेश के साथ मनेगी होली

मुख्यमंत्री संस्थाओं एवं पदाधिकारियों को देंगे प्रशस्ति-पत्र

सत्ता सुधार ■ भोपाल

इस वर्ष होली पर्व को पर्यावरण-संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के संदेश के साथ मनाया जाए। इसके लिए राज्य शासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे, सामाजिक एकता और उल्लास के साथ होली मनाएं। होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ (उपलों) का अधिकाधिक उपयोग करें। प्रदेश सरकार द्वारा जारी निर्देश अनुसार जनसहयोग एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से प्रयास किया जाएगा कि होलिका दहन में लकड़ी की जगह गो-काष्ठ का प्रयोग हो। साथ ही, प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से होली खेलने, जल संरक्षण करने तथा पशु-पक्षियों पर रंग न डालने के संकल्प के साथ उत्सव मनाने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया जाएगा।

जिलों में विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का निःशुल्क पंजीयन कराया जाए। यह पंजीयन जिला मुख्यालय, तहसील, नगरीय निकाय एवं पंचायत स्तर पर किया जाएगा। पंजीयन के दौरान आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी, पदाधिकारियों के नाम एवं संपर्क विवरण प्राप्त किए जाएंगे। जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर नागरिकों को गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन के लिए प्रेरित किया जाएगा। नगरीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं को इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल किया गया है। होलिका दहन के दिन मैदानी अमला सार्वजनिक आयोजनों का निरीक्षण कर लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। जिन आयोजनों में पूर्ण रूप से गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन किया जाएगा, उनको संबंधित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कर कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। जिलों के कलेक्टर ऐसे आयोजनों का संकलन सुनिश्चित करेंगे।

प्रदेश सरकार आगामी दिनों में जिला मुख्यालयों पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। उत्कृष्ट गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन करने वाली संस्थाओं एवं उनके पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही भविष्य में ऐसी संस्थाओं को अन्य प्रकार से प्रोत्साहन अथवा सहयोग दिए जाने पर भी प्राथमिकता दी जाएगी।

'दैनिक सत्ता सुधार' के सीएमडी ने की केंद्रीय मंत्री चौहान से चर्चा

भोपाल। एक महत्वपूर्ण विषय पर दैनिक सत्ता सुधार के प्रधान संपादक और सीएमडी गोपाल श्रीवास्तव ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा की । उन्होंने प्रदेश की वर्तमान स्थिति और जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत बातचीत भी की।

रिपोर्ट

भोजशाला में मंदिर के पुख्ता सबूत, एएसआई सर्वे रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

एएसआई को उत्खनन में मिलीं मूर्तियां, सिक्के और स्थापत्य अवशेष

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के आदेश के बाद एएसआई की टीम ने 22 मार्च 2024 से लगातार 98 दिनों तक भोजशाला मंदिर सह कमाल मौला मस्जिद परिसर और उसके 50 मीटर परिधीय क्षेत्र में गहन जांच, सर्वेक्षण और उत्खनन किया। अब सामने आई 2189 पृष्ठों की विस्तृत रिपोर्ट में ऐसे चौंकाने वाले तथ्य उजागर हुए हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि वर्तमान संरचना के नीचे एक प्राचीन मंदिर और शैक्षणिक केंद्र (मठ) मौजूद था। एएसआई की इस रिपोर्ट ने मामले को नया मोड़ दे दिया है और अब दोनों पक्ष इस पर अपनी आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं।

रिपोर्ट में अब्दुल्ला शाह चंगाल के मकबरे के गेट पर लगे एक शिलालेख का विशेष उल्लेख है, जो 1436-1469 ई. तक मालवा सल्तनत के सुल्तान महमूद खिलजी के काल का है। एएसआई के सर्वे के अनुसार, इस शिलालेख की 17वीं और 18वीं पंक्तियों में स्पष्ट रूप से दर्ज है कि यहां पहले एक प्राचीन धार्मिक मंदिर मौजूद था। शिलालेख में लिखा है कि कैसे शासक ने सेना के साथ धर्म के केंद्र से इस पुराने आश्रम में पहुंचकर देवताओं की मूर्तियां तहस-नहस कर दीं और उस पवित्र स्थान को ताकत के बल पर नमाज पढ़ने की जगह मस्जिद में परिवर्तित कर दिया।

जीपीआर सर्वे में तीन परतें मिलीं

एएसआई द्वारा किए गए ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार (जीपीआर) सर्वे में जमीन के नीचे तीन अलग-अलग परतें पाई गई हैं। पहली परत लगभग 1 मीटर मोटी है, जिसमें पत्थर की पट्टियों से बनी संरचनाएं मिली हैं। दूसरी परत 4-5 मीटर तक फैली है, जो खंडित सामग्री से भरी हुई है। वहीं, तीसरी परत 5 मीटर से अधिक गहराई में स्थित है, जिसे अक्षुण्ण आधार स्तर माना गया है, जहां प्राचीन संरचनाएं स्थित हैं।

विशाल सार्वजनिक संरचना के मिले सबूत

वैज्ञानिक उत्खनन के दौरान दक्षिण-पश्चिम कोने में पक्की ईंटों से बनी मोटी और ऊंची दीवारें मिली हैं। ये दीवारें बताती हैं कि शुरुआती दौर में यहां ईंटों से बनी कोई विशाल सार्वजनिक उपयोग की संरचना रही होगी। इसके अलावा, ठोस चबूतरे और फर्श के अवशेष भी यहां लंबे समय तक मानवीय गतिविधियों के होने का संकेत देते हैं।

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 16 मार्च को

एएसआई की इस रिपोर्ट पर अब दोनों पक्षों में कानूनी जंग तेज हो गई है। याचिकाकर्ता (मंदिर पक्ष) का दावा है कि शिलालेख और अवशेष सिद्ध करते हैं कि यह सरस्वती मंदिर ही है। वहीं, कमाल मौलाना वेलफेयर कमेटी (मस्जिद पक्ष) ने तर्क दिया है कि पूर्व के सर्वे में इसे मस्जिद माना गया था और वे नई रिपोर्ट पर कोर्ट में आपत्तियां दर्ज कराएंगे। इस बीच, लंदन के म्यूजियम में रखी वाग्देवी (सरस्वती) की प्रतिमा को वापस लाने का मुद्दा भी विधानसभा में गूंजा है। हाईकोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को प्रस्तावित है।

यादव ने की मप्र के पूर्व विधायकों को एसी फस्ट क्लास में यात्रा और मुफ्त आवास की मांग

भोपाल/ग्वालियर। राज्य के सभी पूर्व विधायकों के सम्मान और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पूर्व मंत्रिमंडल मंत्री और पूर्व विधायक बोर्ड के उपाध्यक्ष भगवान सिंह यादव ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से दो प्रमुख मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। भगवान सिंह यादव ने बताया कि वर्तमान में मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय रेलवे कूपन के जरिए पूर्व विधायकों को एसी सेकंड क्लास में यात्रा करने की सुविधा प्रदान करता है, जबकि व्यवहार में एसी सेकंड क्लास में दो यात्रियों के किराए का योग आमतौर पर एसी फर्स्ट क्लास के एक यात्री के किराए के बराबर होता है। ऐसी स्थिति में यदि कोई पूर्व विधायक अकेले यात्रा करना चाहता है, तो उसे कूपन होने के बावजूद एसी फर्स्ट क्लास में यात्रा करने की अनुमति न मिलने के कारण असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसलिए पूर्व विधायकों एकल यात्रा के लिए एसी फर्स्ट क्लास में कूपन सुविधा प्रदान की जाए। वहीं एक अन्य मांग को लेकर यादव ने कहा कि मुंबई में स्थित 'मध्यलोक', जो मध्य प्रदेश सरकार की संपत्ति है, वर्तमान में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा व्यावसायिक दरों पर संचालित किया जा रहा है, जिसके कारण पूर्व विधायकों को कोई रियायत नहीं मिल रही है। उन्होंने अनुरोध किया है कि मुंबई में भी पूर्व विधायकों को नई दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश भवन की तर्ज पर मुफ्त आवास सुविधा प्रदान की जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि विधानसभा अध्यक्ष पूर्व विधायकों के सम्मान और गरिमा को ध्यान में रखते हुए इन दोनों मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर उनकी मांगों को पूरा किया जाए।

ब्रीफ न्यूज

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि

मऊरानीपुर/झांसी। केपी नायक मार्केट में महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके जीवन दर्शन और देश की आजादी के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अमित नायक ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन हमें सदैव मातृभूमि की सेवा और अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता रहेगा। युवाओं को उनके बताए रास्ते पर चलकर देश को सशक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद आजाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण नमन किया। इस मौके पर मोनू भदौरिया,विजय पटसारिया, अंकित भदौरिया, रवि नायक, धर्मेंद्र दुबे, ब्रह्मा नायक, नगेंद्र शर्मा,विजय मोर, विनोद साहू आदि मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके पर ही 'फूड सेफ्टी वैन' से नमूनों की जांच की

मऊरानीपुर/झांसी। होली के मद्देनजर खाद्य विभाग ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। खोवा-बर्फी के नमूने लैब भेजे गए, जबकि प्रतिबंधित रंगों वाले चिप्स-पापड़ पर कार्रवाई करते हुए दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए। खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके पर ही 'फूड सेफ्टी वैन' से नमूनों की जांच की। शासन के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए औचक निरीक्षण किया गया। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खोवा और बर्फी के नमूने लिए गए और उन्हें परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रंग-बिरंगी मिठाइयां, चिप्स और पापड़ पर पूरी तरह प्रतिबंध है। मानक के विपरीत सामग्री बेचने वाले कई दुकानदारों को कार्रवाई हेतु नोटिस जारी किए गए हैं। टीम में मुख्य रूप से खाद्य सुरक्षा अधिकारी शुभांशु सचान, प्रशांत श्रीवास्तव, लैब टेक्नीशियन प्रशांत श्रीवास्तव शामिल रहे।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि

मऊरानीपुर/झांसी। केपी नायक मार्केट में महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके जीवन दर्शन और देश की आजादी के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अमित नायक ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन हमें सदैव मातृभूमि की सेवा और अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता रहेगा। युवाओं को उनके बताए रास्ते पर चलकर देश को सशक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद आजाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण नमन किया।

उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन की सराहना

झांसी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी BBGTS मूर्ति एवं सहायक पुलिस अधीक्षक अरीबा नोमान ने शुक्रवार को दोपहर 1 बजे फीता अलंकरण कर शुभकामनाएँ प्रदान की गई।

बरनाया मोड़ पर भीषण हादसा

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार घायल झांसी में भर्ती

सत्ता सुधार ■ समथर/झांसी

थाना क्षेत्र के ग्राम दतावली कलां से आगे बरनाया मोड़ के पास सोमवार देर शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक सड़क पर गिरकर बेहोश हो गया। उसे उपचार के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना शाहजहांपुर क्षेत्र के ग्राम कांडोर खिरिया निवासी लोकेन्द्र सिंह गुर्जर सोमवार दोपहर अपनी मोटरसाइकिल से पूंछ थाना क्षेत्र के ग्राम धौरका रिश्तेदारी में गए थे। देर शाम लगभग 7 बजे वह समथर होते हुए अपने गांव कांडोर लौट रहे थे। जैसे ही वह दतावली कलां से आगे बरनाया मोड़ के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर गिर पड़े और बेहोश हो गए,जबकि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।इसी दौरान गांव कांडोर निवासी महेन्द्र पाल अपने घर लौट रहे थे। उन्होंने सड़क किनारे एक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। पास जाकर पहचान करने पर वह गांव के लोकेन्द्र सिंह निकले। महेन्द्र पाल ने तत्काल परिजनों को मोबाइल से सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवारजन मौके पर पहुंचे और घायल को आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने झांसी रेफर कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत झांसी मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने चिकित्सकों से वार्ता कर घायल को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष समथर देवेंद्र सिंह कंसाना ने भी मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायल का हालचाल जाना। घायल के पुत्र योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उनके पिता को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हुए हैं। फिलहाल उनका इलाज जारी है और स्वस्थ होने के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उपनिरीक्षक सिंह के सेवानिवृत होने पर परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया

समारोह में उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह को उनके उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया

सत्ता सुधार ■ सरकार/झांसी

थाना सकरार में पदस्थ उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह के सेवानिवृत होने पर थाना परिसर में एक भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। समारोह में उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह को उनके उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें पुष्पमाला पहनाकर और शाल भेंट कर विदाई दी गई। इस दौरान उनके सहयोगियों और अधिकारियों ने उनके साथ बिताए गए समय को याद किया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं ।उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वह अपने सेवा काल के दौरान पुलिस विभाग में काम करने का अवसर पाकर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों और अधिकारियों को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। समारोह का आयोजन थाना सकरार के पुलिस कर्मियों द्वारा किया गया था। इस अवसर पर थाना प्रभारी पप्पू सिंह, उप निरीक्षक अर्पित त्यागी, उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल रामकिशन, कांस्टेबल आशु सिंह, अमरेंद्र सिंह, हिमांशु सचान, संजय कुमार,महिला कांस्टेबल रुक्मिणी, रुचि, ममता दिवाकर सहित समस्त पुलिस स्टाफ और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक धर्मप्रकाश चौरसिया,सत्यप्रकाश मिश्रा, जयसिंह सिसौदिया ,हरिश्चंद्र सिंह विद्रोही, राकेश सेन,अंकित साहू, मनोज कुमार,ग्राम प्रधान लुहारी नृपेंद्र सिंह,बाहिद खान,विनय,रामू दाऊ सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

गुरसराय में 8.5 किमी सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास

विधायक जवाहर लाल राजपूत ने किया भूमि पूजन

सत्ता सुधार ■ समथर/झांसी

गुरसराय। चौथी मील हुबुपुरा गुरसराय संपर्क मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक जवाहर लाल राजपूत द्वारा विधिवत भूमि पूजन कर किया गया। यह निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग की ओर से लगभग 8.5 किलोमीटर लंबाई में 2467.07 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। भूमि पूजन के अवसर पर सतीश चौरसिया, नितिन मिश्रा, अवधेश सिंह फौजी, अरुण कुमार मिश्रा (चेयरमैन गरौठा), रामजी सोनी, जितेंद्र कुशवाहा, राम नारायण पस्तोर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस मौके पर लोक निर्माण विभाग के जेई नवनीत राजपूत ने बताया कि 7 मीटर चौड़ी सीसी सड़क का निर्माण कार्य लगभग 8 माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। गरौठा चेयरमैन अरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक द्वारा लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र की जनता को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। सभा को संबोधित करते हुए विधायक जवाहर लाल राजपूत ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं। क्षेत्र में पुल और सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण से दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन जिलाध्यक्ष नीहिल सिंघई ने किया तथा आभार व्यक्त कविता शर्मा ने किया। इस अवसर पर अनिल तिवारी, गुलाब जैन, प्रतीक जैन, मुन्नी दाऊ, कमलेश द्विवेदी, केशवेंद्र राजा, हर प्रसाद पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन के पास बने ओवरब्रिज पर स्ट्रीट लाइट को सुचारू किया

सत्ता सुधार ■ मऊरानीपुर/झांसी

नगर पालिका परिषद द्वारा आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए कर दिया गया है। पूर्व में उक्त ओवरब्रिज पर प्रकाश व्यवस्था का कार्य उप्र राज्य सेतु निगम, कानपुर द्वारा कराया गया था। स्थापना के मात्र 6 माह के भीतर ही लाइटें खराब हो गई थीं, जिससे पिछले 6 वर्षों से अंधेरे के कारण आमजन को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में जिला प्रशासन और सांसद को भी अवगत कराया गया था। लेकिन संबंधित कार्यदायी संस्था की लापरवाही बनी रही। स्थानीय नागरिकों द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष शशी-आयुष श्रीवास व अधिशासी अधिकारी सर्वेश कुमार से इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु मांग की गई। जनहित को सर्वोपरि रखते हुए, नगर पालिका प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए स्वयं के संसाधनों से ओवरब्रिज की केबल और अन्य तकनीकी खराबी को दुरुस्त करवाकर स्ट्रीट लाइट को पुनः रोशन कर दिया है। नगर पालिका प्रशासन ने मुकेश कुशवाहा, खेमचन्द, मुन्नुन, डालचंद कुशवाहा व सुरेंद्र के विशेष सहयोग की सराहना की है। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर की सुरक्षा और विकास हमारी प्राथमिकता है। आगे भी इसी प्रकार जनहित के कार्यों को गति दी जाएगी।

महिला पुलिस कर्मी को पदोन्नति होने पर एसएसपी ने फीता अलंकरण कर दी शुभकामना

सत्ता सुधार ■ झांसी

प्रतियोगिताओं में पुलिस का मान बढ़ाने ओर खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली झांसी में तैनात महिला पुलिस कर्मियों को एसएसपी ने किया सम्मानित। अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद झाँसी पुलिस का गौरव बढ़ाने वाली महिला आरक्षी सैफाली पाल एवं महिला आरक्षी कु0 शिखा को मुख्य आरक्षी पद पर पदोन्नति प्राप्त होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी ~~बबबबब~~ मूर्ति एवं सहायक पुलिस अधीक्षक श्रीमती अरीबा नोमान ने शुक्रवार को फीता अलंकरण कर शुभकामनाएं प्रदान की गई। इस दौरान एसएसपी ओर पुलिस के अन्य अधिकारियों द्वारा उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार अनुशासन, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया।

हाउस टैक्स की भारी वृद्धि के खिलाफ पार्षदों का विरोध, बोर्ड बैठक बुलाने की मांग

सत्ता सुधार ■ मऊरानीपुर/झांसी

नगर पालिका परिषद द्वारा हाउस टैक्स में की गई भारी वृद्धि के खिलाफ अब पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है। वार्ड नंबर 3 गोपालगंज के पार्षद जगदीश आर्य के नेतृत्व में पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन दिया। जिसके जरिये बताया कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में हाउस टैक्स में की गई अप्रत्याशित बढ़ोतरी से आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ गया है। पार्षदों का कहना है कि यह वृद्धि आम नागरिकों की आर्थिक स्थिति के अनुकूल नहीं है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशाषी अधिकारी से आग्रह किया है कि वे अविलंब नगर पालिका बोर्ड की एक बैठक बुलाएं। ताकि टैक्स में की गई भारी वृद्धि पर पुनर्विचार कर उसे संशोधित किया जा सके। पार्षदों का मुख्य उद्देश्य जनता को इस आर्थिक संकट से राहत दिलाना है। ताकि कर का निर्धारण ऐसा हो जिसे आम नागरिक आसानी से भुगतान कर सकें। इस मौके पर मीना साकेत वाल्मीकि, फलक साहिबा आशिक राईन, खेमचंद, हितेश, मुकेश अग्रवाल, प्रतिपाल सिंह भदौरिया, आकाश आर्य, फिरोज खान, फूलवती-वैजनाथ, रूबी-पावस मोदी, संध्या-धिरेंद्र विश्वकर्मा, वंदना-नरेश, प्रेमपाल, अभिषेक पाठक, लखन साहू मौजूद रहे।

बूढ़ा गांव के पास बाइक ओवरटेक करते समय कार से टकराई ,एक युवक की मौत

सत्ता सुधार ■ झांसी

जिले के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के बूढ़ा गांव के पास का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें आप साफ देख सकते हैं। की कार सवार ने एक बाइक में टक्कर मार दी बाइक सवार लगभग 10 फीट ऊपर उझलकर गिर पड़ा यह नजारा वहां लगे च्छ्1 में कैद हो गया। राहगीरों का कहना है। बाइक में दो युवक सवार थे । दोनों को एंबुलेंस की मदद से झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जहां एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई । एक युवक का इलाज चल रहा है । राहगीरों का कहना है। बाइक के आगे गाड़ी चल रही थी जब बाइक ने ओवरटेक किया तो सामने से आ रही कार से बाइक टकरा गई जिससे बाइक में बैठे युवक 10 फीट ऊंचे उछल कर सड़क पर गिर गए राहगीरों की मदद से एंबुलेंस को बुलाया और घायलों को झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जहां पर एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई और एक का इलाज चल रहा है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई । यह सीसीटीवी वीडियो शुक्रवार की सुबह 10:00 बजे सामने आया है और जमकर वायरल हो रहा है ।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से युवक गंभीर घायल, मुकदमा दर्ज

टहरौली। ग्राम टहरौली खास निवासी युवक को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का उपचार मेडिकल कॉलेज झांसी में चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टहरौली खास निवासी राजेश रायकवार ने प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह को तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र राहुल 5 फरवरी 2026 को राहुल पुत्र पूरनलाल के साथ अपाचे मोटरसाइकिल संख्या यूपी 93 सीएल 0890 से बिजना की ओर जा रहा था।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या की

गुरसरांय। थाना क्षेत्र के ग्राम अस्ता में एक युवक द्वारा अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना से गांव में शोक की लहर फैल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अस्ता निवासी मनीष पाल पुत्र वीरपाल (उम्र 28 वर्ष) ने अज्ञात परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि मृतक अपने पीछे दो छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गया है, जिनमें एक बेटा और एक बेटी शामिल हैं। मनीष की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और गांव में मातम का माहौल बना हुआ है।

सिर पर श्रीरामचरितमानस रख बागेश्वर धाम की पदयात्रा पर निकले अहमद खान

मऊरानीपुर। झांसी क्षेत्र के ग्राम टकटोली से एक बेहद प्रेरणादायक और सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी तस्वीर सामने आई है। यहाँ के 55 वर्षीय अहमद खान ने धर्म और आस्था की सीमाओं से परे जाकर भाईचारे का एक नया संदेश दिया है। अहमद खान अपने लगभग 50 साथियों के साथ मध्य प्रदेश स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बागेश्वर धाम के लिए पैदल यात्रा पर रवाना हुए हैं। इस यात्रा की सबसे खास बात यह है कि अहमद खान पूरी पदयात्रा के दौरान अपने सिर पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का ग्रंथ श्रीरामचरितमानस' रखकर चल रहे हैं। यात्रा के प्रस्थान के समय गाँव का माहौल किसी उत्सव जैसा था। श्रद्धालुओं ने अहमद खान को तिलक लगाया, गले में फूलमालाएं पहनाई और 'जय श्रीराम' के गगनभेदी उद्घोष के साथ उन्हें विदा किया। अहमद खान का कहना है कि यह पदयात्रा उनकी अटूट श्रद्धा, समर्पण और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि बागेश्वर धाम पहुंचकर वे मंदिर में विधिवत श्रीरामचरितमानस का पाठ करेंगे और भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण की मंगलकामना करेंगे। उनका यह कदम क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। गाँव के बुजुर्गों और युवाओं का कहना है कि उनकी इस पहल ने न केवल धार्मिक आस्था को नई दिशा दी है, बल्कि पूरे गाँव में आपसी प्रेम और सम्मान की भावना को और भी मजबूत किया है। ग्राम टकटोली, जहाँ मुस्लिम समाज के लगभग 150 लोग निवास करते हैं, वहाँ आज अहमद खान के इस निर्णय का हर समुदाय ने स्वागत किया है। वह मानवता और भाईचारे की सबसे बड़ी मिसाल है। उनकी यह यात्रा समाज को जोड़ने का कार्य कर रही है। उनके परिवार में दो पुत्र और तीन पुत्रियाँ हैं। उन्होंने बताया कि उनके परिवार के सदस्यों ने भी उनकी इस धार्मिक भावना का पूर्ण सम्मान किया है और उन्हें शुभकामनाओं के साथ विदा किया।

परधानी गांव में 2 दिन पहले खेत से घर लौट रही महिला को बेकाबू बाइक ने मारी थी टक्कर

सत्ता सुधार ■ झांसी

झांसी के प्राइवेट हॉस्पिटल हुई मौत दरअसल झांसी में एक्सीडेंट में घायल बुजुर्ग महिला ने दम तोड़ दिया। वह दो दिन पहले खेत से चारा लेकर घर लौट रही थी। सड़क पार करते समय बेकाबू बाइक ने रौंद दिया था। उनको सिर, पेट और पैर समेत अन्य जगह चोट आई थी। परिजन उनको उरई ले गए। जहां से झांसी रेफर कर दिया। जहां एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार रात महिला की मौत हो गई। हादसा जालौन के रेढ़र थाना क्षेत्र के परधानी गांव के पास हुआ था।मृतका का नाम विद्या देवी पत्नी माता प्रसाद पाल था। वह जालौन के रेढ़र थाना क्षेत्र के परधानी गांव की रहने वाली थी। मृतक के बेटे ने बताया कि बुधवार को मां विद्या देवी खेत पर गई थी। वहां से जानवरों के लिए चारा लेकर पैदल घर लौट रही थी। सड़क पार करते समय तेज गति में आ रही एक बाइक ने मां को टक्कर मार दी थी। हादसे में मां गंभीर घायल हो गई थी। तुरंत उनको उरई ले गए। जहां से झांसी रेफर कर दिया। यहां प्राइवेट अस्पताल में गुरुवार को ऑपरेशन हुआ। इसके कुछ देर बाद ही मां विद्या देवी की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा कर शव को शुक्रवार की दोपहर 3 बजे परिजनों को सौंप दिया है।

दबंग शख्स पर जबरन फसल काटने और जमीन कब्जाने की कोशिश का आरोप

झांसी। जिले के मोठ तहसील क्षेत्र के तोड़ी के रहने वाले ग्रामीण ने डीएम को शुक्रवार की दोपहर 1 बजे शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि एक दबंग शख्स ने उसकी फसल खेत से जबरदस्ती काट ली है और जमीन पर कब्जे की कोशिश कर रहा है। पीड़ित गोकुल रैकवार ने डीएम को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है । भुजोंद गांव का रहने वाला शख्स सत्ताधारी दल के नेता का करीबी है।

विरोध हमारे सम्वर्ग के सभी एम ओ सी एच चिकित्सा अधिकारियों में रोष व्याप्त है

काला फीता बांधकर शासन की नीतियोंका विरोध किया

सत्ता सुधार ■ सरकार/झांसी

सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा संघ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर कस्बा के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बृजकिशोर ने काला फीता बांधकर शासन की नीतियोंका विरोध किया प्रादेशिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा संघ झांसी के महासचिव डॉक्टर बृजकिशोर ने बताया कि संघ की ओर से सभी चिकित्सा अधिकारी (सामुदायिक स्वास्थ्य) केंद्र के अधिष्ठान ट्रांसफर की मांग के संबंध में कार्य स्थल पर रहकर काला फीता बांधकर कार्य करते हुए 27 फरवरी से 5 मार्च तक एक सप्ताह तक अपनेकार्य स्थल पर कार्य करते रहेंगे इस संबंध में शान द्वारा कोई निर्णायक निर्णय नहीं लिया अभी तक इस संबंध में कोई निर्देश जारी नहीं किए गए जिससे हमारे सम्वर्ग के सभी एम ओ सी एच चिकित्सा अधिकारियों में रोष व्याप्त है वहीं शासन की ओर से हमारे सम्वर्ग के अधिष्ठान ट्रांसफर हेतु एक माह में कोई निर्देश नहीं किए जाते तो सम्वर्ग आगे की रणनीति तय करेगी।

ब्रीफ न्यूज

आठ मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

ललितपुर। जिले में 8 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भव्य रूप से मनाने के लिए बुंदेलखंड महिला विकास सेवा समिति ने कमर कस ली है। शुक्रवार को समिति कार्यालय पर अध्यक्ष श्रीमती गुलाबबाई सैन की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। बैठक में समिति अध्यक्ष गुलाबबाई सैन ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में उन्हें सम्मान दिलाना है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर राजनीति, विज्ञान, कला और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। समिति की सचिव गीता सेन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी शुरुआत सबसे पहले सन 1909 में हुई थी। यह विशेष दिन महिलाओं को समान हक और सम्मान दिलाने के साथ-साथ उनमें जागरूकता पैदा करने के लिए समर्पित है।

विवाहिता को ससुराल से निकालने की कोशिश

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दिदौरा में एक विवाहिता को उसके ससुरालियों द्वारा मारपीट कर घर से निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति, सास, जेठ और जिठानी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। ग्राम दिदौरा निवासी ऊषा यादव पत्नी गौरव यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी शादी करीब 9 वर्ष पहले हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। उनका एक 7 वर्षीय पुत्र भी है। आरोप है कि पिछले कुछ समय से ससुराल पक्ष के लोग उन्हें अपने साथ नहीं रखना चाहते और लगातार घर से जाने का दबाव बना रहे हैं। पीड़िता के अनुसार 25 फरवरी की दोपहर करीब 3 बजे जब वह अपने घर पर थीं, तभी उनके पति गौरव, सास सुमन्ना, जेठ ब्रजभान और जिठानी सीमा ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों और लाठी-डंडों से उनकी बेरहमी से पिटाई कर दी।

96 वीं पुण्य तिथि पर आजाद को दी श्रद्धांजलि

ललितपुर। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 96 वीं पुण्यतिथि पर गौशाला अखाड़ा तालाबपुरा में श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चंद्रशेखर आजाद को याद किया गया। व उनके द्वारा आजादी में किए गए योगदान को भी याद किया गया। एक बार जब चंद्रशेखर आजाद से पूछा तो उन्होंने 15 साल की उम्र में असहयोग आंदोलन के दौरान गिरफ्तार होने पर, उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर जेलखाना बताया। इसी के बाद वह आजाद के नाम से प्रसिद्ध हो गए। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने देशभक्ति का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शील चन्द सिंघई (पप्पी) व संचालन शान्त सागर साहू(पूर्व पार्षद) ने किया। कार्यक्रम में आदर्श जैन, मुन्नालाल जैन, राजा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साथ मिलकर बचाएंगे गौरैया और पर्यावरण

मानव ऑर्गेनाइजेशन एवं अभाविप की विंग एसएफडी के बीच एमओयू

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रांत कार्यकारिणी बैठक के अवसर पर एसएफडी कानपुर प्रांत द्वारा मानव ऑर्गेनाइजेशन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। प्रांत सह प्रमुख एस.एफ.डी डा.राजीव निरंजन एवं प्रांत संयोजक एस.एफ.डी रुद्र रावत ने मानव ऑर्गेनाइजेशन के साथ औपचारिक रूप से एमओयू किया। प्रांत अध्यक्ष डा.ब्रजेश मिश्रा, प्रांत संगठन मंत्री मनीष राय, प्रांत मंत्री दिनेश यादव, प्रांत सह संगठन मंत्री तरुण बाजपेयी, विभाग प्रमुख डा.दीपक पाठक, विभाग संगठन मंत्री हरिओम जायसवाल सहित कानपुर प्रांत के 21 जिलों से पधारे सैकड़ों शिक्षक कार्यकर्ता एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि यह समझौता पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता तथा युवा-प्रेरित विकास कार्यक्रमों को संगठित रूप से आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जैव विविधता संवर्धन, स्वच्छता अभियान तथा प्रकृति संरक्षण से जुड़े विविध कार्यक्रम संयुक्त रूप से संचालित किए जाएंगे। मानव ऑर्गेनाइजेशन अध्यक्ष पर्यावरणविद् पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का मूल आधार है। एस.एफ.डी और मानव ऑर्गेनाइजेशन का यह सहयोग युवाओं को प्रकृति संरक्षण के लिए संगठित और जागरूक करेगा। जब विद्यार्थी शक्ति पर्यावरण संरक्षण से जुड़ेगी, तब जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं की रक्षा के साथ-साथ मानव कल्याण का लक्ष्य भी सशक्त रूप से प्राप्त होगा। यह पहल भविष्य की पीढियों के लिए सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण निर्माण की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है। प्रांत संयोजक एस.एफ.डी.रुद्र रावत ने कहा कि मानव ऑर्गेनाइजेशन के साथ किया गया यह समझौता केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक सामाजिक संकल्प है। एस .एफ.डी.का उद्देश्य छात्रशक्ति को विकास और पर्यावरण संरक्षण जैसे राष्ट्रीय विषयों से जोडना है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जैव विविधता संवर्धन और जनजागरूकता जैसे अभियानों को अब हम और अधिक संगठित तथा व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार राष्ट्र-निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

होली से पहले ललितपुर पुलिस की बड़ी पहल, 117 खोए मोबाइल बरामद

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

होली के पावन पर्व से ठीक पहले ललितपुर पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए गिरे/खोए हुए 117 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई गई है। इस पहल से मोबाइल पाने वाले लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने जनसुनवाई में प्राप्त मोबाइल गुमशुदगी संबंधी प्रार्थना पत्रों का संज्ञान लेते हुए सर्विलांस टीम एवं थानों पर गठित टीमों को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। अभियान के तहत पुलिस टीमों ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों तथा देश के कई राज्यों के अलग-अलग स्थानों से विभिन्न कम्पनियों के कुल 117 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता हासिल की। शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ने बरामद मोबाइल उनके स्वामियों को सुपुर्द किए। इस दौरान लोगों ने ललितपुर पुलिस की कार्यशैली की सराहना की है। पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली टीम को पुरस्कृत भी किया। मोबाइल बरामद करने वाली टीम में सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण कुमार, स्वाट प्रभारी उपनिरीक्षक अतुल तिवारी मय टीम, हेड कांस्टेबल जिनेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल प्रशांत कुमार, कांस्टेबल रोहित कुमार, कांस्टेबल मो. आमिर एवं कांस्टेबल मोहित सिंह शामिल रहे।

पुलिस की कार्रवाई में तीन वारंटी गिरफ्तार

ललितपुर। जिले में वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस ने तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह और क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस के अनुसार, थाना जखौरा क्षेत्र की टीम ने मुखबिर की सूचना पर तीनों अभियुक्तों को पकड़कर नियमानुसार कार्रवाई की। गिरफ्तार अभियुक्तों में बृजेश पुत्र नत्थू अहिरवार एवं नत्थू पुत्र छलौने निवासी ग्राम कुमरौल व सुरेन्द्र पुत्र मुन्ना राजा निवासी टीला शामिल हैं। तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध केस संख्या 396/2022, धारा 363, 366, 120बी, 506 भादवि के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार करने वाली टीम में बिरधा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राहुल कुमार, उपनिरीक्षक जयकरन सचान, आरक्षी मनीष कुमार शामिल रहे।

साप्ताहिक परेड का एसपी ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया गया। इस दौरान परेड की ड्रिल, अनुशासन, ड्रेस कोड और आपसी तालमेल की गुणवत्ता का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। निरीक्षण के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित विभिन्न शाखाओं में शस्त्रागार, परिवहन शाखा, भोजनालय, क्वार्टर गार्ड, कैंटीन, कंट्रोल रूम और वर्दी स्टोर–का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव तथा उपलब्ध संसाधनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी क्रम में डायल-112 के पीआरवी वाहनों की भी जांच की गई। वाहनों की स्वच्छता, वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब/मोबाइल तथा अन्य आपात उपकरणों की कार्यशीलता पर विशेष ध्यान दिया गया। पीआरवी स्टाफ को आमजन के प्रति संवेदनशील, संयमित एवं सेवा भाव से कार्य करने के निर्देश देते हुए रिस्पॉन्स टाइम और बेहतर करने के सुझाव दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने अर्दली रूम का आयोजन कर विभिन्न मदों के रजिस्टरों का अवलोकन किया और विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, शिकायतों तथा लंबित पत्रावलियों की समीक्षा कर त्वरित निस्तारण के निर्देश संबंधित शाखा प्रभारियों को दिए। परेड में शामिल पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याएं भी सुनी गईं और उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी लाइन्स सुनील भारद्वाज, प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वेंडर सत्यापन और ट्रेन सुरक्षा पर उठे बड़े सवाल

तमिलनाडु एक्सप्रेस में छात्रा से छेडख़ानी

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

चलती ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर कटघरे में है। गाड़ी संख्या 12622 तमिलनाडु एक्सप्रेस में दिल्ली से चेन्नई जा रही 23 वर्षीय छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़ की घटना सामने आने के बाद रेलवे में वेंडर सत्यापन और ऑनबोर्ड निगरानी की प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

क्या हुआ था ट्रेन के भीतर

चेन्नई निवासी छात्रा के अनुसार वह 24 दिसंबर को नई दिल्ली से चेन्नई के लिए रवाना हुई थी। पीड़िता ने जीआरपी को दी तहरीर में बताया कि 25 दिसंबर की सुबह करीब 03.30 से 05.30 बजे के बीच, जब ट्रेन झांसी स्टेशन पार कर आगे बढ़ रही थी, उसी दौरान यह घटना हुई। छात्रा का आरोप है कि वह अपनी सीट पर सो रही थी, तभी चाय बेचने वाले की आईआरसीटीसी की नीली वर्दी पहने एक व्यक्ति ने गलत नियत से उसे छुआ। कुछ ही देर बाद एक अन्य वेंडर ने भी उसके साथ अश्लील हरकत की। विरोध करने पर दोनों आरोपी मौके से भाग निकले।

देर से दर्ज हुई एफआईआर, बढ़े सवाल

घटना 25 दिसंबर 2025 की बताई जा रही है, जबकि जीआरपी ललितपुर में मुकदमा 26 फरवरी 2026 को दर्ज हुआ। इस लगभग दो महीने की देरी ने शिकायत प्रक्रिया और पुलिस प्रतिक्रिया की खुलासा खामियों को उजागर किया है। जीआरपी ने बीएनएस 2023 की धारा 75 के तहत एफआईआर संख्या 0019 दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक राजेश सिंह को सौंपी है। पीड़िता ने आरोपियों की पहचान करने की बात कही है। इस घटना ने रेलवे की यात्री सुरक्षा व्यवस्था के कई पहलुओं को चर्चा में ला दिया है, जिनमें ट्रेन में सेवा देने वाले कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन और पहचान प्रक्रिया कितनी प्रभावी है? लंबी अवधि तक आरोपियों का सक्रिय रहना ऑनबोर्ड सुरक्षा निगरानी पर प्रश्न उठाता है। घटना और एफआईआर के बीच लंबा अंतर पीड़ित सहायता तंत्र की गति पर सवाल खड़ा करता है।

रेलवे प्रशासन के लिए चेतावनी संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि यात्री सुरक्षा ढांचे की कमजोरी का संकेत है। यदि अधिकृत वर्दी में मौजूद कर्मियों पर ही संदेह हो, तो यात्रियों का भरोसा कमजोर होना स्वाभाविक है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सतरवांस तिगैला पर एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से घायल हुए व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। थाना नाराहट के ग्राम क्योलारी निवासी कमला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 दिसंबर 2025 की शाम करीब 7.30 बजे उनके पति हुकुम सिंह अपने परिचित के साथ सतरवांस तिगैला के पास सड़क की पटरी पर खड़े थे। उसी समय ग्राम क्योलारी का ही इन्द्रपाल सिंह अपनी मोटरसाइकिल (संख्या- यूपी 94 ए.के. 3409) को बेहद तेजी और लापरवाही से चलाता हुआ आया और हुकुम सिंह को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से हुकुम सिंह सड़क पर गिर गए और उनके शरीर में गंभीर चोटें आईं।

लेखपाल पर दो लाख रिश्वत लेकर पटटे की जमीन कब्जाने की साजिश का आरोप

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

तहसील क्षेत्र के ग्राम खिरियाभारनजू में एक गरीब भूमिहीन किसान की पट्टे वाली कीमती जमीन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। पीड़ित किसान ने क्षेत्रीय लेखपाल पर विपक्षी से मोटी रकम लेकर उसकी जमीन पर अवैध कब्जा कराने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाते हुए उप जिलाधिकारी महरौनी को शिकायती पत्र सौंपा है। ग्राम खिरियाभारनजू निवासी छिद्दामी पुत्र डरूआ अहिरवार ने शिकायती पत्र में बताया कि वह और उसकी पत्नी हरकिया उर्फ राजरानी भूमिहीन श्रमिक हैं। शासन द्वारा उन्हें वर्ष 2005 में आराजी संख्या 1132क (रकवा 0.304 हेक्टेयर) का पट्टा आवंटित किया गया था, जिस पर वे पिछले 20 वर्षों से खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। पीड़ित का आरोप है कि उसकी जमीन सड़क के किनारे (रोड साइड) स्थित है,

जिस पर गांव के ही एक रसूखदार व्यक्ति जगना पुत्र सैतुआ अहिरवार की नीयत खराब है।

आरोप है कि लेखपाल पंकज यादव ने विपक्षी से दो लाख रुपये की अनुचित राशि लेकर साठ-गांठ कर ली है। लेखपाल ने करीब एक माह पूर्व पैमाइश के बहाने उससे कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए थे। जब किसान ने अपनी जमीन पर तरमीम (नक्शा सुधार) करने से रोका, तो लेखपाल ने अभद्रता की। विपक्षी और लेखपाल मिलकर जबरन जमीन पर कब्जा कराने और सरकारी अभिलेखों में हेरफेर करने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित किसान छिद्दामी ने एसडीएम से गुहार लगाई है कि लेखपाल को उसकी पट्टे वाली भूमि पर किसी भी प्रकार की अवैध तरमीम या रंग भरने (नक्शा परिवर्तन) से रोका जाए। किसान ने चेतावनी दी है कि यदि उसे न्याय नहीं मिला, तो वह न्यायालय की शरण लेने को विवश होगा।

योजनाओं का ग्राम स्तर तक करें प्रचार

हर श्रमिक का बने ई-श्रम कार्ड : सांसद

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद अनुराग शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सांसद ने श्रमिक कल्याण, ग्रामीण स्वरोजगार, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और सड़क निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। सांसद ने वीबी-जीरामजी योजना का ग्राम स्तर तक व्यापक प्रचार कराने और 100 दिन से अधिक कार्य करने वाले सभी श्रमिकों के ई-श्रम कार्ड बनवाने के लिए ग्राम स्तर पर कैंप लगाने को कहा। उन्होंने ललितपुर को दुग्ध उत्पादन के लिए अनुकूल बताते हुए इस क्षेत्र में अधिक इकाइयां स्थापित कराने पर जोर दिया। ग्रामीण इंफ्रास्टट्रक्चर की समीक्षा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों में आ रही बाधाएं दूर कर निर्माण तेज करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की प्रगति पर संतोष जताते हुए सांसद ने पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कार्यों की सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने को कहा। मुख्यमंत्री आवास योजना में दिव्यांगों और सहारिया समुदाय को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। विद्युत आपूर्ति की समीक्षा के दौरान गर्मी में लाइन लॉस और लो वोल्टेज की समस्या के स्थायी समाधान की रणनीति बनाने को कहा गया। वहीं जल जीवन मिशन के तहत 335 गांवों में जलापूर्ति शुरू होने की जानकारी दी गई, जिस पर सांसद ने खुदाई वाली सड़कों की मरम्मत युद्ध स्तर पर कराने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम सत्य प्रकाश, एसपी मो.मुश्ताक, एडीएम नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव, सीडीओ शेषनाथ चौहान, प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज डा.मयंक शुक्ला, सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद, पीडी डीआरडीए दीपक यादव, डीसी मनरेगा रमेश कुमार यादव, डीडीओ अतिरंजन सिंह, डीआईओएस ओपी सिंह, बीएसए रणवीर सिंह, अधि.अभि. जल निगम ग्रामीण अवनीश सिंह, अधि.अभि. जल संस्थान, अधीक्षक अभियंता विद्युत, ईओ दिनेश कुमार विश्वकर्मा, प्रोबेशन अधिकारी नंदलाल सिंह, समाज कल्याण अधिकारी नीरज सिंह, एलडीएम रंजीत कुमार, डीआईओ सहित विभिन्न कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गाली-गलौज का विरोध करने पर दबंगों ने पूरे परिवार को लाठी-डंडों से पीटा

ललितपुर। थाना तालबेहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खांदी (मजरा गडरयाना) में गुरुवार रात मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दुकान पर गुटखा लेने गए एक व्यक्ति को शराब के नशे में धुत दबंगों ने गाली-गलौज की और विरोध करने पर पूरे परिवार को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में महिला की शिकायत पर 21 नामजद आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। ग्राम खांदी निवासी श्रीमती इन्द्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 26 फरवरी की रात करीब 8 बजे उनके पति खुशीलाल पास की एक दुकान पर गुटखा लेने गए थे। वहां पहले से मौजूद प्रभु, सोनू और हरपू शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहे थे। जब खुशीलाल ने उन्हें टोकते हुए गाली देने से मना किया, तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

बचाने आए परिजनों को भी नहीं बख्शा

पीड़िता के अनुसार, जब वह अपने बेटे हन्नू उर्फ सरदार, नाती रामकिशोर और बहू काजल के साथ पति को बचाने पहुंचीं, तो सभी आरोपियों ने एकजुट होकर उन पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया। इस हमले में परिवार के कई सदस्यों को चोटें आई हैं।

भारत के साथ आई2यू2 समूह के तहत सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं इजराइल

यह समूह आर्थिक सहयोग, निवेश, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा और तकनीक पर है केंद्रित

एजेंसी ■ इजराइल

पीएम नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे के दौरान इजराइली पीएम नेतन्याहू ने साफ संकेत दिया कि वे भारत के साथ मिलकर आई2यू2 समूह के तहत सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। बता दें आई2यू2 समूह में भारत, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका शामिल हैं। आधिकारिक तौर पर यह समूह आर्थिक सहयोग, निवेश, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा और तकनीक पर केंद्रित है, लेकिन बदलते हुए परिदृश्य में इसका रणनीतिक महत्व भी बढ़ता दिख रहा है। अगर यह गठबंधन पूरी क्षमता से सक्रिय होता है, तो इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि राजनीतिक और सामरिक संतुलन पर भी पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में पहले से ही अलग-अलग ध्रुव उभर रहे हैं। एक ओर

पाकिस्तान, तुर्की और कुछ हद तक सऊदी अरब जैसे देशों का पारंपरिक प्रभाव है, तो दूसरी ओर यूएई और कुछ अन्य अरब देश इजराइल के साथ सहयोग की राह पर बढ़ चुके हैं। ऐसे में अगर आई2यू2 मजबूत होता है और भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका का तालमेल गहरा होता है, तो मुस्लिम वर्ल्ड साफ तौर पर बंट जाएगा। यह विभाजन विचारधारा से ज्यादा रणनीतिक हितों पर आधारित होगा। यूएई और कुछ अन्य खाड़ी देश पहले ही इजराइल के साथ संबंध सामान्य कर चुके हैं। यदि वे आर्थिक और सुरक्षा सहयोग के नए ढांचे में सक्रिय भूमिका निभाते हैं, तो पाकिस्तान की पारंपरिक इस्लामी एकजुटता की राजनीति को चुनौती मिल सकती है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब से भी इसी इस्लामिक कार्ड के बल पर सुरक्षा समझौता कर लिया। ऐसे में अगर लिबरल खाड़ी देश भारत और इजराइल के साथ खड़े होते हैं, तो पाकिस्तान की कूटनीतिक स्थिति कमजोर हो सकती है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भी काफी हद तक खाड़ी देशों की सहायता और निवेश पर निर्भर रही है। वही देश भारत के साथ बड़े निवेश और टेक्नोलॉजी साझेदारी में अधिक रुचि दिखाते हैं, तो क्षेत्रीय प्राथमिकताएं बदल सकती हैं, जैसा यूएई के मामले में हुआ। इससे पाकिस्तान को रणनीतिक और आर्थिक दोनों मोर्चों पर नुकसान उठाना पड़ सकता है। हालांकि यह भी ध्यान रखना होगा कि सऊदी अरब की स्थिति जटिल है। वह एक तरफ अमेरिका और खाड़ी सहयोग परिषद का प्रमुख देश है, तो दूसरी तरफ वह अपने क्षेत्रीय संतुलन को साधकर चलता है।

ईरान से जंग को लेकर अमेरिका में उभरे मतभेद

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

ईरान के मुद्दे पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट नेताओं के बीच मतभेद बढ़ते जा रहे हैं। सीनेट मेजोरिटी लीडर जॉन थ्यून राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति का समर्थन कर रहे हैं, तो वहीं हाउस डेमोक्रेट्स ने किसी भी मिलिट्री एक्शन को सीमित करने वाले प्रस्ताव पर मतदान कराने की पहल की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थ्यून ने कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप सुरक्षित सड़कों, अमेरिकी लोगों की जेब में ज्यादा पैसे और अमेरिकियों के आगे बढ़ने के नए अवसरों के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप हमें उस क्षेत्र और देश के भीतर अमेरिका के अहम राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए तैयार कर रहे हैं। हम परमाणु हथियारों से लैस ईरान को बर्दाश्त नहीं कर सकते। ट्रंप ने यह बात अपने भाषण में स्पष्ट की थी। मुझे लगता है कि इस पर अमेरिकी जनता का बड़ा बहुमत सहमत है। थ्यून ने कहा कि अमेरिका के उस इलाके में जरूरी हित हैं और राष्ट्रपति शक्ति के जरिए शांति की नीति अपना रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका के पास सही समय और सही स्थान पर उचित संसाधन उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इसकी जरुरत नहीं पड़ेगी।

एल मेनचो की गर्लफ्रेंड मारिया जूलिसा ने सामने आकर बताई सच्चाई

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको का सबसे वांटेड अपराधी और 'जलिस्को कार्टेल' का सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वेंट्स उर्फ 'एल मेनचो' इस हफ्ते एक मिलिट्री ऑपरेशन में ढेर कर दिया गया। इस मौत के बाद एल मेनचो की लाइफ से जुड़े कई रहस्य खुल रहे हैं, लेकिन ज्यादा चर्चा उस 'मिस्ट्री वुमन' की हो रही है जिसकी वजह से फौज एल मेनचो के ठिकाने तक पहुंची थी। सोशल मीडिया पर मशहूर ओनलीफैंस मॉडल मारिया जूलिसा का नाम खूब वायरल हो रहा है। मेक्सिको से ड्रग माफिया से अपना नाम जुड़ता देख मारिया ने सामने आकर सच्चाई बताई।

अवैध प्रवासियों को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका में फिर अवैध प्रवासन और सड़क सुरक्षा का मुद्दा गर्मा गया है। अमेरिकी डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में डेलिला लॉ पारित करने की अपील की है। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य राज्यों द्वारा अवैध प्रवासियों को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने पर रोक लगाना है।राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, इस विधेयक का नाम डेलिला कोलमैन के सम्मान में रखा गया है, जो पहली कक्षा की छात्रा है और एक भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई थी। यह दुर्घटना एक सेमी-ट्रक से हुई, जिसे कथित रूप से एक अवैध प्रवासी चला रहा था और उसके पास वैध कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस मौजूद था।

ट्रंप ने कहा कि कई अवैध प्रवासी इंग्लिश नहीं जानते और सड़क संकेतों को पढ़ने में सक्षम नहीं होते। उनके अनुसार, यह स्थिति सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि डेलिला लॉ पारित कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी राज्य अवैध प्रवासियों को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस जारी न कर सके।

व्हाइट हाउस की ओर से बताया गया कि इस दुर्घटना में डेलिला को गंभीर सर पर चोट (ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी) और सेरेब्रल पाल्सी हो गई है। डॉक्टरों के मुताबिक, उन्हें जीवनभर विशेष देखभाल और चिकित्सा सहायता की आवश्यकता रहेगी। इस हादसे के लिए जिम्मेदार चालक प्रताप सिंह बताया जा रहा है, जो भारत से आया एक अवैध प्रवासी है। वह वर्ष 2022 में अमेरिका की सीमा पार कर देश में दाखिल हुआ था।

किम जोंग उन ने की ट्रंप की मुराद पूरी, दोस्ती करने के लिए रखी कड़ी शर्त

एजेंसी ■ प्योंग यांग

उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मुराद सुन ली है। उन्होंने पहली बार संकेत दिए हैं कि वे ट्रंप के साथ दोस्ती करने को तौयार हैं लेकिन इसके लिए उन्होंने कड़ी शर्ते रखी हैं। किम ने साफ कहा है कि अगर अमेरिका को उत्तर कोरिया का दोस्त बनना है तो ये सब उनकी शर्तों पर होगा, यहां पर ट्रंप की दादागीरी नहीं चलेगी। किम ने शर्तिया दोस्ती का हाथ ऐसे समय में बढ़ाया है, जब ट्रंप कुछ महीनों में चीन दौरे पर जाने वाले हैं। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह ने अपनी शर्ते गिनाते हुए ट्रंप को ऑफर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खूंखार तानाशाह किम जोंग उन से दोस्ती के लिए ट्रंप बेचैन हैं और कई बार उनसे मिलने की इच्छा जता चुके हैं। वहीं, हाल ही में प्योंगयांग में एक समारोह में ट्रंप को गुड न्यूज मिली है। किम जोंग उन ने उनसे दोस्ती का हाथ बढ़ाया है लेकिन उनकी एक शर्त भी है। किम का कहना है कि अमेरिका, उत्तर कोरिया को एक 'परमाणु शक्ति' के रूप में स्वीकार करता है और अपनी 'दुश्मनी वाली नीति' छोड़ता है, तो उन्हें ट्रंप के साथ हाथ मिलाने में कोई ऐतराज नहीं । किम का ये बयान ठीक उस समय आया है जब ट्रंप मार्च के आखिर या अप्रैल की शुरुआत में चीन जाने वाले हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस यात्रा में ट्रंप और किम के बीच एक और 'सुपर समिट' हो सकती है लेकिन इसमें एक बड़ा ट्विस्ट है, किम ने अपने पड़ोसी दक्षिण कोरिया को 'धोखेबाज' करार देते हुए बातचीत के सारे दरवाजे बंद कर दिए हैं, जिससे एशिया में तनाव का एक नया मोर्चा खुल गया है। बता दें अक्टूबर 2025 में एयरफोर्स वन पर ट्रंप ने कहा था, 'किम के साथ मेरे रिश्ते बेहतरीन रहे हैं और मैं उनसे दोबारा मिलने के लिए 100फीसदी तैयार हूं'। ट्रंप ने पहले ही उत्तर कोरिया को 'एक तरह की परमाणु शक्ति' मानकर दशकों पुरानी अमेरिकी नीति को हिला दिया है, जो किम के लिए किसी जीत से कम नहीं है।

कांग्रेस समिति के समक्ष दिए बयान, जांच को बताया राजनीतिक

हिलेरी ने जेफ्री एपस्टीन से किसी भी तरह की मुलाकात से किया इनकार

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने प्रतिनिधि सभा की 'निगरानी एवं सरकारी सुधार समिति' के समक्ष पेश होकर जेफ्री एपस्टीन से किसी भी प्रकार के संबंध या मुलाकात से साफ इनकार किया। उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन की आपराधिक गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्हें उससे मिलने की कोई याद है। क्लिंटन ने अपने बयान में कहा, मुझे उसकी आपराधिक गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मुझे याद नहीं कि मेरी कभी एपस्टीन से मुलाकात हुई हो। मैंने कभी उसके विमान में यात्रा नहीं की और न ही उसके द्वीप, घरों या कार्यालयों का दौरा किया। यह सुनवाई उस जांच के तहत हुई, जिसकी अगुवाई प्रतिनिधि सभा की रिपब्लिकन नेतृत्व वाली समिति कर रही है। जांच का फोकस संघीय एजेंसियों द्वारा जेफ्री एपस्टीन और उसकी सहयोगी जी मैक्सवेल के खिलाफ मामलों के संचालन पर है। एपस्टीन की 2019 में यौन तस्करी के आरोपों के बीच हिरासत में मौत हो गई थी, जबकि मैक्सवेल वर्तमान में संघीय जेल में सजा काट रही है। अपने शुरुआती बयान में क्लिंटन ने समिति की मंशा पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं होने के बावजूद गवाही के लिए बुलाया गया, जो जांच में सहायक नहीं है। उनके अनुसार, यह कार्रवाई पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश हो सकती है। क्लिंटन ने कहा कि यह जांच पीड़ितों और बचे लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के बजाय राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए की जा रही है। उन्होंने दोहराया कि जनवरी में दिए गए अपने शपथ पत्र के अलावा उनके पास बताने को और कुछ नहीं है।

शांति से डिगती दुनिया पहुंची युद्ध के मुहाने पर

आज का वैश्विक परिदृश्य अस्थिरता और संघर्ष के संकटों से जूझता हुआ नजर आ रहा है। रुस और यूक्रेन के बीच लगातार जारी तनाव, इजराइल और हमास के बीच गाजा में संघर्ष, सीरिया संघर्ष, ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका, और अब पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के बीच सीमा पर सैन्य टकराव ने स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर लगातार बढ़ते तनाव ने स्थिति को सीधे सैन्य संघर्ष में तब्दील कर दिया है। वैसे पाकिस्तान इन दिनों अशांति के चरम दौर से गुजर रहा है, ऐसे में उसका अफगानिस्तान से सीधा टक्कर लेना किसी बड़े झमेले में फंसने से कम नहीं है। तालिबान पर तरह-तरह के आरोप लगाकर एयरस्ट्राइक कर अपनी पीठ थपथपाने के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है वह न सिर्फ चिंता में डालने वाली है बल्कि इंसानियत के नाते भयावह भी है। दरअसल पाकिस्तान को जवाब देते हुए अफगान सेना ने दावा किया है कि पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर 55 सैनिकों को मार गिराया और कई को बंदी बना लिया गया है। वहीं पाकिस्तान ने काबुल, कंधार और पक्तिका में हवाई हमले कर 130 से अधिक अफगान लड़ाकों को ढेर करने का दावा किया है। इससे पहले अफगानिस्तान कह चुका है कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों को निशाना बनाया है, जिसमें मौतें भी हुई हैं। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल हक' के तहत तालिबान ठिकानों और चौकियों पर बमबारी की, जबकि अफगान प्रवक्ता ने पाकिस्तानी चौकियों और ब्रिगेड मुख्यालयों को निशाना बनाने का दावा किया। इस सैन्य संघर्ष में आम नागरिकों की जान पर सबसे ज्यादा खतरा मंडरा रहा है। शरणार्थी शिविरों पर मिसाइल हमलों से महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों घायल और मृत हुए हैं। दरअसल इस पूरे विवाद की जड़ 2,611 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन है, जिसे अफगानिस्तान कभी मान्यता नहीं देता। टीटीपी की गतिविधियाँ और मध्यस्थता के टूटने से सीमा पर हालात और नाजुक हो गए हैं। ऐसे समय में पाकिस्तान द्वारा भारत को इस संघर्ष में घसीटने की कोशिश ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान को भारत का 'प्रॉक्सी' करार देते हुए गंभीर

आरोप लगाए हैं, जबकि कई विश्लेषक इसे आंतरिक असफलताओं और सीमा पर नियंत्रण खोने का ध्यान भटकाने वाला कदम मान रहे हैं। दक्षिण एशिया में यह तनाव वैश्विक शांति के लिए भी चिंता का विषय है। अगर यह संघर्ष और बढ़ा, तो क्षेत्रीय अस्थिरता और मानवीय संकट गहरा सकता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच टकराव न केवल स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए खतरनाक है, बल्कि वैश्विक तेल, वाणिज्य और निवेश पर भी असर डाल सकता है।

क्या साइलेंट वारियर्स डॉग्स से सबक लेंगे देश में छिपे गद्दार?

मनोज कुमार अग्रवाल

पिछले दिनों भारत के सैन्य बल को जम्मू डिवीजन के कठुआ, ऊधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ जिलों में आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में सेना के डॉग टायसन ने जान पर खेल कर बहतरीन काम किया है यहां तक की आतंकियों की गोलीबारी में सेना का टायसन नामक डॉग जख्मी भी हुआ है। सेना के कुत्ते, जिन्हें अक्सर साइलेंट वॉरियर्स कहा जाता है, सुरक्षा, जासूसी, बारूदी सुरंगों का पता लगाने, तलाशी और बचाव अभियानों में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मेरठ के रीमाउंट और वेटरनरी कॉर्प्स सेंटर में प्रशिक्षित ये कुत्ते जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर, बेल्जियन मैलिनोइस जैसी नस्लों के होते हैं, जो आतंकवाद विरोधी अभियानों में सैनिकों की जान बचाते हैं। दूसरी ओर गौर कीजिए देश में काश्मीर से लेकर कोलकाता तमिलनाडु केरल तक ऐसे सक्रिय और स्लीपर सैल से जुड़े आतंकी और आतंकियों के मददगार पकड़े जा रहे हैं जो इस देश का अन्न जल खाकर भी मजहबी उन्माद और नफरती विषवमन से ग्रसित होकर देश के खिलाफ गद्दारी कर रहे हैं। ये गद्दार देशद्रोही इंसान का जन्म लेकर भी नमक का फर्ज अदा करना तो दूर देश के दुश्मनों के मंसूबों को पूरा करने में मददगार बन रहे हैं ये इन जानवरों में जन्म लेने के बावजूद प्रशिक्षण लेकर देश के लिए काम करने वाले डॉग्स से भी सबक ले सकते हैं। आपको बता दें हाल ही में सुरक्षा बलों को जम्मू डिवीजन में सक्रिय इन आतंकवादियों का सफाया करने के लिए चलाए जा रहे ऑप्रेशन त्राशि-1 के दौरान आखिरकार 22 फरवरी, 2026 को बड़ी सफलता मिली।जम्मू के किश्तवाड़ के घने जंगल में हुई भीषण मुठभेड़ में भरतीय सेना के जवानों ने एक ढोक भेड़-बकरियां आदि चराने वालों अर्थात गड़रियों द्वारा मौसम बदलने पर रहने के लिए बनाए गए अस्थायी आवास में छिपे हुए आतंकवादियों पर रॉकेट दागकर जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष पाकिस्तानी कमांडर और सात साल से सुरक्षा बलों को चकमा दे रहे 10 लाख के ईनामी सैफुल्लाह सहित तीन आतंकवादियों को मार गिराया।एक रिपोर्ट के अनुसार राकेट दागने से हुआ धमाका इतना जबरदस्त था कि इसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी की खोपड़ी ही पूरी तरह छलनी हो गई तथा तीनों आतंकवादियों के शव पूरी तरह जल गए। मुठभेड़ स्थल से 2 ए. के. 47 राइफलें और भारी मात्रा में युद्धक सामग्री बरामद हुई।

गत कुछ वर्षों से ये आतंकवादी लगातार अपनी छिपने के ठिकाने बदलते आ रहे थे और पहाड़ी इलाकों व घने जंगलों का लाभ उठाकर अपना नैटवर्क बनाने में जुटे हुए थे। इस आप्रेशन को सफल बनाने में भारतीय सेना के मददगार डॉग स्कवायड के टायसन नामक खोजी श्वान का बड़ा योगदान रहा। आतंकवादियों के ठिकानों की ओर वही सबसे पहले बढ़ा था। जानकारी के अनुसार सेना की के नाइन यूनिट का वो बहादुर डॉग जो आतंकवाद के खिलाफ कई ऑपरेशन में हिस्सा रहा लेकिन रविवार को किश्तवाड़ में वो जिस तरह आतंकियों का काल साबित हुआ उसे सुनकर आपको न सिर्फ गर्व होगा वरना आप देश में छिपे

गद्दारों पर भी लानत देंगे . जिस वक्त आतंकी सेना पर गोली चला रहे थे. उस वक्त भी टायसन रुका नहीं. बल्कि आतंकियों की ओर बढ़ता चला गया. इस फायरिंग में टायसन को एक गोली भी लग गई. फिर भी वो चट्टान की तरह उनके सामने डटा रहा और गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी टायसन ने जवानों को आतंकियों के ठिकाने तक पहुंचाया, जिसके बाद सेना ने जैश के तीन आतंकियों को मार गिराया. इस ऑपरेशन के बाद गंभीर हालत में 'टायसन' एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया वहां आपरेशन के बाद उसकी हालत में सुधार हो रहा है।घायल हो जाने के बावजूद टायसन ने आतंकवादियों का डटकर मुकाबला किया और अंततः उसने आतंकवादियों को सुरक्षा बलों की रेंज में ला दिया और भारतीय जवानों ने उनको ढेर कर दिया। सैन्य रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के जांबाज के नाइन डॉग टायसन ने किश्तवाड़ में आतंकियों से लोहा लेते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया. गोली लगने के बावजूद भी वो चट्टान की तरह उनके सामने डटा रहा. टायसन की मदद से जैश के तीन आतंकी मारे गए. टायसन जैसे जर्मन शेफर्ड डॉग भारतीय सेना की शान हैं, जो कठिन प्रशिक्षण के बाद देश की सेवा करते हैं. इस सम्बन्ध में जारी एक बयान में कहा गया है कि टायसन की बहादुरी के दम पर व्हाइट नाइट कोर्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस तथा सी.आर.पी. एफ. उक्त पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों पर सटीक निशाने साध कर उन्हें ठिकाने लगा सकीं। टायसन एक सच्चा योद्धा सिद्ध हुआ है। टायसन के अलावा आतंकवादियों के विरुद्ध भारतीय सुरक्षा बलों की विभिन्न सैन्य कार्रवाइयों में अनेक मददगार खोजी कुत्तों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार इनमें सेना के डोमीनो नामक कुत्ते तथा उसके हैंडलर लक्की कुमार को राजौरी में एक आतंकवादी का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए 2023 में सम्मानित भी किया गया था।2023 में ही जम्मू के राजौरी जिले में एक आप्रेशन के दौरान 2 आतंकवादियों तक सुरक्षा बलों को पहुंचा कर उन्हें मार गिराने में योगदान देने वाली कैंट नामक एक मादा खोजी डॉग अपने हैंडलर को आतंकवादियों से बचाने की कोशिश के दौरान उस पर चलाई गई गोली से मारी गई थी। कैंट का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था। देश की सुरक्षा के मददगार वफादार डॉग की सूची में जूम, फैंटम और एक्सल जैसे और भी कई नाम हैं जिन्होंने देश की माटी का ऋण अपने प्राण देकर चुकाया है। आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई में इन खोजी कुत्तों का योगदान किसी भी दृष्टि से कम कर नहीं आंका जा सकता है।

समय समय पर देश की सीमाओं और प्रमुख एतिहासिक स्थलों व्यक्तियों नेताओं अधिकारियों की सुरक्षा को जब जब देश के दुश्मनों ने निशाना बनाने की कोशिश की है भारतीय सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण प्राप्त कुत्तों ने जबरदस्त मदद कर दुश्मनों के मंसूबों को नाकाम करने में अपना योगदान दिया है इन खोजी श्वानों के प्रशिक्षण तथा देखभाल को और बेहतर बनाने के साथ-साथ उनके प्रशिक्षकों को भी समुचित पुरस्कार देकर प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि वे और मुस्तैदी से देश के दुश्मनों का सफाया कर सकें। कुत्ते बारूदी सुरंगों, विस्फोटकों और छिपे हुए हथियारों को सूंघकर ढूंढ निकालते हैं।

सीमा पर घुसपैठियों को पकड़ने और चौकी की सुरक्षा में ये बहुत मददगार हैं।

शिक्षा में न्यायपालिकाः संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है।

ललित गर्ग

पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए।

शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है-पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें।

यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं। केवल किसी एक संस्था को केंद्र में रखकर समस्या का चित्रण करना न तो शैक्षिक रूप से न्यायोचित है और न ही संवैधानिक संतुलन के अनुरूप। न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक् विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है। इस संदर्भ में एक नई शैक्षिक संरचना की आवश्यकता अनुभव होती है। पाठ्य पुस्तकों में संस्थागत अध्ययन का प्रारूप इस प्रकार विकसित किया जा सकता है जिसमें तीन आयाम हों-संविधान द्वारा प्रदत्त भूमिका, वास्तविक चुनौतियां और सुधार की पहल। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका पर अध्याय में उसके ऐतिहासिक निर्णय, जनहित याचिका की परंपरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा, साथ ही लंबित मामलों की समस्या और न्यायिक सुधार आयोगों की सिफारिशों का संतुलित उल्लेख किया जाए।

नवाचार की शक्तिः रमन के सवाल से विज्ञान के संकल्प तक

दिलीप कुमार पाठक

आज 28 फरवरी का दिन पूरे भारत के लिए गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है, क्योंकि आज हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मना रहे हैं। यह दिन महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन की उस अद्भुत खोज रमन प्रभाव को समर्पित है, जिसने पूरी दुनिया की वैज्ञानिक समझ को एक नई दिशा दी और भारत को भौतिकी के क्षेत्र में पहला नोबेल पुरस्कार दिलाया। अक्सर हम विज्ञान को केवल बंद कमरों की प्रयोगशालाओं और जटिल सूत्रों का समूह मान लेते हैं, लेकिन वास्तव में विज्ञान हमारी जिज्ञासा और सत्य की खोज का दूसरा नाम है। सर रमन का सफर हमें सिखाता है कि बड़े आविष्कारों के लिए केवल महंगे उपकरणों की नहीं, बल्कि एक पैनी नजर और कुछ नया सोचने के जुनून की जरूरत होती है। समुद्र के पानी का रंग नीला क्यों होता है, इस एक साधारण से सवाल ने उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी खोजों में से एक तक पहुँचा दिया। यह जानना दिलचस्प है कि जिस उपकरण से उन्होंने इतनी बड़ी खोज की, उसकी कुल लागत उस समय मात्र 200 रुपये के आसपास थी, जो आज के युग के लिए एक बड़ी प्रेरणा है कि आविष्कार बजट से नहीं बल्कि बुद्धि से होते हैं। अक्सर लोग समझते हैं कि आज सर रमन का जन्मदिन है, लेकिन असल में 28 फरवरी वह तारीख है जिस दिन उन्होंने अपनी खोज की घोषणा की थी, इसीलिए भारत सरकार ने 1986 में इस दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मान्यता दी। आज जब हम 21वीं सदी के भारत की बात करते हैं, तो विज्ञान और तकनीक इसके सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं। अंतरिक्ष की गहराइयों को नापने वाले हमारे चंद्रयान और मंगलयान मिशन से लेकर वैश्विक महामारी के दौरान रिकॉर्ड समय में तैयार की गई स्वदेशी वैक्सीन तक, भारतीय वैज्ञानिकों ने बार-बार यह साबित किया है कि नवाचार ही आत्मनिर्भरता का असली रास्ता है। विज्ञान का असली उत्सव तब सफल होता है जब इसकी पहुँच खेतों में काम करने वाले किसान से लेकर स्कूल में पढ़ने वाले एक साधारण विद्यार्थी तक हो। हमें यह समझना होगा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को तर्क की कसौटी पर परखना और समस्याओं के रचनात्मक समाधान खोजना है। आज भारत जिस तरह से स्टार्टअप्स और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है, उसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। नवाचार केवल नई मशीनों को बनाना नहीं है, बल्कि कम संसाधनों में बेहतर जीवन जीने के तरीके खोजना भी है। आज हमारे सामने ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और जल संकट जैसी बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनका सामना हम पुरानी सोच से नहीं बल्कि वैज्ञानिक चेतना से ही कर सकते हैं। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हो रहे नए प्रयोग इस बात का प्रमाण हैं कि विज्ञान ही भविष्य की सुरक्षा की गारंटी है।

विज्ञान की सार्थकता तभी है जब वह समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के इस दौर में हमें मानवीय संवेदनाओं और वैज्ञानिक प्रगति के बीच एक संतुलन बनाना होगा। हमें अपने ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान मेलों और प्रयोगशालाओं का जाल बिछाना होगा ताकि गाँवों की प्रतिभा को भी पंख मिल सकें।

फीचर

असिस्टेंट कमांडेंट के पदों के लिए भर्ती निकली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में असिस्टेंट कमांडेंट के पदों पर भर्ती निकाली है। जो उम्मीदवार परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

वे यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन पदों पर योग्य उम्मीदवार 12 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।

योग्यताः आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 अगस्त, 2026 के आधार पर की जाएगी। उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष व अधिकतम आयु 25 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में राहत भी दी जाएगी। अधिसूचना के मुताबिक एससी एवं एसटी उम्मीदवारों को आयु-सीमा में पांच वर्ष की और ओबीसी उम्मीदवारों को तीन वर्ष की राहत दी जाएगी। इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त संस्थाम से स्नातक होना चाहिये।

चयनः उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा, पीईटी और पीएसटी के आधार पर किया जाएगा। लिखित परीक्षा में दो पेपर होंगे। पेपर-1 में उम्मीदवारों से 250 अंकों के प्रश्न और पेपर-2 में उम्मीदवारों से 200 अंकों के सवाल पूछे जाएंगे। लिखित परीक्षा 19 जुलाई, 2026 को आयोजित कराई जाएगी। पेपर-1 सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक और पेपर-2 दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक आयोजित कराया जाएगा। इस परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों को पीईटी और पीएसटी टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा।

प्रेरणा

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन? धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

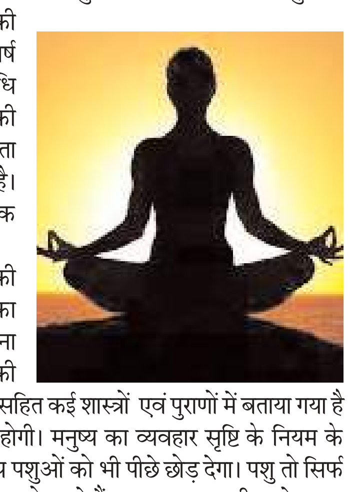

अपनी बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश आज देश के सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी बनकर उभरा है। मध्यप्रदेश में निवेश हर मायने में फायदे का सौदा है। देश के दिल से जुड़िए, विकास और अवसरों के केंद्र से जुड़िए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के मध्य में स्थित होने से मध्यप्रदेश व्यापार, उद्योग-धंधों की स्थापना और उत्पादों के निर्यात के लिए एक रणनीतिक केंद्र बनता जा रहा है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे में इनोवेशन को तेज किया जाएगा और क्लेम से जुड़ी प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाएगा। यह कदम रेलवे सुधारों के बड़े पैकेज का हिस्सा है, जिसमें सिस्टम को ज्यादा तेज, पारदर्शी और टेक-फ्रेंडली बनाने की बात कही जा रही है। रेल टच पोर्टल का मकसद रेलवे की रोजमर्रा की समस्याओं को सीधे टेक कंपनियों, स्टार्टअप और रिसर्च टीमों से जोड़ना है।

संक्षिप्त समाचार

श्री रावतपुरा सरकार द्वारा डॉ नईम को किया युवानाद सम्मान से सम्मानित

झाँसी। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद स्मारक समिति एवं युवनाद आयोजन समिति ओरछा द्वारा ओरछा में आयोजित समारोह में श्री रावतपुरा सरकार श्री रविशंकर जी महाराज द्वारा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झाँसी के समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ मुहम्मद नईम को सामाजिक एवं शैक्षिक कार्यों हेतु युवनाद सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बुंदेलखंड क्षेत्र के शिक्षाविदों, चिकित्सकों, साहित्यकारों एवं जनप्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का संचालन आयोजक सुमित ओरछा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो पुनीत बिसारिया, आरिफ शहडोली, हेमंत विश्रा, डॉ राशि साहू, राहुल मिश्रा, गिरिजाशंकर कुशवाहा, मयंक यादव, विराज तिवारी, प्रताप नारायण दुबे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सघन चेकिंग अभियान चलाया, खोवा-बर्फी के नमूने लैब भेजे गए

मऊरानीपुर : होली के मद्देनजर खाद्य विभाग ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। खोवा-बर्फी के नमूने लैब भेजे गए, जबकि प्रतिबंधित रंगों वाले चिप्स-पापड़ पर कार्रवाई करते हुए दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए। खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके पर ही 'फूड सेफ्टी वैन' से नमूनों की जांच की। शासन के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए औचक निरीक्षण किया गया। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खोवा और बर्फी के नमूने लिए गए और उन्हें परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रंग-बिरंगी मिठाइयां, चिप्स और पापड़ पर पूरी तरह प्रतिबंध है। मानक के विपरीत सामग्री बेचने वाले कई दुकानदारों को कार्रवाई हेतु नोटिस जारी किए गए हैं। टीम में मुख्य रूप से खाद्य सुरक्षा अधिकारी शुभांशु सचान, प्रशांत श्रीवास्तव, लैब टेक्नीशियन प्रशांत श्रीवास्तव शामिल रहे।

संदिग्ध हालात में पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी जिले के मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के लालपुर करौता गांव में शुक्रवार सुबह एक बंद पड़े मकान के अंदर अमरूद के पेड़ से युवक और युवती के शव दुपट्टे के सहारे लटके मिले। सूचना मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, लालपुर करौता स्थित एक बंद पड़े राइस मिल के पीछे मारूफ का मकान है। मारूफ पिछले करीब 20 वर्षों से परिवार सहित बाराबंकी शहर में रह रहे हैं। शुक्रवार सुबह करीब दस बजे स्थानीय लोगों ने देखा कि मकान के अंदर लगे अमरूद के पेड़ की झुकी डाल से दुपट्टे के दोनों सिरों के सहारे युवक-युवती के शव लटके हुए हैं। सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतकों की पहचान दसवंतपुर गांव निवासी 22 वर्षीय हसनैन पुत्र उस्मान और लालपुर गांव निवासी 17 वर्षीय सीबा पुत्री पीर मोहम्मद के रूप में हुई है। दोनों गुरुवार शाम करीब चार बजे से लापता बताए जा रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग की चर्चा थी। यह भी कहा जा रहा है कि युवती के परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। हालांकि दोनों परिवारों की ओर से किसी पर कोई आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाया गया है।

त्योहारों पर गोकशी सिर्फ कानून ही नहीं, लोक व्यवस्था पर भी हमला-हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि व्यक्ति की स्वतंत्रता बेशक जरूरी है, लेकिन त्योहारों व धार्मिक रूप से संवेदनशील मौकों पर गोकशी जैसी घटनाएं केवल साधारण अपराध ही नहीं, बल्कि समाज के अमन-चैन और लोक व्यवस्था पर हमला है। समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आना सरकार का अधिकार है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह प्रथम की खंडपीठ ने जालौन के कालपी निवासी सिकंदर, सैय्यद अली और हसनैन की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं खारिज कर उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई कार्रवाई को जायज ठहराया है। कहा कि आरोपियों को जमानत मिलने पर दोबारा ऐसी घटना होने की आशंका प्रबल थी। लिहाजा, तीनों को एक साल तक जेल में ही रहना होगा। मामला 30 मार्च 2025 की घटना से जुड़ा है। उस दिन चैत्र नवरात्र का पहला दिन था। अगले ही दिन ईद थी। पुलिस ने कालपी की झाड़ियों में छापा मारकर मांस और हथियार बरामद किए थे। जालौन के डीएम ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि इस घटना से पूरे इलाके में भय माहौल था। लोग मवेशियों को घरों से बाहर निकालने में डरने लगे थे। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई थी कि प्रशासन को दंगा नियंत्रण अभ्यास तक करना पड़ा था। अदालत ने अपने 54 पन्नों के फैसले में कहा कि जब कोई कृत्य अपनी प्रकृति में इतना क्रूर हो और उसका समय इतना सटीक हो कि वह एक बड़े समुदाय की धार्मिक भावनाओं को उनके सबसे पवित्र क्षणों में आहत करे तो वह लोक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने की क्षमता रखता है। ऐसे में शरारती तत्वों की हिरासत न सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई है, बल्कि सामाजिक सद्भाव को बचाने का कर्तव्य बन जाता है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए इवेन टेम्पो ऑफ लाइफ (जीवन का सामान्य प्रवाह) का जिक्र किया। कहा कि यदि किसी कृत्य से समाज का सामान्य प्रवाह रुक जाए और लोग असुरक्षित महसूस करने लगें तो वह लॉ एंड ऑर्डर की परिधि से बाहर निकलकर पब्लिक ऑर्डर का मामला बन जाता है।

पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत, परिजनों ने थाने में किया हंगामा

बहराइच। यूपी के बहराइच में बीती रात दुष्कर्म के आरोपी की रामगांव थाने में मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने थाने में जमकर हंगामा किया। चार थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू किया। मामले में थानाध्यक्ष और कई पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। जानकारी के मुताबिकएक युवक की तरफ से रामगांव थाने में तहरीर दी गई। इसमें कहा गया कि रामगांव निवासी उनके परिचित रामगोपाल उर्फ राकेश कुमार श्रीवास्तव 22 फरवरी को उनके घर पहुंचे। उन्होंने उसकी 10 वर्षीय नाबालिग पुत्री से पहले छेड़छाड़ और फिर दुष्कर्म किया। मामले में थानाध्यक्ष ने गुरुवार की रात रामगोपाल को कुड़वा चौराहा स्थित मेडिकल स्टोर से पकड़ा। उसे थाने ले गए। थाने में उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने तबीयत खराब होने की बात कहकर रामगोपाल को उसके घर के सामने लाकर छोड़ दिया। परिजनों ने देखा तो रात दो बजे शव लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहां पर डॉक्टरों ने मृत होने की पुष्टि कर दी। इसके बाद आक्रोशित परिजन रात में ही शव लेकर थाने पहुंच गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने पुलिस पर जहर देकर व पीट करके हत्या करने की बात कही। रात में ही बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंच गए। मौके पर भीड़ बढ़ती देख चार थानों की पुलिस बुलाई गई। सीओ पवन कुमार भी मौके पर पहुंचे। परिजन थानाध्यक्ष पर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग पर अड़ गए। सीओ पवन कुमार ने बताया कि परिजनों व अन्य लोगों को समझा-बुझाकर शांत कर दिया गया है। मृतक के पुत्र अनिकेत श्रीवास्तव की तहरीर पर थानाध्यक्ष गुरुसेन सिंह व थाने के अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। कोतवाली देहात, खैरीघाट और हरदी तथा रिसिया थाने की पुलिस को बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। उन्होंने बताया कि निष्पक्ष जांच के आश्वासन के बाद स्थिति सामान्य हुई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कार्रवाई — बायोमेडिकल वेस्ट नियमों का सख्ती से पालन न करने पर जारी होगा नोटिस

निजी अस्पतालों का होगा औचक निरीक्षण : सीडीओ

सत्ता सुधार झांसी

झांसी। जनपद में संचालित सरकारी एवं निजी अस्पतालों में बायोमेडिकल वेस्ट के उचित निस्तारण को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियमावली-2016 का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा संबंधित अस्पतालों को नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी। विकास भवन सभागार में आयोजित जिला पर्यावरणीय समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक में सीडीओ ने कहा कि जनपद के सभी पंजीकृत लैब और नर्सिंग होम का औचक निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि बायोमेडिकल वेस्ट केवल बारकोड लगी पॉलीथिन थैलियों में ही निर्धारित प्लांट तक भेजा जाए और उसके सत्यापन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

साइलेंस जोन पर विशेष जोर

बैठक में अस्पतालों और विद्यालयों, विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे स्थित संस्थानों के आसपास साइलेंस जोन घोषित कर चेतावनी बोर्ड लगाने पर संतोष व्यक्त किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन क्षेत्रों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

स्टोन क्रेशर इकाइयों पर भी सख्ती

सीडीओ ने स्टोन क्रेशर इकाइयों से निकलने वाली धूल पर नियंत्रण के लिए एंटी-स्मॉग गन लगाने और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइन का पालन कराने के निर्देश दिए। नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों पर नोटिस जारी करने की चेतावनी दी गई। इसके लिए जिला स्तरीय जांच समिति गठित कर निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए।

प्लास्टिक वेस्ट निस्तारण की समीक्षा

बैठक में नगरपालिका परिषद मऊरानीपुर, समथर, चिरगांव, गुरसराय, बरुआसागर तथा नगर पंचायत मोंठ, एरच, बड़ागांव, गरौठा, टोडीफतेहपुर, रानीपुर और कटेरा में प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन के कार्यों की समीक्षा भी की गई।

बैठक का संचालन एसडीओ मऊरानीपुर संतोष कुमार ने किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएमओ डॉ. अंशुमान तिवारी, क्षेत्रीय अधिकारी यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इमरान अली, डीपीओ नमामि गंगे आयुष भारती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने साफ किया है कि पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य से जुड़े नियमों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हाउस टैक्स की भारी वृद्धि के खिलाफ पार्षदों का विरोध, बोर्ड बैठक बुलाने की मांग

मऊरानीपुर: नगर पालिका परिषद द्वारा हाउस टैक्स में की गई भारी वृद्धि के खिलाफ अब पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है। वार्ड नंबर 3 गोपालगंज के पार्षद जगदीश आर्य के नेतृत्व में पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन दिया। जिसके जरिये बताया कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में हाउस टैक्स में की गई अप्रत्याशित बढ़ोतरी से आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ गया है। पार्षदों का कहना है कि यह वृद्धि आम नागरिकों की आर्थिक स्थिति के अनुकूल नहीं है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी से आग्रह किया है कि वे अविलंब नगर पालिका बोर्ड की एक बैठक बुलाएं। ताकि टैक्स में की गई भारी वृद्धि पर पुनर्विचार कर उसे संशोधित किया जा सके। पार्षदों का मुख्य उद्देश्य जनता को इस आर्थिक संकट से राहत दिलाना है। ताकि कर का निर्धारण ऐसा हो जिसे आम नागरिक आसानी से भुगतान कर सकें।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर के यात्री टर्मिनलों की क्षमता बढ़ाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए

76 रेलवे स्टेशनों पर विकसित किए जा रहे प्रतीक्षा क्षेत्रों की प्रगति की समीक्षा भी की

झांसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर के प्रमुख यात्री ट्रेन टर्मिनलों की क्षमता बढ़ाने की योजना की समीक्षा की और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों और संबंधित क्षेत्रीय रेलवे को इसके क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया। भारतीय रेलवे महानगरों में भीड़ कम करने, ट्रेन संचालन को सुचारू बनाने और यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार करने के लिए टर्मिनल की संचालन क्षमता को धीरे-धीरे बढ़ा रहा है और कुछ प्रमुख स्थानों पर इसे दोगुना कर रहा है। क्षमता वृद्धि में प्लेटफार्मों, आवागमन क्षेत्रों, प्रवेश-निकास बिंदुओं, यात्री सुविधाओं का विस्तार और यातायात प्रवाह प्रबंधन में सुधार शामिल है। मंत्री महोदय ने देशभर के 76 रेलवे स्टेशनों पर विकसित किए जा रहे प्रतीक्षा क्षेत्रों की प्रगति की भी समीक्षा की। इन प्रतीक्षा क्षेत्रों का उद्देश्य विशेष रूप से त्योहारों और व्यस्त यात्रा अवधियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना है। भीड़ के प्रवाह को व्यवस्थित रूप से नियंत्रित करने, सुरक्षा बढ़ाने और स्टेशन परिसर के अंदर भीड़भाड़ को रोकने के लिए ये प्रतीक्षा क्षेत्र बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कार्यों को समय पर पूरा करने और कड़ी निगरानी पर जोर दिया। ये उपाय विकसित भारत 2047 की परिकल्पना के अनुरूप हैं, जिसके तहत रेलवे स्टेशनों को आधुनिक, सुनियोजित परिवहन केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिनमें कुशल यात्री प्रबंधन प्रणाली और उन्नत बुनियादी ढांचा मौजूद है।

कमला मॉडर्न नर्सिंग इंस्टिट्यूट में दीप प्रज्वलन व शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

झाँसी। कमला मॉडर्न नर्सिंग इंस्टिट्यूट, मॉडर्न ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में नर्सिंग छात्र-छात्राओं का दीप प्रज्वलन एवं शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शिव कुमार, प्राचार्य महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज रहे।

सेवा, संवेदना और नैतिकता का संदेश

अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. शिव कुमार ने कहा कि नर्सिंग सेवा, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। एक नर्स मरीज के लिए केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि आशा और विश्वास का आधार होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, करुणा और धैर्य को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी।

तकनीक के साथ मानवीय संवेदनशीलता जरूरी

संस्थान के चेयरमैन डॉ. रजत मिसुरिया, कमला सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा में तकनीकी ज्ञान के साथ मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी।

संस्थान की प्रगति आख्या प्रस्तुत

संस्थान के प्राचार्य डॉ. रॉबिन जोसेफ ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावसायिक दक्षता और सेवा भावना से परिपूर्ण स्वास्थ्यकर्मी बनाना है।

शपथ ग्रहण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

संस्थापक अध्यक्ष डॉ. विनोद मिसुरिया ने विद्यार्थियों को पुनः शपथ दिलाते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैप्टन अरविंद विश्वनाथन सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में हुई।
कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री आरुषि व सुश्री आयुषी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती किरण मार्टिन ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।
विशेष: समारोह में नर्सिंग विद्यार्थियों ने मानव सेवा, अनुशासन, निष्ठा और व्यावसायिक नैतिकता का पालन करने की शपथ ली।

पावर हाउस परिसर स्थित शिव मंदिर में तोड़फोड़, कर्मचारियों के साथ मारपीट

मऊरानीपुर : कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गुरसराय मार्ग पर स्थित पावर हाउस परिसर में बने भगवान शिव के मंदिर में प्रतिमाओं के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। मंदिर में स्थापित नंदी जी की प्रतिमा, त्रिशूल और नाग देव के गायब होने से श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार सुबह जब श्रद्धालु नित्य दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि मंदिर के गर्भगृह और परिसर से नंदी जी की प्रतिमा, त्रिशूल और नाग देव गायब हैं। इस घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। मंदिर परिसर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। आसपास के क्षेत्र में सघन तलाश की। तलाशी के दौरान मंदिर के ठीक पीछे नंदी जी की प्रतिमा व त्रिशूल पड़ा मिला। हालांकि, अभी भी नाग देव का कोई सुराग नहीं मिल सका है। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी जितेन्द्र सिंह, कोतवाल मुकेश कुमार सोलंकी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अवर अभियंता ग्रामीण सुभाष कुमार ने कोतवाली पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गुरुवार देर रात लगभग 10:50 बजे पुरानीमऊ शिवगंज निवासी रोहित अहिरवार ने बिजली उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ अशोक कुमार व लाइनमैन ब्रजकिशोर के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। साथ ही सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न, जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने मंदिर में घुसकर प्रतिमाओं को खंडित करने का कुकृत्य किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। टीम गठित कर आरोपी की तलाश में जुट गई। पुलिस ने आरोपी को रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुभाषचंद्र, कांस्टेबल अमन सिंह, होमगार्ड कृष्ण कुमार मौजूद रहे।

वीरभूमि झाँसी में शीघ्र होगा मुनिसंघ का मंगल प्रवेश, जैन समाज ने टीकमगढ़ में किया श्रीफल भेंट

मुनिश्री सौम्यसागर जी महाराज को नगर आगमन एवं मंगल प्रवास हेतु श्रीफल भेंट कर आमंत्रित किया

झाँसी। वीरभूमि झाँसी महानगर की जैन समाज के एक शिष्ट प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ में विराजमान आचार्य विशुद्धसागरजी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री समत्वसागर जी महाराज एवं मुनिश्री सौम्यसागर जी महाराज को नगर आगमन एवं मंगल प्रवास हेतु श्रीफल भेंट कर आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल में श्री भगवान महावीर लोक कल्याण समिति के महामंत्री शैलेन्द्र जैन प्रेस, मंत्री सुरेन्द्र जैन बबसा, श्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति के महामंत्री वरुण जैन, करगुवा तीर्थ मंत्री संजय सिंघई, प्यावल तीर्थ मंत्री खुशाल जैन, पुलक जन चेतना मंच (मुख्य शाखा) के निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश जैन डीके तथा भारत विकास परिषद् विवेकानन्द शाखा के अध्यक्ष सौरभ जैन सर्वज्ञ सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूज्य मुनिसंघ ने अपने प्रवचनों में झाँसीवासियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए शीघ्र ही वीरभूमि झाँसी महानगर में मंगल प्रवेश के संकेत दिए। जैन समाज में इस समाचार से हर्ष का वातावरण है और श्रद्धालु मुनिसंघ के स्वागत की तैयारियों में जुट गए हैं। समाजजनों ने कहा कि मुनिसंघ का आगमन नगर के आध्यात्मिक वातावरण को और पवित्र करेगा तथा धर्म, सेवा और सदाचार के संदेश से जनमानस को प्रेरणा मिलेगी।

नागरिक सुरक्षा के वार्डन यातायात व्यवस्था बनाए रखने में करेंगे सहयोग

झांसी। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन पुरजोर कोशिशें कर रहा है विभिन्न प्रकार की योजनाएं बनाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है जिसके लिए नागरिक सुरक्षा कोर के वार्डन को भी यातायात व्यवस्था को संभालने का दायित्व सौंपा गया है जिलाधिकारी/नियंत्रक नागरिक सुरक्षा मृदुल चौधरी के आदेशानुसार, नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी नागरिक सुरक्षा प्रमोद झा एवं अपर नगर मजिस्ट्रेट/उप नियंत्रित नागरिक सुरक्षा अजय यादव के कुशल निर्देशन में, वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक सुनील कुमार सिंह एवं प्रभारी सहायक उप नियंत्रक सुमित गौर के नेतृत्व में झांसी के मुख्य व्यस्ततम चौराहों पर नागरिक सुरक्षा कोर के जांबाज सिपाही यातायात व्यवस्था को बनाए रखने में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं वार्डन की शिफ्ट में ड्यूटी लगाई जा रही है, इसमें झांसी का मुख्य इलाइट चौराहा, व जेल चौराहे पर वार्डन सजगता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर रहे हैं, ड्यूटी करने वाले वार्डन में प्रभारी डिप्टी चीफ वार्डन विनय सिजरिया, प्रभारी डिविजनल वार्डन नगरा अंकिता श्रीवास्तव, घटना नियंत्रण अधिकारी प्रगति शर्मा, नकुल कुशवाहा, अरुण सैनी, जुगल किशोर, पल्लवी साहू, अर्चना, अनिल कुशवाहा, एवं यातायात विभाग से टी उमाकांत ओझा टी एस आई मुकेश राजपूत, हमराही सिपाही पूजा शर्मा, सर्वेश कुमार आदि मौजूद रहे।

कूल-कूल अहसास कराती रंगबिरंगी हैट

गर्मी से बचने के लिए बाजार में हैट की भरमार है। हर एक रेंज में उपलब्ध हैट केवल गर्मी से हमें कूल-कूल अहसास ही नहीं कराती, बल्कि स्टाइलिश भी बनाती है। मौसम की मार से बचने के लिए हैट का प्रयोग खूब होता है। आइए जानते हैं हैट के स्टाइलिश फंडे के बारे में।

कलर्स हैं अनेक

कैप और हैट आपको प्लेन व डिफरेंट वर्क पैटर्न में मिल जाएंगी। इनमें प्लेन, कलर्ड राउंड कैप में बेज, मिलिट्री ग्रीन, ब्लैक, वाइट, नेवी ब्लू, चेरी रेड जैसे शेड्स मार्केट में ज्यादा मिलते हैं। अब राउंड कैप को प्रिंट में भी तैयार किया जा रहा है, जो इस गर्मी का खास आकर्षण है। अब फैशन डिजाइनर्स भी हैट डिजाइन करने लगे हैं।

पॉकेट पर नहीं है भारी

मार्केट में कैप बाजार हर रेंज में मिल जाएंगी। ऋतिक हैट की रेंज 75 से 175 रुपए के बीच है, वहीं पी हैट 75 से 250 रुपए की रेंज में है। गॉल्फ हैट 100 से 150 रुपए में मिल जाएगी, तो स्ट्रॉ हैट की कीमत 100 रुपए से शुरू होती है। ऐडिडास, रीबॉक, नाइक की कैप की रेंज 300 रुपए से शुरू होकर हजार तक जाती है।

तेज गर्मी से सभी परेशान हैं। अगर आप इस गर्मी से निजात पाना चाहते हैं, हैट लगा सकते हैं। गर्मी से बचाने के साथ यह एसेसरी आपको फैशनेबल लुक भी देती है।

स्टाइल स्टेटमेंट

हैट स्टाइल और लुक देने वाली एसेसरीज में आती है, जो हर मौसम में आपकी ड्रेस जींस, ट्राउजर, पटोला, स्कर्ट के साथ खूब फबती है। लेकिन यह गर्मियों के मौसम में फैशन के बजाय एक जरूरत के तौर पर ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। इन दिनों बाजार में हर स्टाइल में डिजाइनर हैट आ रही हैं। वैसे, कैप और हैट को पॉपुलर बनाने में सिलेब्रिटीज का भी बहुत बड़ा हाथ है। देवानंद ने अपनी फिल्मों में कैप को फैशन स्टेटमेंट के तौर पर पहचान दिलवाई थी। उसके बाद शाहरुख खान ने भी अपने कुछ फिल्मों के माध्यम से हैट को पॉपुलर बनाने में मदद की थी। हाल-फिलहाल में ऋतिक रोशन ने युवाओं के बीच हैट ट्रेंड में शामिल करवा दिया है। हिमेश रेशमिया को तो शायद ही आप कभी बिना कैप के देखे हों। उनके पास हैटों का एक बड़ा कलेक्शन है।

वैरायटी की है भरमार

इस गर्मी में आप ऋतिक हैट, ब्रॉड रीम हैट, कैन हैट, पी हैट, गोल्फ हैट, स्ट्रॉ हैट वगैरह में ढेरों वैरायटी ले सकते हैं। यही नहीं युवाओं के बीच बांग्लादेशी हैट भी बेहद पॉपुलर हैं और इनकी फिटिंग सबसे अच्छी होती है। ये हैट खासतौर पर बांग्लादेश से लाए जाते हैं, इसलिए इसे बांग्लादेशी हैट कहते हैं। डेनिम या शिकागो बुल्स कैप में भी काफी वैरायटी है, जिन्हें आप अपनी पसंद के रंग, डिजाइन और फैब्रिक के मुताबिक ले सकते हैं। यह कैप फिल्म स्टार से लेकर खिलाड़ियों के बीच खूब पसंद की जाती है।

डेनिम फैब्रिक से तैयार की गई बकेट कैप का डिमांड गर्ल्स के बीच अधिक रहता है। बेसबॉल कैप राउंड कैप है और यह गोल चेहरे पर खूब फबती है। आप इस कैप को कॉटन व नेट फैब्रिक में खरीद सकते हैं। इस बार बाजार में कॉटन, डेनिम, नेट, नॉन डेनिम, सैंड सिल्क जैसे ठंडे फैब्रिक में हैट खूब बिक रही हैं। इसके अलावा आप केन हैट भी ट्राई कर सकते हैं, जो बांस से तैयार की जाती है।

युवाओं के बीच है क्रेज

कॉलेज गोविंग युवाओं के बीच हैट लेटेस्ट ट्रेंड बनकर उभरी है। इन्हें वह शॉर्ट ड्रेस के साथ खूब पसंद कर रहे हैं। इनके बीच बरमूडा व शॉर्ट्स के साथ स्टाइलिश हैट का अंदाज बेहद पसंद है। कुछ लोग तो अपने ड्रेस से मेल खाती हैटों की कलेक्शन कर लेते हैं। गर्मी को ध्यान में रखते हुए लाइट कलर की हैट खूब पसंद की जा रही हैं। हैट इन्हें छाता रखने के झंझट से तो बचाता ही है और साथ ही साथ स्टाइलिश लुक भी देता है।

शॉर्ट्स ड्रेस

गर्मियों के मौसम में मन करता है कुछ ऐसा पहनने को, जिसमें गरमी कम से कम लगे। वैसे इस मौसम में फैशनेबल के साथ आरामदायक ड्रेसों की भरमार रहती है। इस मौसम में आप शॉर्ट्स पहन सकती हैं। चाहें तो पैंट लुक वाले शॉर्ट्स पहनें या फिर स्कर्ट या टाइट्स। कॉलेज जाने वालियों के लिए ये कंफर्टेबल है। इस मौसम कॉटन का टॉप गर्मी को दूर करने में सहायक होते हैं।

सुंदरता बढ़ाते हैं बिछिया

महिलाओं के पैरों की सुंदरता बढ़ाने वाली बिछियां अब टो रिंग हो गई है। बदलते समय में जहां फैशन बदला, वहीं औरत के गहने पहनने के स्टाइल और नाम में भी बदलाव आए हैं। जो भी हो, थोड़े हेर-फेर के साथ टो रिंग ने बिछियां की जगह लेनी शुरू कर दी है। यह टो रिंग हर उम्र की महिलाओं को लुभा रहे हैं। चाहे वह कामकाजी महिलाएं हों, गृहिणी हों सभी बिछिया की इस अदा पर दिल से फिदा हैं।

चमक रहे बरकरार

रॉयल लुक देने वाली पर्ल जूलरी को करीने से संभालकर रखना बेहद जरूरी है, तभी इसकी सुंदरता और चमक लंबे समय तक बरकरार रखी जा सकती है। पर्ल ऑर्गनिक मैटीरियल से तैयार किया जाते हैं। इसमें गोल्ड व सिल्वर का इस्तेमाल भी खूब होता है। लंबे समय तक इनकी शाइनिंग बरकरार रखने के लिए इन्हें डस्ट, स्क्रेच व दूसरे डैमेज से बचाना जरूरी होता है। यदि आप पर्ल जूलरी पहनी हो, तो डिटर्जेंट का इस्तेमाल अवॉइड करें।

बेकिंग सोडा और ब्लीच का यूज भी ना करें। इनमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स पर्ल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। समय-समय पर इसकी सफाई करते रहे। सफाई के लिए मुलायम कपड़े का ही इस्तेमाल करें। यह पर्ल को नुकसान पहुंचाए बिना ही डस्ट हटा देगा। जब भी परफ्यूम और हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करें, तो ध्यान रखें कि इसे जूलरी पर न छिड़कें। इससे इसका कलर जाने की संभावना बनी रहती है। मेकअप पूरा होने के बाद ही जूलरी पहनें वरना मेकअप का कलर जूलरी में लग सकता है। पर्ल जूलरी को मेटलिक जूलरी के साथ ना रखें, बल्कि इसे एक मुलायम कपड़े में लपेट कर रखें। नहाते समय जूलरी निकाल दें, क्योंकि पानी का क्लोरीन पर्ल के लिए बेहद नुकसानदेह होता है।

कूल शर्ट्स

फैशन के रंग मौसम की रंगत के साथ बदलने लगते हैं और गर्मी का मौसम इसके लिहाज से सबसे मुफीद होता है। इन गर्मियों में नॉटिका के स्प्रिंग कलेक्शन से आप अपने वार्डरोब को कूल और ट्रेंडी बना सकते हैं। वॉटर, पीपल और आर्किटेक्चर के स्पिरिट से इंस्पायर्ड ये शर्ट्स हर अकेजन के लिए फिट हैं। सिग्नेचर नेवी, सेल वाइट, नून ब्लू और यलो जैसे शेड्स वाली ये शर्ट्स आपको क्लीन लुक दे सकती हैं।

रसदार आलू मटर

सामग्री : 1 चाय का प्याला आलू छील कर छोटे टुकड़ों में कटे हुए, 1/2 चाय का प्याला मटर के दाने, 1/2 चाय का प्याला दही, चार या पांच- पके हुए टमाटर, पिसी हल्दी, मन पसंद करी पाउडर, गरम मसाला पाउडर और नमक स्वादानुसार। प्याज, लहसुन, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया बारीक कटा हुआ एक टुकड़ा दालचीनी, थोड़ी सी लौंग, इलायची और काली मिर्च इच्छानुसार।

विधि : आलू और मटर में स्वादानुसार नमक, हल्दी, करी पाउडर मिला कर आधे घंटे के लिए रख दें। आधे घंटे बाद उस में दही मिला कर माक्रोवेव में हाई हीट पर सात मिनट के लिए पकाएं। ग्राइन्डर में टमाटर, प्याज और लहसुन को पीस कर मिश्रण तैयार करें। इस मिश्रण में थोड़ा सा पानी डाल कर नमक, हरी मिर्च अदरक इलायची,लोंग और काली मिर्च के साथ उबालने रख दें। जब उबलने लगे और अच्छी सुगंध आने लगे तो माक्रोवेव में पकाए हुए आलू और मटर उसमें डाल दें। आलू गल जाएं तो आंच से उतार कर हरा धनिया और गरम मसाला डाल कर गरमागरम परोसें।

भरेला तंदूरी आलू

सामग्री : भरावन के लिए : 3 टेबल स्पून पनीर का चूरा, 7-8 काजू छोटे टुकडों में कटा हुआ, 1 टी स्पून किशमिश, 1 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 चुटकी हल्दी पाउडर, स्वादानुसार नमक, 1/2 टी स्पून चाट मसाला, 1 चुटकी गरम मसाला। **मेरिनेट करने के लिए :** 1. टी स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 3/4 टी स्पून कश्मीरी चिली पाउडर, 1/2 टी स्पून अमचूर, 1/4 टी स्पून काला नमक, 2 टी स्पून तेल, 1/2 टी स्पून तंदूरी मसाला, 1 चुटकी कसूरी मेथी।

विधि : 5-6 मिनट तक आलू उबाल लें। आलू को छीलकर दोनों किनारे से छोटा हिस्सा अलग करें ताकि आलू सीधा खडा किया जा सके। बीच का हिस्सा स्कूप से निकालें ताकि भरावन मिश्रण भरा जा सके। भरावन की सभी सामग्री एक साथ मिलाकर आलू में भरें। मेरिनेशन की सारी सामग्री एक साथ मिलाकर आलू में लगाएं। फिर आधा घंटे के लिए मेरिनेट होने के लिए रखें। अब आलू को तंदूर में पका लें। चाट मसाला, हरी चटनी और प्याज के लच्छों के साथ गरमागरम सर्व करें।

आलू के कोफ्ते

सामग्री : कोफ्ते बनाने के लिए : आलू - 500 ग्राम, अरारोट - 50 ग्राम, नमक - स्वादानुसार, हरा धनिया- एक टेबल स्पून, काजू - 10 या 12, किसमिस - 30, तेल - तलने के लिए।

तरी के लिए : टमाटर - 3 मीडियम आकार के, हरी मिर्च - 3, अदरक - एक इंच लम्बा टुकड़ा, मलाई या क्रीम - 100 ग्राम, तेल - 2 टेबल स्पून, जीरा - आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, धनियां पाउडर - एक छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, गरम मसाला - एक चौथाई छोटी चम्मच, हरा धनियां - एक टेबल स्पून, बारीक कतरा हुआ।

विधि : सबसे पहले तो आप आलू को उबाल कर छील लीजिए। इसके बाद कद्दूकस कर इसमें अरारोट, नमक और हरा धनिया मिलाएं और आटे की तरह अच्छी तरह गूथ लें। कोफ्ते बनाने के लिए मिश्रण तैयार है। कड़ाई में तेल डाल कर गरम कर मिश्रण से थोड़ा सा मिश्रण निकाल कर, चपटा करें, उस पर 2-3 काजू के टुकड़े और 2 किसमिस रख, चारो ओर से उठाकर बन्द करके, गोल कर लीजिए, गोले को गरम तेल में डालिए। 5-6 गोले बनाकर एक बार में डाल कर, अलट पलट कर कोफ्ते ब्राउन होने तक तलिए। कोफ्ते को निकाल कर प्लेट में रखिए। अब दूसरे गोले बनाकर तेल में डाल दीजिए और ब्राउन होने तक तल लीजिए। इसी तरह सारे कोफ्ते बना लीजिए। सब्जी बनाने के लिये कोफ्ते तैयार है।

तरी : टमाटर, हरी मिर्च और अदरक को मिक्सी से बारीक पीस मलाई को फैट लें। फिर कढ़ाई में तेल डाल कर जीरा डाल हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालने के बाद टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट डाल कर मसाले को दाने दार होने तक भून लें। इस मसाले में फैंटी हुई मलाई डाल कर मसाले को जब तक भूनिए तब तक कि मसाले के ऊपर तेल न तैरने लगे। इस मसाले में एक गिलास(350ग्राम) पानी डाल और उबाल आने के बाद 3-4 मिनिट तक पकाइए। अब आपकी सब्जी की तरी तैयार है।

'वाराणसी' को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। लेकिन अभिनेत्री एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वाराणसी' को लेकर काफी उत्साहित हैं।

प्रियंका इस फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यही कारण है कि प्रियंका 'वाराणसी' को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में पति निक जोनस के साथ 'द ब्लफ' के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 'वाराणसी' को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इसे करियर-डिफाइनिंग बताते हुए कहा कि 'वाराणसी' उनके लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सात साल बाद किसी भारतीय फिल्म से दूर रहने के बाद, इस फिल्म को पहले से ही आने वाले समय की सबसे बड़ी सिनेमाई घटनाओं में से एक माना जा रहा है। प्रियंका ने निर्देशक राजामौली को भारत के सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं में से एक बताया। साथ ही कहा कि वो अपनी इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।

अगले साल 7 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म

एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित 'वाराणसी' की घोषणा पिछले साल की गई थी। हैदराबाद में फिल्म का एक बड़ा इवेंट हुआ था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई थी। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के किरदार में नजर आएंगे। वो फिल्म में भगवान राम के अवतार में भी दिखाई देंगे। इसके अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन की भूमिका निभाएंगे, उनके किरदार का नाम कुंभा है। जबकि प्रियंका चोपड़ा फिल्म में मंदाकिनी के किरदार में दिखाई देंगी। 'वाराणसी' 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अरेंज मैरिज को भी तैयार हैं मृणाल ठाकुर;

खुद को बताया धनुष की बड़ी फैन

मृणाल ठाकुर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बीच मृणाल का धनुष के साथ भी लगातार नाम जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभिनेत्री लगातार इन खबरों का खंडन करती रही हैं। अब अभिनेत्री ने एक बार फिर शादी और धनुष से अफेयर की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बताया कि घर में उनकी शादी को लेकर माता-पिता की क्या राय है।

बातचीत में मृणाल ने बताया कि घर में शादी को लेकर चर्चाएं अब आम बात हो गई हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता के मन में शादी की घंटियां बजती रहती हैं, मानो वे दिन में सपने देख रहे हों। कल रात ही पापा ने मुझसे कहा, 'अब तुम्हें शादी कर लेनी चाहिए।' मैंने कहा, 'क्यों न आप अपनी बहन को फोन करके पूछें कि क्या वह आपकी बेटी के लिए कोई अच्छा लड़का जानती है?' उन्होंने पूछा, 'लड़का कहां है?' मैंने कहा, 'बिल्कुल - लड़का कहां है?' अगर आप मुझसे ही यह सवाल पूछ रहे हैं, तो मैं क्या कहूं? यही तो हर घर की कहानी है।

अरेंज मैरिज से मृणाल को नहीं कोई दिक्कत

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे तयशुदा शादी से बिल्कुल भी डर नहीं लगता, क्योंकि मेरे लिए कोई सही रिश्ता मिलता ही नहीं है। हां, इतना तय है कि शादी सिर्फ दिखावे के लिए नहीं की जानी चाहिए। पहले, अरेंज मैरिज का मतलब होता था कि माता-पिता आपका परिचय किसी से करवाते थे। अब तो दोस्त भी लोगों का रिश्ता करवा देते हैं। यह भी एक तरह का अरेंजमेंट ही है। अंततः मायने यह रखता है कि चाहे प्यार हो या अरेंज मैरिज, अगर दो लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं और उनके बीच तालमेल बैठता है, तो वही मायने रखता है। वरना कुछ भी काम नहीं करता। आपको एक-दूसरे से जुड़ना होगा। परिवारों की सहमति भी जरूरी है। शादी सिर्फ एक पुरुष और एक महिला के बीच नहीं होती, यह दो परिवारों के बीच होती है। अगर सभी सहमत हैं, तो फिर शादी क्यों नहीं?

मृणाल ने की धनुष की तारीफ

पिछले कुछ वक्त से मृणाल का नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, मृणाल लगातार इन खबरों को नकारती रही हैं। इस बीच पिछले दिनों एक इंटरव्यू में मृणाल ने धनुष की जमकर तारीफ की थी। खुद को धनुष की बड़ी फैन बताते हुए मृणाल ने कहा, 'रायन', 'मारी', 'रांझणा', 'कैप्टन मिलर' और 'असुरन' जैसी फिल्में देखने के बाद मैं उनकी बहुत बड़ी फैन बन गई हूं। मैं असुरन कई बार देख सकती हूं। वो एक इंस्टीट्यूट हैं। वो गीतकार, लेखक, डांसर, अभिनेता, निर्देशक, न जाने क्या-क्या हैं।

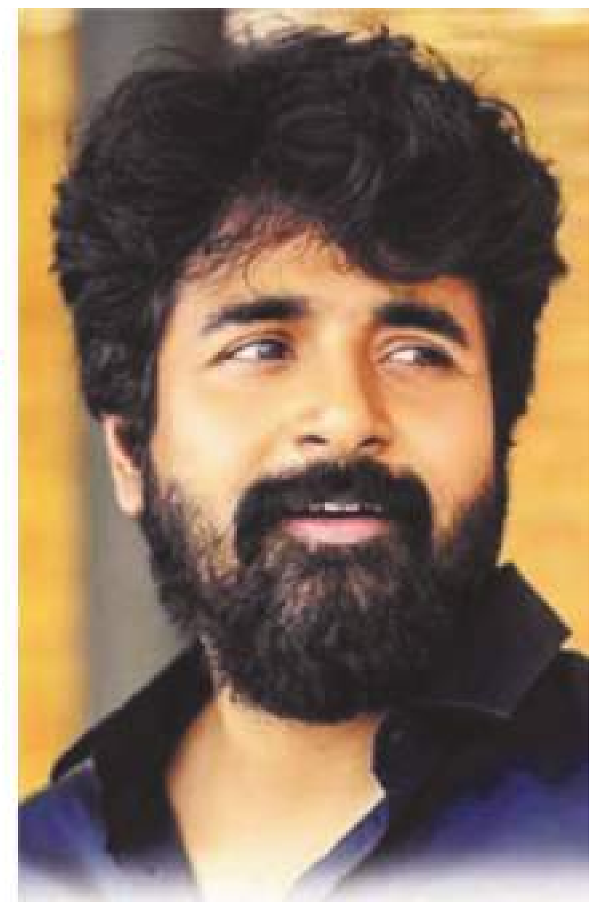

'सेयोन' में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

अभिनेता शिवकार्तिकेयन के 41वें जन्मदिन पर निर्माताओं ने फिल्म 'सेयोन' का टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है।

शिवकार्तिकेयन के 41वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म 'सेयोन' का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकेयन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकेयन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान विरुमंडी कहकर बुलाते हैं।

क्या है 'सेयोन' की कहानी

कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकेयन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, 'ये भगवान विरुमंडी हैं।' एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, 'ओजी वापस आ गया है'। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है।

'सेयोन' के निर्माता हैं कमल हासन

फिल्म का नाम 'सेयोन' है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म 'विरुमंडी' (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। टीजर में एक व्यक्ति बताता है कि शिवकार्तिकेयन का किरदार पहले सेना में था और बाद में गांव के संघर्ष में शामिल हो गया।

यह फिल्म शिवकार्तिकेयन और निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की साथ में पहली फिल्म है। कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल इसे बना रही है। फिल्म में संगीत संतोष नारायणन का है।

तापसी ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की

तापसी पन्नू अपनी शादी और पर्सनल जिंदगी को काफी सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने पति मैथियास से शादी से पहले 13 साल तक डेट किया, लेकिन किसी को कानों कान खबर नहीं लगने दी। इसके बाद उन्होंने शादी भी बिना किसी हो-हल्ले के सिंपल तरीके से कर ली, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी ही शामिल हुए। अब हाल ही में तापसी ने बताया कि उन्हें किस तरह का रिलेशनशिप पसंद है और क्यों उन्होंने 13 साल बाद मैथियास को अपना हमसफर बनाया?

एक्ट्रेस ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने मैथियास के बारे में कहा कि उन्होंने मुझे कभी भी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने दिया। शादी के बाद भी कुछ खास बदलाव नहीं आया। मैं लगभग भूल ही जाती हूं कि मैं शादीशुदा हूं। शादी से पहले मेरी सिर्फ एक ही शर्त थी कि शादी के बाद भी सब कुछ पहले जैसा ही रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे लिए रिश्ते में सहजता और कंफर्ट सबसे महत्वपूर्ण रखता है। यही कारण है कि मैंने मैथियास से शादी की, क्योंकि उनमें एक सहजता है।

मैं नहीं चाहती शादी से रिश्ते में बदलाव आए

मैथियास बो एक प्रसिद्ध और ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। अब वो भारत में भी कई खिलाड़ियों को कोचिंग दे रहे हैं। तापसी ने बताया कि शादी के बाद वो डेनमार्क नहीं गईं, बल्कि मैथियास यहां भारत में रहने लगे। मैथियास से शादी को लेकर तापसी ने कहा कि उनकी सहजता ही इसकी वजह थी। कोई भावनात्मक बोझ नहीं था, कोई बाध्यता नहीं थी। मैं कभी नहीं चाहती थी कि शादी पहचान में बदलाव का एहसास कराए। मेरा मानना है कि अगर रिश्ते में बदलाव आता, तो इसे औपचारिक रूप देने का कोई मतलब नहीं होता। हमें सचमुच एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है। तभी हमने आगे बढ़ने का फैसला किया। क्योंकि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में कई चुनौतियां आ रही थीं।

शादी में एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए

तापसी का मानना है कि शादी में भी कभी एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उनका कहना है कि लड़कियों को शादी तभी करनी चाहिए, जब अपने बल पर खड़ी हो चुकी हों। उन्हें अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, इससे रिश्ते में समानता बनी रहती है। उन्होंने बताया कि अपनी शादी में भी वो और मैथियास अपने-अपने पैसों का हिसाब अलग-अलग ही रखते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के बाद भी मैंने जो भी प्रॉपर्टी ली है, वो अपने नाम पर ही ली है। इससे एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं आती।

तापसी बहुत ही इंस्टिंक्टिव अभिनेत्री है, वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक हैं

अनुभव सिन्हा उन फिल्मकारों में से हैं, जिन्हें मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा कहा जाता है। उनकी फिल्म देखकर थिएटर से निकलने के बाद अंदर कुछ बदल सा जाता है। इस पर वे कहते हैं, 'अगर ऐसा है, भी तो मैं इस पर यकीन नहीं करना चाहता, क्योंकि इससे मैं खुद को ज्यादा अहमियत देने लगूंगा। मैं मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा जैसे टैग को इग्नोर कर देता हूं, क्योंकि मेरा करियर काफी चलायमान रहा है।' वह तापसी पन्नू की तारीफ करते हुए कहते हैं, 'तापसी बहुत ही इंस्टिंक्टिव अभिनेत्री है। वो अपने निर्देशक को बहुत गौर से सुनती हैं, उसे फील करती हैं। वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक एक्ट्रेस हैं।'

25 की उम्र में फिल्ममेकर बनने का खयाल, 'मुल्क' ने बदली धारा

अपनी बात आगे बढ़ाते हुए अनुभव सिन्हा कहते हैं, 'मैंने अपने करियर शुरुआत लव स्टोरी 'तुम बिन' से की, फिर आगे चलकर मैंने एक्शन फिल्म 'दस' बनाई। उसके बाद मैंने सुपरहीरो फिल्म बनाई और फिर मैं सोशियो पॉलिटिकल फिल्मों की तरफ आकर्षित हुआ। हो सकता है, मैं कल को कुछ और बनाने लगूं। देखिए, बचपन में तो मुझे पता ही नहीं था कि मैं फिल्ममेकर बनूंगा। 25 साल की उम्र में मुझे पता चला कि मैं फिल्मकार बनना चाहता हूं। मेरी एक ऐसी यात्रा रही, जहां फिल्ममेकिंग करियर था, मगर 'मुल्क' जैसी फिल्म ने काफी हद तक मेरे करियर की धारा मोड़ी। 'मुल्क' की आवाज ने जिस तरह से लोगों तक अपनी पहुंच बनाई, उसी ने मुझे इस विधा की ओर आकर्षित किया। मेरे करियर में हर जॉनर की 5-6 साल की जर्नी रही, मगर सोशियो पॉलिटिकल जॉनर में मैं सबसे ज्यादा रुक गया। ये सफर दस साल से चला आ रहा है। यहां मेरा कंफर्ट जोन सबसे ज्यादा है।'

हमें बच्चों से वो बात करनी होगी, बेटे को मर्द होने का फर्क समझाना होगा

हाल ही बच्चों के एक समूह द्वारा एक बच्ची की बलात्कार की खबर ने लोगों को हिलाकर रख दिया था। इस पर वह कहते हैं, 'ये वो बच्चे हैं, जिन्हें फिजिकल इंटिमेसी का सही अर्थ भी पता नहीं होगा। मुझे लगता है कि हमारी अपने बच्चों से कुछ बातचीतें रह गई हैं। हमें अपने बच्चों से और ज्यादा बात करने की जरूरत है। खास तौर पर अपने बेटों से। उन्हें एक मर्द होने का फर्क समझाना होगा। उन्हें अपने अधिकार और ख्वाहिशों की सीमा मालूम होनी चाहिए, क्योंकि अपराध तभी शुरू होता है, जब आप अपनी ख्वाहिशों का दायरा लांघ जाते हैं।'

मर्द के लिए औरत की तरह फील करना मुश्किल है

'अस्सी' के बारे में वह कहते हैं, 'इस फिल्म में मैं मानसिक रूप से बहुत खर्च हुआ हूं। मुझे औरत बनना पड़ता है। बहुत मुश्किल होता है एक मर्द के लिए औरत की तरह फील करना। हमारी वो ट्रेनिंग नहीं है। औरत होना बहुत मुश्किल है। ये कैसी विडंबना है कि जिसे हमने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा किरदार माना है, जाने -अनजाने हमने उसका इस्तेमाल ही किया है। चाहे मां हो, बहन हो या पत्नी हो। मैं अपने दोस्तों से कहता हूं कि सड़क पर एक बार औरत बनकर चलने की कोशिश करो। वो दुनिया ही अलग है। एक बच्ची को बचपन से ही बता दिया जाता है कि वो अलग है। वो स्वच्छंद हो ही नहीं पाती।'

छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते

अनुभव सिन्हा अच्छा सिनेमा और बॉक्स ऑफिस की इसी बानगी में आगे बताते हैं, 'अब जैसे मेरी 'भीड़' और 'अफवाह' को बहुत अच्छे रिव्यूज मिले, मगर वो एक अलग दौर था। लोगों का थिएटर से नाता टूट गया था। वो फिल्में गलत दौर में आईं। छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते।

ब्रीफ न्यूज

आष्टा जनपद सीईओ ने किया गौशाला का निरीक्षण

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार अधिकारियों द्वारा जिले में संचालित गौशालाओं में सभी व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के उद्देश्य से गौशालाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आष्टा जनपद सीईओ अमित व्यास ने ग्राम पचांयत खजुरिया जावर में मनरेगा योजना के तहत निर्मित गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में पेयजल एंव साफ सफाई संबंधी अनियमितताएं पाई गई। सीईओ अमित व्यास द्वारा अनियमितताएं पाए जाने पर ग्राम के सरपंच मायाबाई विश्वकर्मा और सचिव महेन्द्र सिह ठाकुर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और गौशाला में व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान कलस्टर प्रभारी सुमतलाल करोलिया एवं उपयंत्री दीक्षा नागर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम राइस पिपरई के शिक्षक मंगलेश शर्मा को कारण बताओ नोटिस

अशोक नगर। सी एम राइस स्कूल पिपरई के उच्चतर माध्यमिक शिक्षक मंगलेश शर्मा द्वारा पिपरई स्थित बोर्ड परीक्षा केंद्र महावीर बाल विद्या निकेतन में परीक्षा के दौरान मोबाइल लेकर अभिभावकों के साथ कक्षों में प्रवेश करने की केंद्र अध्यक्ष द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी से की गई लिखित शिकायत के बाद, जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर सिसोदिया द्वारा शिक्षक मंगलेश शर्मा को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में सूचित किया गया है कि केन्द्राध्यक्ष परीक्षा केंद्र क्रमांक 182044 द्वारा प्राप्त पत्र के क्रम में आपके द्वारा मंडल परीक्षा वर्ष 2025-26 में परीक्षा केन्द्र क्रमांक 182044 श्री महावीर बाल विद्या निकेतन पिपरई में आपके विद्यालय के छात्र परीक्षा में सम्मिलित हो रहे है एवं उक्त परीक्षा केन्द्र पर आप परीक्षा के 20 मिनिट पूर्व एवं परीक्षा समाप्ति के 20 मिनिट पूर्व मोबाइल लेकर अभिभावकों के साथ कक्षों में प्रवेश करने का उल्लेख किया गया है। एवं केन्द्राध्यक्ष द्वारा आपको बार बार समझाने के वाद भी आप के द्वारा परीक्षा जैसे गोपनीय एवं महत्वपूर्ण कार्य को संदिग्ध बनाने का प्रयास किया जा रहा है।आपका उक्त कृत म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के उपनियम क्रमांक (1) (2) एवं (3) के अंतर्गत अनुशासनहीनता एवं कदाचरण की श्रेणी में आता है। अतः म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 16 के अंतर्गत आपको कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया जाता है कि क्यू न आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजा जाये। इस संबध में अपना स्पष्टीकरण दिनांक 28.02.2026 को जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, अनुपस्थिति एवं जबाव संतुष्टिपूर्वक नहीं पाये जाने पर आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजा जावेगा।

मुश्किलों में काम कर रहे पटवारियों ने विभिन्न मांगों समस्याओं के निराकरण के लिए रैली निकाल कर कलेक्टर को दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

मुश्किलों में काम कर रहे पटवारियों ने शुक्रवार को विभिन्न मांगों समस्याओं के निराकरण नही होने पर टाउनहाल से कलेक्ट्रेट तक विरोध मार्च निकाला। मध्य प्रदेश पटवारी संघ के आक्रोशित पटवारियों ने फार्मर रजिस्ट्री केम्प, कृषि संगणना एवं लघु सिचाई संगणना के मानदेय का भुगतान करने,नवोदित पटवारियों को 100 प्रतिशत सैलरी प्रदान करने और अनूपपुर जिले में पटवारियों के वेतन रोकने जैसी कार्रवाही को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

पटवारी संघ जिलाध्यक्ष संजय राठौर ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि जिले में पदस्थ पटवारी अपनी सेवा का निर्वहन पूरी निष्ठा से लगातार कर रहे है लेकिन कार्यके दौरान अनेक समस्याएं बनी हुई है कई बार मांग करने के बाद भी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है। फार्म

रजिस्ट्री केम्प के मानदेयों का भुगतान अबतक नहीं किया गया है। जिस में पटवारियों को फामर्ज़ रजिस्ट्री केम्प हेतु नौडल अधिकारी बनाया गया था। जबकी केंप का शासन स्तर से मानदेय स्वीकृत हुआ है। वर्तमान में 7वी लघु सिचाई संगणना का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। जबकि पहले कृषि संगणना एवं छटी लघु सिचाई संगणना के मानदेय का भुगतान अभी तक लंबित है। इसी प्रकार तहसीलदार कार्यालय से पटवारियों को मकान पर नंबरीकरण का कार्य3 दिवस में पूर्णकरने के निर्देश दिये गये है। जबकि पूर्वमें मकान नंबरीकरण का कार्यस्थानीय निकाय द्वारा किया जाता रहा है। पटवारियों को इस कार्यमें जबरन झौका जा रहा है इस रोक लगनी चाहिए।

वर्तमान में जियोटेग गिरदावरी का कार्य चाल है। जिसकी समय अवधी 28 फरवरी है एवं फसल पंजीयन का कार्यभी चार्लहै जो कि समय सीमा में किया जाना आवश्यक है। वर्तमान में जिले की कई तहसीलों में वन संपरिवर्तन का कार्यजारी है। जिसमें संबंधित पटवारी को ग्राउण्ड टूथिंग कार्यभी समय-सीमा में करना पड रहा है। 7वी लघु सिचाई एवं दूसरी वृहत सिचाई संगणना का कार्यभी जिले में प्रारम्भ किया जा चुका है आखिर पटवारी क्या क्या करेगा। सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित रहती है परन्तु अधिकारियों द्वारा समय-सीमा से पूर्वकार्यकरवाने के लिए अनावश्यक रूप से मानसिक दबाव बनाया जाता है।

नवोदित पटवारियों को 100 प्रतिशत सैलरी देने के लिए तात्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा घोषणा की गई थी लेकिन शासन द्वारा यह आदेश आज दिनांक तक लम्बित है वर्तमान में हाईकोर्टजबलपुर से शासकीय कमज़्चारियों के हित में ये आदेश पारित किया गया है नवनियक्त पटवारियों को भी100 प्रतिशत सैलरी देना चाहिए। पटवारियों का वेतन रोकने पर तत्काल रोक लगाना चाहिए। प्रदर्शन बड़ी संख्या में पटवारी संघ के सदस्य पटवारी शामिल रहे।

डॉ प्रीति यादव राम भक्त लेखक सम्मान से हुई झांसी में सम्मानित

बुंदेल खण्ड यूनिर्वसिटी झांसी में सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मिले सम्मान

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा 23, 24 फरवरी को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अशोकनगर निवासी, गुना के शासकीय कस्तूरबा कन्या महाविद्यालय में कार्यरत डॉ प्रीति यादव को रामभक्त लेखक सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ,झांसी के हिंदी विभाग तथा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ के सहयोग से आयोजित 'बुंदेलखंड के साहित्य, समाज और संस्कृति में श्रीराम' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडेय ,मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री डॉ राजेश श्रीवास्तव ,उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की प्रधान संपादिका डॉ

अमिता दुबे ,कुल सचिव ज्ञानेंद्र कुमार ,परीक्षा नियंत्रक राजबहादुर आदि के द्वारा किया गया। डॉ प्रीति यादव ने बुंदेलखंड के लोकनायक श्री राम का सामाजिक औदात्य विषय पर अपना शोध पत्र का वाचन किया। डॉ प्रीति यादव ने अपने शोध पत्र का वाचन करते हुए बताया कि श्री राम आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनका आदर्श जीवन और उनके जीवन चरित्र पर आधारित रामलीलाएं मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करतीं हैं । राम के गुण करुणा, न्याय ,प्रेम ,पारिवारिक कर्तव्य और विपरीत परिस्थितियों में अडिगता, नेतृत्व क्षमता ,सुशासन रिश्तो में सामंजस्य न सिर्फ व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक विकास के लिए मार्गदर्शन का काम करते हैं । उन्होंने आगे कहा कि यह राम की लोकप्रियता ही है कि न सिर्फ़ बुंदेलखंड बल्कि संपूर्ण देश में एक बड़ा विद्वान और एक अनपढ़ गंवार समान रूप से श्रीराम में श्रद्धा रखता है ।राम बुंदेलखंड की धरती के कण- कण में बसे हैं । राम का चरित्र आदर्श शासन ,सभ्यता और चरित्र निर्माण की प्रेरणा देता है। डॉ पुनीत बिसारिया विभाग अध्यक्ष हिंदी विभाग और अधिष्ठाता कला संकाय के संयोजन में 160 लेखकों द्वारा भेजे गए आलेख की तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। लगभग आठ तकनीकी सत्रों में संपूर्ण देश से आए विभिन्न विद्वान जनों ने बुंदेलखंड के हृदय में बसे राम और उनकी लोकप्रियता विषय पर अपने-अपने आख्यान प्रस्तुत किए ।कार्यक्रम के संयोजक प्रो पुनीत बिसारिया और मुख्य अतिथियों द्वारा लेखकों को राम भक्त लेखक सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर नवीन चंद्र पटेल,डॉ डीसी दुबे, राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित शिक्षिका डॉ नीति शास्त्री, आरिफ शहडोली, डॉ मोहम्मद नईम, रंग कर्मी संजय सिंघल ,डॉ दीप्ति बिसारिया ,डॉ सुनीता यदुवंशी, डॉ सुनीता वर्मा ,डॉ सुधा दीक्षित ,डॉ बृजलाता मिश्रा सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे।

दिग्विजय सिंह के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन

अशोक नगर। प्रदेश के दो बार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के जन्मदिवस पर रितेश जैन आज़ाद हेल्प क्लब द्वारा चौथा रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा । शिविर सुबह 10 से शाम 5:30 बजे तक जैन चैरिटेबल पालीक्लिनिक इंदिरा पार्क पर 28 फरवरी शनिवार को आयोजित होगा।

अनिकेत बने लोधी राजपूत कल्याण महासभा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी

अशोक नगर। अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संगठन ने नई नियुक्तियों की घोषणा की है। इसी क्रम में अनिकेत पटेल (मढ़ी पिपरई) को जिला सोशल मीडिया प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति से संगठन के कार्यकर्ताओं एवं युवा साथियों में उत्साह का माहौल है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई इस नियुक्ति पर सभी ने हर्ष व्यक्त किया। पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि अनिकेत पटेल सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन की नीतियों, कार्यक्रमों एवं समाज हित के कार्यों को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त जिला सोशल मीडिया प्रभारी अनिकेत पटेल ने अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा समाज की एकता और जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। जिला कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही संगठन ने आगामी सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अवैध खनिज गतिविधियों पर लगाई जाए प्रभावी रोकथाम : कलेक्टर

कार्यवाही में 01 अप्रैल 2025 से अब तक डेढ़ करोड़ रूपये से अधिक का अर्थदंड अधिरोपित

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खनिज विभाग की जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज राजस्व प्राप्ति, अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम संबंधी गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. और एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर पूर्णतः रोक लगाने के लिए राजस्व, पुलिस, खनिज एवं परिवहन विभाग संयुक्त रूप से सतत कार्यवाही करें तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें।बैठक में बताया गया कि जिले में खनिज गतिविधियों की सतत निगरानी के लिए संयुक्त कारज़्वाई की जा रही है। वित्तीय वर्ष2025-26 में 01 अप्रैल 2025 से 18 दिसंबर 2025 तक अवैध खनिज परिवहन, उत्खनन एवं भंडारण के कुल 306 प्रकरण दर्जकिए गए, जिनमें लगभग 1 करोड़ 27 लाख 18 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया तथा 1 करोड़ 26 लाख 57 हजार रुपये की वसूली की गई। इस अवधि में बड़ी संख्या में वाहनों एवं मशीनों पर कार्रवाई करते हुए 218 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 43 डंपर, 06 पोकलेन, 22 जेसीबी सहित पनडुब्बी, लोडर एवं अन्य उपकरण जब्त किए गए।

इसी प्रकार 19 दिसंबर 2025 से 25 फरवरी 2026 तक कुल 66 प्रकरण दर्जकिए गए, जिनमें 24 लाख 36 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया तथा लगभग 23 लाख 75 हजार रुपये की वसूली की गई। कार्रवाई के दौरान 53 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 2 डंपर, 7 जेसीबी एवं अन्य मशीनरी जब्त की गई। बैठक डीएफओ अर्चना पटेल, जिला खनिज अधिकारी धर्मेंद्र चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सर्व ब्राह्मण शक्ति संगठन द्वारा गरीब कन्या के विवाह में दिया गृहस्थी का सामान

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

सर्व ब्राह्मण शक्ति संगठन द्वारा 24 फरवरी को गरीब कन्या विवाह हेतु सहयोग करने की मंशा से संगठन की सभी सदस्यों द्वारा 80000 रुपए सहयोग राशि एकत्रित की गई। जिसमें 30 साड़ियां, बेडशीट, सोने की लौंग,पायल बिछिया,ओवन, स्टील की बड़ी-बड़ी थालियां , किचन से संबंधित सारे बर्तन, गोदरेज की अलमारी, कूलर ,वाशिंग मशीन यह कन्या को दिए गए। संगठन की अध्यक्ष

अंजना दुबे ने बताया कि संगठन द्वारा पूर्व में भी गरीब कन्याओं के विवाह में सभी के द्वारा सहयोग किया जाता रहा है,एवं भविष्य में भी इस प्रकार के सहयोग का निर्णय संगठन के सभी सदस्यों द्वारा लिया गया। संगठन की मार्गदर्शी संयोजिका और सभी सदस्य, पाराशर उपाध्यक्ष रानी राजोरिया रुचि शर्मा कोषाध्यक्ष रीना बुधौलिया और संगठन की सभी वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

करीला मेला के संबंध में बस संचालकों को निर्देश जारी

अशोकनगर। रंगपंचमी के अवसर पर मां जनकी मंदिर करीला मेला 2026 की तैयारियां एवं वाहन व्यवस्थाओं का सुचारू रूप संचालन हो सके। इस संबंध में इस जिले एवं अन्य जिलों से दर्शनार्थी बसों के द्वारा करीला मेले में बहुत ज्यादा संख्या में आने की संभावना है। जिला परिवहन अधिकारी अशोकनगर द्वारा सभी बस संचालकों को निर्देशित किया जाना आवश्यक है कि करीला मेला में आने वाली बसों के समस्त वैद्य मूल दस्तावेज वाहन के साथ होने पर ही वाहन का संचालन किया जावें एवं वाहनों का संचालन नियमानुार तथा यातायात नियमों का पूर्ण पालन करने हेतु सभी बस संचालक अपने-अपने बसों के चालक / परिचालक को सख्त निर्देश देवें कि किसी भी स्थिति में मोटरयान नियमों का उल्लघंन ना हों एवं वाहनों में ओवरलोड यात्री संचालन ना किया जावें।

करीला मेला हेतु किराया निर्धारित

अशोकनगर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले की बहादुरपुर तहसील के ग्राम पंचायत जसैया के ग्राम कानाखेड़ी में म.प्र. तीर्थ स्थल मां जानकी रंगपंचमी करीला मेला 2026 की तैयारियां एवं वाहन व्यवस्थाओं का सुचारू रूप संचालन हो सके। इस संबंध में इस जिले एवं अन्य जिलों से दर्शनार्थी बसों के द्वारा करीला मेले में बहुत ज्यादा संख्या में आने की संभावना है। जिला परिवहन अधिकारी द्वारा सभी बस संचालकों को निर्देशित किया गया है कि करीला मेला में आने वाले दर्शनार्थियों से यात्री बसों में शासन नियमानुसार निर्धारित 1.25 रू. प्रति किमी. के मान से ही किराया लिया जाए। अशोकनगर जिले से मां करीला मेला में दर्शनार्थी अशोकनगर, मुंगावली, ईसागढ़, चन्देरी आदि स्थानों से यात्री बसों में यात्रा करने की संभावना है। शासन नियमानुसार स्थानों के लिए किराया निर्धारण किया गया है।

विद्यार्थियों की समस्या के निराकरण हेतु अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने महाविद्यालय प्रबंधन को सौपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

अखिल भारतीय विद्यार्थीपरिषद (अभाविप) अध्यक्ष नीरज राठौर के नेतृत्व में विद्याथियों की निम्नलिखित समस्याओं के निराकरण हेतु महाविद्यालय प्राचार्यको ज्ञापन सौंपा। जिसमें मांग की गई कि महाविद्यालय की लाइब्रेरी में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाये। नए भवन में वाटर कुलर की स्थापित कराया जाये। महाविद्यालय में साफ-सफाई की व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित की जाये। लाइब्रेरी में विद्यार्थियों के लिये प्रतिदिन पुस्तकें उपलब्ध कराई जाये एवं शोध कार्य

की सुविधा के लिए पुस्तकों को नियमित की जाये। नये भवन के सौन्दर्य एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिस दिवार को तोड़ा गया है, उसकी शीघ्र मरम्मत की जावे। विद्यार्थीपरिषद मांग करती है कि विद्यार्थियों की उक्त समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जावे। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से कॉलेज अध्यक्ष नीरज राठौर, नगर मंत्री खुशहाल मोटवानी, रिषिका नाथ, पलक यादव,मायक चंदेल, हिमांशु जाटव, नागेश बैरागी, गौतम देशराज, लक्ष समाधिया, क्रिष राठौर, प्रथम आदि उपस्थित रहे।

डीईओ ने किया ईसागढ़ के परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण

अशोकनगर। जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर सिसोदिया द्वारा शुक्रवार को जिले में संचालित हाई स्कूल परीक्षा प्रश्न पत्र विज्ञान का आकस्मिक निरीक्षण विकासखंड ईसागढ़ के बोर्ड परीक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कदवाया, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ईसागढ़, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ईसागढ़, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ईसागढ़, जीवन ज्योति कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल ईसागढ़ पहुंच कर किया गया ।

कार्यशाला | मिलेट मिशन संबंधी कृषक कार्यशाला आयोजित, कृषकों को मोटा अनाज जैसे ज्वार...

कृषकों को मोटा अनाज से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताया

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

कलेक्टर साकेत मालवीय के मार्गदर्शन में गुरूवार को किसान कल्याण वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित म.प्र. राज्य मिलेट मिशन में कृषक कार्यशाला का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र अशोकनगर में किया गया। जिसमें कृषकों को मोटा अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी आदि की खेती एवं इन अनाजों के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताया गया मोटे अनाजों में फाइबर आयरन, कैलशियम, प्रोटीन, मिनरल्स, बिटामिन्स, एंटीऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं जिनको भोजन में शामिल करने से पाचन में सुधार, वजन घटाने, हृदय रोग का खतरा कम एवं हड्डियां मजबूत होती हैं। ये ग्लूटेन मुक्त होते हैं

जिससे मधुमेह की समस्या में फायदेमंद है इनके उपयोग से शरीर में आयरन, कैल्सियम ,पोटाश एवं खून की कमी नहीं होती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों द्वारा मिलेट्स खेती अपनाने हेतु कृषकों को प्रोत्साहित किया गया। कृषकों को प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, मृदा स्वास्थ कार्ड, मोटे अनाजों का महत्व, नरवाई न जलाकर नरवाई का प्रबंधन, उर्वरक वितरण हेतु ई-टोकन प्रणाली] ए.आई.एफ. पी.एम.एफ.एम.ई. आदि कृषि, उद्यानिकी,पशुपालन, मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई । कार्यक्रम में जिला कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष श्रीमती शीतल सतेन्द्र कलावत, सांसद प्रतिनिधि संजीव भारिल्ल, जगराम सिंह यादव जैविक प्रमुख भारतीय किसान संघ, वीरेन्द्र सिंह रघुवंशी जिलाध्यक्ष भारतीय किसान संघ, रामकृष्ण रघुवंशी भारतीय किसान संघ रणवीर सिंह यादव, संयुक्त संचालक कृषि आर.एस. शाक्यवार ग्वालियर उपसंचालक कृष अमित सिंह भदौरिया वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. व्ही.एस.गुप्ता,डॉ. व्ही.के. जैन वैज्ञानिक डॉ. हेमन्त कुमार त्रिवेदी वैज्ञानिक,डॉ. इंदर सिंह मिर्धा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र,डॉ. बैजनाथ सिंह यादव बी.टी.एम. सहित किसान बंधू उपस्थित रहे।

ग्राम शंकरपुर की 300 बीघा शासकीय भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराने विधायक ने उठाई विधानसभा में मांग

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहरी राय के ग्राम शंकरपुर की लगभग 300 बीघा शासकीय भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण का मुद्दा अशोकनगर विधायक इंजीनियर हरी बाबू राय द्वारा शुक्रवार को मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रमुखता से उठाया गया। विधायक हरिबाबू राय द्वारा राजस्व मंत्री से प्रश्न पूछते हुए इस बहुमूल्य शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु की जा रही कार्यवाही की जानकारी मांगी गई। विधानसभा में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, इस भूमि की अनुमानित कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये बताई गई है। पूर्व में भी इस संबंध में कई बार प्रश्न एवं पत्राचार किए जाने के बावजूद जिला प्रशासन द्वारा ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त की गई। प्रश्न के माध्यम से यह भी पूछा गया कि बार-बार शिकायतों और पत्रों के बावजूद अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हुई, तथा कब तक पूरी शासकीय भूमि को पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। राजस्व विभाग द्वारा दिए गए उत्तर में बताया गया कि राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद प्रशासन द्वारा कार्रवाई प्रारंभ की गई है, तथा कुछ स्थानों से अतिक्रमण हटाया जा चुका है।

ब्रीफ न्यूज़

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

मुंबई। एशियाई बाजारों में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा। इससे पहले अमेरिका के शेयर बाजार में गिरावट आई थी। अमेरिका में एनवीडिया कंपनी ने तिमाही नतीजे अच्छे दिए, लेकिन इसके बावजूद उसके शेयरों में तेज गिरावट आई। इसका असर टेक्नोलॉजी शेयरों पर पड़ा। जापान का निक्केई सूचकांक 0.6 प्रतिशत गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.1 प्रतिशत नीचे रहा। ऑस्ट्रेलिया का बाजार लगभग स्थिर रहा।

रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर 90.95 डॉलर पर खुला

मुंबई। वैश्विक बाजार में रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.95 पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की नकारात्मक शुरुआत के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बना। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में और अधिक गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला लेकिन बाद में टूटकर 90.95 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 90.91 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ था।

आरबीआई ने डिजिटल धोखाधड़ी रोकने बैंकों और पुलिस को दिए कड़े निर्देश

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने 60 प्रमुख बैंकों के कार्यकारी निदेशकों और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रमुखों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय और महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी भी शामिल हुए। आरबीआई ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के प्रभावी समाधान के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है।

1 अप्रैल से 20 फीसदी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल बिक्री अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से देशभर में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री अनिवार्य कर दी है। इस संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 17 फरवरी को अधिसूचना जारी की। आदेश के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कम से कम 95 रिसर्च ऑक्टेन नंबर (आरओएन) वाला एथनॉल मिश्रित पेट्रोल बेचना होगा। यह ईंधन भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार तेल कंपनियों को सीमित अवधि और तय क्षेत्रों में मानकों के अनुरूप ईंधन की बिक्री की अनुमति दे सकती है। हाल के महीनों में पेट्रोल में एथनॉल मिलाने को लेकर विवाद भी सामने आए हैं। कुछ दावों में कहा गया कि गन्ने, चावल और मक्के से बने एथनॉल के उपयोग से वाहनों की माइलेज और इंजन क्षमता प्रभावित हो सकती है।

इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा

भारत स्मार्टफोन उत्पादन बढ़ाने नई पीएलआई योजना पर कर रहा है विचार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

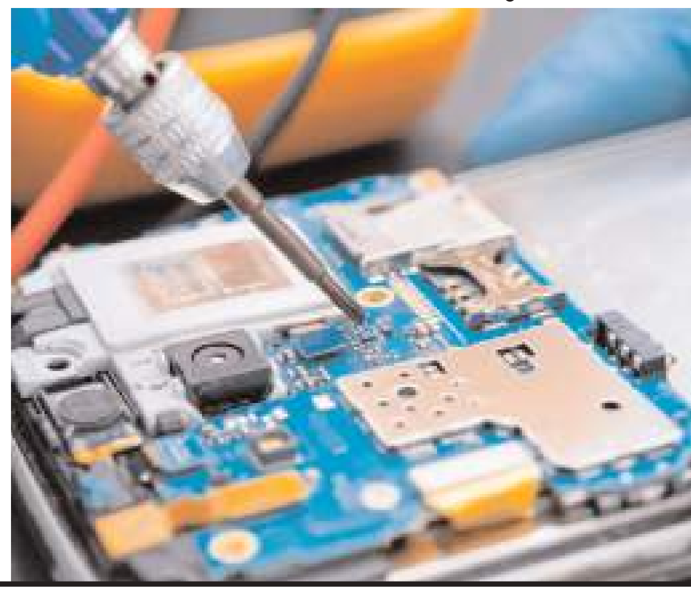

भारत सरकार स्मार्टफोन निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक नई उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने पर विचार कर रही है। मौजूदा योजना 31 मार्च को समाप्त हो रही है। इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा, जिससे स्थानीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। 2020 में शुरू हुई पांच साल की मौजूदा पीएलआई योजना के तहत कंपनियों को वृद्धिशील निवेश और उत्पादन मूल्य लक्ष्य पूरा करने पर 4-6 फीसदी तक प्रोत्साहन मिलता रहा। हालांकि निर्यात और प्रत्यक्ष रोजगार पर नजर रखी जाती रही, पर इन्हें अनिवार्य नहीं माना गया। योजना का कुल बजट 34,193 करोड़ रुपये था, लेकिन वास्तविक भुगतान लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। ऐपल के आपूर्तिकर्ता टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन, साथ ही सैमसंग और डिक्सन टेक्नॉलजीज (इंडिया) इसका बड़ा हिस्सा प्राप्त करेंगे। सरकार को उम्मीद थी कि घरेलू मूल्यवर्धन वित्त वर्ष 2026 तक 35-40 फीसदी तक बढ़ेगा, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह केवल 18-20 फीसदी रह सकता है। 2020 में गलवान सीमा विवाद और प्रेस नोट 3 लागू होने के बाद चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर रोक लग गई, जिससे चीन की कलपुर्जा कंपनियों का भारत में प्रवेश प्रभावित हुआ। इसके परिणामस्वरूप ऐपल ने चीन आधारित आपूर्तिकर्ताओं को भारत लाने की योजना छोड़ दी और स्थानीय व दूसरे देशों की कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने का विकल्प चुना। ऐपल ने अब भारत में लगभग 40 कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला बनाई है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का मानना है कि नई पीएलआई योजना से न सिर्फ भारत आत्मनिर्भर होगा, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा के क्षेत्र में बड़ा निर्यातक भी बनेगा।

पैरामाउंट ने वार्नर ब्रदर्स अधिग्रहण में बढ़त बनाई

न्यूयॉर्क। नेटफ्लिक्स ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के स्टूडियो और स्ट्रीमिंग व्यवसाय को खरीदने के लिए अपनी नई बोली बढ़ाने से इनकार कर दिया। कंपनी ने कहा कि नई कीमत आर्थिक रूप से आकर्षक नहीं रह जाएगी। इससे पैरामाउंट को अधिग्रहण में स्पष्ट बढ़त मिल गई। स्काइडांस के स्वामित्व वाली पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए अपनी बोली बढ़ाकर प्रति शेयर 31 अमेरिकी डॉलर कर दी। साथ ही कंपनी ने सात अरब डॉलर की नियामक समाप्ति शुल्क पर भी सहमति जताई। पैरामाउंट अपने प्रस्ताव को पूरा करने के लिए अरबों डॉलर का कर्ज लेगा। वार्नर ब्रदर्स के निदेशक मंडल ने इसे ÷कंपनी के लिए श्रेष्ठ प्रस्ताव करार दिया।

सेबी ने सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड किए खत्म, अब निवेश रणनीति पर फोकस

ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे

एजेंसी ■ मुंबई

सेबी ने स्पष्ट किया कि म्यूचुअल फंड का चयन अब नाम या भावुक टाइटल पर नहीं, बल्कि वास्तविक निवेश रणनीति पर आधारित होगा। इसी आदेश के तहत सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड कैटेगरी को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस श्रेणी में कुल 44 फंड थे, जिनमें 15 चिल्ड्रेन फंड और 29 रिटायरमेंट फंड शामिल थे। सेबी ने कहा है कि निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहेगा। ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे, जिनका जोखिम प्रोफाइल और रणनीति समान है। हालांकि, इन फंडों में नई निवेश राशि पर तुरंत रोक लगाई गई है। अब निवेशकों के लिए लाइफ स्टाइल फंड मुख्य विकल्प होंगे। इन फंडों की खासियत यह है कि जैसे-जैसे निवेशक की उम्र बढ़ेगी या लक्ष्य के साल करीब आएगा, यह फंड अपने आप रिस्क कम कर देगा। युवा निवेशकों के लिए अधिक इक्विटी और रिटायरमेंट के नजदीक अधिक डेट इंस्ट्रूमेंट्स शामिल होंगे। सेबी ने साफ कर दिया है कि ये फंड लंबी अवधि के लिए हैं, इसलिए बीच में पैसा निकालने वालों पर कड़ा जुर्माना लगेगाः 1 साल के भीतर निकासी पर 3 फीसदी चार्ज, 2 साल के भीतर निकासी पर 2 फीसदी चार्ज और 3 साल के भीतर निकासी पर 1 फीसदी चार्ज लगाया जाएगा। म्यूचुअल फंड कंपनियों को अपनी स्कीमों को नए नियमों के अनुरूप ढालने के लिए 6 महीने का समय मिला है। सेबी का उद्देश्य है कि बाजार और अधिक पारदर्शी बने, ताकि निवेशक बिना भ्रम के सही फंड चुन सकें।

युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रही इलेक्ट्रिक बाइक्स

नई दिल्ली। पेट्रोल की लगातार बढ़ती कीमतें और पर्यावरण को लेकर जागरूकता युवाओं को तेजी से इलेक्ट्रिक बाइक्स की ओर खींच रही है। आधुनिक ई-बाइक्स आकर्षक डिजाइन, प्रभावशाली परफॉर्मेंस और एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ आती हैं, जो रोज़ाना कॉलेज और सिटी राइड के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। एडीएमएस डीबी जैसे मॉडल रेंज और स्पीड के दमदार कॉम्बिनेशन के लिए जाने जाते हैं। करीब 95 किमी/घंटा की टॉप स्पीड और लंबी रेंज इसे डेली यूज़ के लिए उपयुक्त बनाती है। टीएफटी डिस्प्ले, नेविगेशन, कॉल-अलर्ट, रिवर्स मोड और फास्ट चार्जिंग जैसे फीचर्स इसे छात्रों के लिए सुविधाजनक विकल्प बनाते हैं। ओला इलेक्ट्रिक रोडस्टेर एक्स प्लस अपने फ्यूचरिस्टिक और स्पोर्टी डिजाइन की वजह से युवाओं के बीच खास आकर्षण रखता है। मल्टीपल राइड मोड, रीजनरेटिव ब्रेकिंग, एलईडी लाइटिंग और ऐप कनेक्टिविटी इसे हाई-टेक अनुभव पसंद करने वाले स्टूडेंट्स के लिए बेहतरीन विकल्प बनाते हैं। ओकिनावा आईप्राइज प्लस हल्के वजन और आरामदायक राइड के चलते शहर में रोज़मर्रा के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त मानी जाती है। डिजिटल कंसोल, जियो-फेंसिंग, एंटी-थेफ्ट अलर्ट जैसे फीचर्स इसे सुरक्षित और भरोसेमंद बनाते हैं। अथेर इनर्जी रिज्टा स्टाइलिश डिजाइन, मल्टीपल मोड, स्मार्ट सॉफ्टवेयर और अच्छी रेंज के साथ पहली बार ई-बाइक लेने वाले छात्रों के लिए एक संतुलित विकल्प है।

ओला इलेक्ट्रिक ने शुरू किया नया जेन-3 अपग्रेड प्रोग्राम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अपने मौजूदा ग्राहकों के लिए ओला इलेक्ट्रिक ने नया जेन-3 अपग्रेड प्रोग्राम शुरू कर दिया है। जेन-1 और जेन-2 मॉडल्स के ग्राहक अब लेटेस्ट जेन-3 प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो सकेंगे, जिसमें एडवांस्ड 4680 'भारत सेल' बैटरी तकनीक वाले वेरिएंट भी शामिल हैं। कंपनी के फाउंडर और सीईओ भाविष अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए बताया कि यह प्रोग्राम इस वीकेंड से बेंगलुरु में शुरू हो रहा है। इस योजना के तहत पुराने स्कूटर यूजर्स अब एस1 प्रो, एस1 प्रो प्लस और एस1एक्स जेन-3 जैसे नए मॉडल्स चुन सकेंगे, जबकि बाइक ग्राहकों के लिए रोडस्टेर, रोडस्टेर एक्स और रोडस्टेर एक्स प्लस उपलब्ध होंगे।

नई जेन-3 सीरीज में मिड-ड्राइव मोटर, चेन-ड्राइव सिस्टम और बेहतर एफिशिएंसी जैसे हार्डवेयर अपग्रेड शामिल किए गए हैं। कुछ मॉडलों की रेंज 320 किमी तक पहुंच सकती है। साथ ही मूव ओएस सॉफ्टवेयर अपडेट राइडिंग अनुभव को और स्मार्ट और सुविधाजनक बनाते हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ओला इलेक्ट्रिक की मार्केट हिस्सेदारी 36प्रतिशत से गिरकर 4-6प्रतिशत रह गई है। उधर, टीवीएस मोटर और बजाज ऑटो मिलकर ईवी बाजार का 60 प्रतिशत से ज्यादा नियंत्रण कर रहे हैं। कंपनी पर सर्विस डिले, पार्ट्स की कमी और भरोसेमंदी से जुड़े मामलों का असर पड़ा है, जिसके चलते क्यू3 में राजस्व आधा रह गया और 490 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज हुआ।

इन चुनौतियों को देखते हुए कंपनी 'स्ट्रक्चरल रीसेट' लागू कर रही है। इसके तहत फिजिकल स्टोर्स की संख्या घटाकर 550 की जा रही है और 'हाइपरसर्विस' सेंटर्स शुरू किए गए हैं, जहां 80 प्रतिशत सर्विस रिक्वेस्ट उसी दिन पूरी करने का लक्ष्य है। सर्विस बैकलॉग 50 प्रतिशत घट गया है। अपग्रेड प्रोग्राम इसी रणनीति का अहम हिस्सा है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों का भरोसा और लॉयल्टी दोबारा हासिल करना है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह योजना ओला की रिकवरी में अहम भूमिका निभा सकती है। हालांकि एक्सचेंज वैल्यू या डिस्काउंट जैसी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

नई कुशाक फेसलिफ्ट की डिलीवरी मिलेगी मार्च से

एजेंसी ■ नई दिल्ली

महाराष्ट्र स्थित पुणे के चाकन प्लांट में स्कोडा ने अपडेटेड कुशाक फेसलिफ्ट का उत्पादन शुरू कर दिया है। नई कुशाक की डिलीवरी मार्च 2026 से शुरू होगी, जबकि बुकिंग पहले से ओपन हैं। 2021 में लॉन्च होने के बाद यह मॉडल पहली बार बड़े अपडेट के साथ आ रहा है, जिसमें डिजाइन से लेकर टेक फीचर्स तक कई बड़े बदलाव किए गए हैं। नई कुशाक स्कोडा की 'मॉडर्न सॉलिड' डिजाइन लैंग्वेज को अपनाती है। फ्रंट में नया बोल्ड ग्रिल, क्रोम एक्सेंट्स, स्लिम एलईडी हेडलाइट्स और ग्रिल के ऊपर फैली फुल-विड्थ एलईडी डीआरएल लाइट बार एसयूवी को ज्यादा आधुनिक लुक देती है। साइड में 17-इंच अलॉय व्हील्स और मोटी ब्लैक क्लैडिंग इसे मस्कुलर अपील देती है। रियर सेक्शन में कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स, नया स्किड प्लेट, स्पॉइलर और इल्यूमिनेटेड स्कोडा लोगो शामिल हैं। टॉप वेरिएंट में पैनोरामिक सनरूफ स्टैंडर्ड दिया गया है, जिससे इसका प्रीमियम फील और बढ़ जाता है। इंटीरियर में लेआउट भले ही परिचित है, लेकिन मैटेरियल क्वालिटी और फीचर्स को अपडेट किया गया है। लेदरेट सीट्स, इलेक्ट्रिक एडजस्टेबल फ्रंट सीट्स, वेंटिलेशन और सेगमेंट-फर्स्ट रियर सीट मसाजर इसे और आकर्षक बनाते हैं। 10.1 इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25 इंच डिजिटल क्लस्टर, स्कोडा साउंड सिस्टम, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल और गूगल-पावर्ड एआई कंपैनियन इसकी टेक अपील को मजबूत करते हैं। फीचर्स की बात करें तो इसमें वायरलेस चार्जिंग, 360 डिग्री कैमरा (टॉप वेरिएंट), रेन-सेंसिंग वाइपर, ऑटो आईआरवीएम, वेंटिलेटेड सीट्स और कूल्ड ग्लव बॉक्स जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

आरबीआई ने डिजिटल धोखाधड़ी रोकने बैंकों और पुलिस को दिए कड़े निर्देश

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने 60 प्रमुख बैंकों के कार्यकारी निदेशकों और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रमुखों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय और महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी भी शामिल हुए। आरबीआई ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के प्रभावी समाधान के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। कार्यशाला में साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और उसे कम करने के लिए मजबूत संचालन, निगरानी व्यवस्था, आंतरिक नियंत्रण, सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं और अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया गया। आरबीआई ने बैंकों से लक्षित ग्राहक जागरूकता अभियान चलाने और अपनाई गई तकनीकी और प्रक्रियात्मक उपायों को साझा करने का आग्रह किया।

भारतीय शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत

सेंसेक्स 250 अंक गिरा, निफ्टी 25400 के नीचे

एजेंसी ■ मुंबई

वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां आईटी शेयरों में खरीदारी रही, लेकिन अन्य प्रमुख सेक्टरों में बिकवाली हावी रही। भारीभरकम शेयरों में कमजोरी ने भी बाजार की चाल को प्रभावित किया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 82,246 अंक पर लगभग सपाट खुला, लेकिन खुलते ही दबाव में आ गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 237.94 अंक की बढ़त के साथ 82,010.67 पर कारोबार करता दिखा, जो शुरुआती उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। वहीं ?निफ्टी 50 25,459 पर खुला और सुबह 111 अंक की गिरावट के साथ 25,385 पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं पिछले दिन गुरुवार को सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर 82,248.61अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर 25,496.55 अंक पर बंद हुआ था। बाजार पर दबाव की एक बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर हालिया वार्ता बेनतीजा रही, जिससे पश्चिम एशिया में संभावित सैन्य टकराव की आशंका बढ़ गई है। इस अनिश्चित माहौल में निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं और बीच-बीच में मुनाफावसूली कर रहे हैं। इंडेक्स पर ?रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों में कमजोरी का नकारात्मक असर पड़ा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू स्तर पर किसी मजबूत सकारात्मक संकेत के अभाव में निकट अवधि में बाजार सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव दिखा सकता है। आज प्राइमरी मार्केट में भी हलचल रहेगी। गॉडियम आईवीएफ एंड वूमन हेल्थ कंपनी के शेयर आज बाजार में लिस्ट होंगे। ओम्निटेक इंजीनियरिंग का आईपीओ आज बंद होगा। पीएनजीएस रेव्हा डायमंड ज्वेलरी आईपीओ के शेयरों का आवंटन आज तय हो सकता है। एसएमई सेगमेंट में एसीटेक ई-कॉमर्स का आईपीओ आज खुल रहा है।

पिछले दो कारोबारी सत्रों में शेयर की कीमत में 8 फीसदी का उछाल

लॉरस लैब्स के शेयर में तेजी, वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन मजबूत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ठेके पर दवा निर्माण और जेनेरिक दवाओं की प्रमुख कंपनी लॉरस लैब्स के शेयरों ने गुरुवार को बीएसई पर करीब 3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और 1,103.35 रुपये के उच्चतम स्तर को छू लिया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में इस शेयर की कीमत में कुल 8 फीसदी का उछाल आया है। सत्र के अंत में यह 1,092 रुपये पर बंद हुआ, जो 1.52 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। पिछले छह महीनों में शेयर ने बाजार औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 26 फीसदी की वृद्धि की, जबकि बीएसई सेंसेक्स में केवल 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पिछले एक साल में शेयर में 101.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स में केवल 10.2 फीसदी की वृद्धि। दिसंबर तिमाही में लॉरस लैब्स ने राजस्व में 26 फीसदी की बढ़ोतरी कर 1,778 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ। सकल मार्जिन लगभग 60 फीसदी रहा और परिचालन लाभ मार्जिन में 27 फीसदी से थोड़ी अधिक बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने यह प्रदर्शन मुख्य रूप से अपने जेनेरिक कारोबार और सीडीएमओ प्रोग्राम के मजबूत प्रदर्शन के जरिए हासिल किया। भले ही सीडीएमओ कारोबार में कुछ मंदी रही हो, फिर भी विकसित बाजारों में एंटीरेट्रोवायरल दवाओं की बढ़ी हुई मांग और चुनिंदा मॉलिक्युल की मजबूत मांग ने मार्जिन को स्थिर रखा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2028 तक सीडीएमओ का योगदान 16 फीसदी से बढ़कर 32 फीसदी होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022-26 में कंपनी के कुल 3,900 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का लगभग 75 फीसदी ऐक्टिव फार्मा और सीडीएमओ पर किया गया।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

मुंबई। एशियाई बाजारों में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा। इससे पहले अमेरिका के शेयर बाजार में गिरावट आई थी। अमेरिका में एनवीडिया कंपनी ने तिमाही नतीजे अच्छे दिए, लेकिन इसके बावजूद उसके शेयरों में तेज गिरावट आई। इसका असर टेक्नोलॉजी शेयरों पर पड़ा। जापान का निक्केई सूचकांक 0.6 प्रतिशत गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.1 प्रतिशत नीचे रहा। ऑस्ट्रेलिया का बाजार लगभग स्थिर रहा। अमेरिका में डाउ जोंस 0.03 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन एसएंडपी 500 में 0.54 प्रतिशत की गिरावट आई।

तीन नई आईसीई-पावर्ड कॉम्पैक्ट एसयूवी जल्द होगी लॉन्च

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में जल्द ही तीन नई आईसीई-पावर्ड कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च होने वाली हैं। इनमें रेनो की मिनी डस्टर, 2026 महिंद्रा थार फेसलिफ्ट और मारुति सुजुकी ब्रेजा फेसलिफ्ट शामिल हैं। रेनो मिनी डस्टर को सब-4 मीटर कैटेगरी में उतारा जाएगा। यह बड़े डस्टर का छोटा, लेकिन अधिक रग्ड वर्जन होगा, जिसमें मजबूत बॉडी क्लैडिंग, बड़े व्हील्स और प्रचलित एसयूवी स्टांस मिलेगा। इसमें 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो लगभग 100 पीएस पावर और 160 एनएम टॉर्क देगा। फीचर्स में डुअल डिजिटल स्क्रीन, वायरलेस कनेक्टिविटी, अडास-लेवल 1 और 6 एयरबैग्स शामिल होने की संभावना है। अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 8-12 लाख रुपये के बीच हो सकती है। महिंद्रा थार फेसलिफ्ट का डिज़ाइन और अधिक मॉडर्न और प्रीमियम होगा। नए फ्रंट ग्रिल, सी-शेप एलईडी डीआरएलएस, रीडिज़ाइन बंपर और अलॉय व्हील्स अपडेट्स का हिस्सा होंगे। इंटीरियर में 10.25-इंच टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नया स्टीयरिंग व्हील, सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा शामिल हो सकता है। कीमत 10-18 लाख रुपये के बीच रहने की संभावना है।

पंडित नेहरू स्कूल में छात्रों को पेड़ के नीचे बैठाया, गैलरी में धूप में तपकर दिए पेपर

नकल रोकने के नाम पर केंद्राध्यक्ष की मनमानी, छात्रों की हर पेपर में घट रही उपस्थिति

सत्ता सुधार ■ मुरैना

हायर सेकंडरी और हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने के चक्कर में प्रशासन छात्रों के ऊपर इतना अर्नगल दबाव बना रहा है, जिसका असर उनके परीक्षा परिणाम पर दिखाई देगा। बानमोर में पंडित नेहरू उमावि परीक्षा केंद्र पर शुक्रवार को केंद्राध्यक्ष बृजेशचंद्र उपाध्याय ने कमरे में बैठे छात्रों को दूसरी मंजिल की गैलरी और खुले मैदान में लगे पेड़ के नीचे बैठाकर पेपर दिलवाया। जबकि फरवरी के अंतिम सप्ताह में दिन का तापमान 30 से 32 डिग्री के बीच चल रहा है, जिसके चलते छात्रों को गर्मी में तपकर पेपर देना पड़ा।

यहां बता दें कि इससे पहले भी बानमोर के परीक्षा केंद्रों पर सख्ती के चलते इस तरह की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। कई परीक्षा केंद्राध्यक्ष भी बदले जा चुके हैं फिर भी प्रशासनिक अमले को अपने ही विभाग पर भरोसा नहीं कि वह नकल रोक

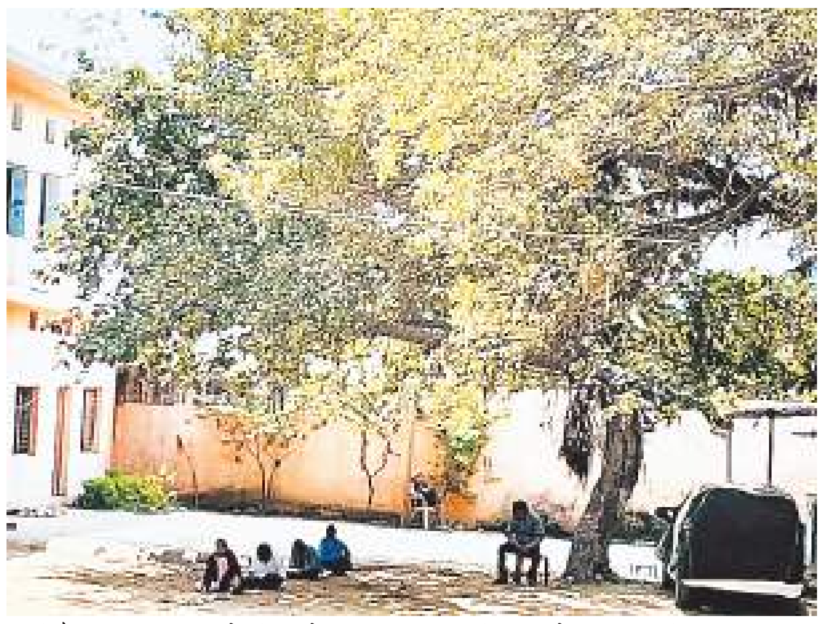

पा रहे हैं अथवा नहीं। नकल रोकने का तो पता नहीं, लेकिन प्रशासनिक सख्ती का असर बच्चों पर मानसिक रूप से पड़ रहा है। इस बार शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल बनाया गया है वह भी छात्र-छात्राओं के लिए मुसीबत बन गया है। हायर सेकेंडरी हाई स्कूल के पेपर में इस बार अवकाश कम रखे गए हैं, जिसके कारण बच्चों पर पढ़ाई का अधिक दबाव है।

-इनका कहना है....

स्कूल के कमरों में छात्र संख्या अधिक होने की वजह से कंजस्टेड स्थिति बन रही थी। इसलिए डिप्टी कलेक्टर उमेश अवस्थी के निर्देश पर बच्चों को स्कूल की दूसरी मंजिल की गैलरी और पेड़ के नीचे बैठाकर पेपर दिलाया।

बृजेश चंद्र उपाध्याय, केंद्राध्यक्ष, पंडित नेहरू उमावि बानमौर

बिना ड्यूटी परीक्षा में एक्टिव सहायक शिक्षक

पंडित नेहरू स्कूल बानमोर में जिन शिक्षकों की ड्यूटी शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने लगाई है, उनके अलावा यहां एक सहायक शिक्षक बिना ड्यूटी ही पूरे पेपर टाइम में स्कूल परिसर में भ्रमण कर रहा है। बताया जा रहा है कि यह सहायक शिक्षक सेंटर की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रमुख का भाई है। आखिर किस अधिकार और किसके कहने पर सहायक शिक्षक भ्रमण कर रहा है, यह जांच का विषय है। सूत्रों से पता चला है कि सहायक शिक्षक द्वारा बच्चों एवं उनके पालकों से नकल कराने के नाम पर वसूली भी की जा रही है।

हा.से. में 2077 और हाईस्कूल में 2900 छात्र रहे हैं अनुपस्थित

बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने के फेर में छात्रों पर पड़ रहे मानसिक दबाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अभी तक हायर सेकंडरी की परीक्षाओं में 2077 और हाईस्कूल के पेपर में 2900 छात्र अनुपस्थित रहे हैं। अनुपस्थित छात्रों की बड़ी संख्या का असर सीधे तौर पर जिले भर के परीक्षा परिणाम पर दिखाई देगा। इसी दबाव के चलते विगत दिनों एक छात्रा अचानक पंडित नेहरू उमावि में गिर पड़ी और उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

ब्रीफ न्यूज

पेंडिंग राजस्व प्रकरण का निराकरण शीघ्र करें: मिश्रा

जौरा। शुक्रवार को तहसील कार्यालय में बैठक लेते हुए तहसीलदार बालकृष्ण मिश्रा, नायब तहसीलदार प्रमोद सिंह तोमर व केके शर्मा ने बागचीनी, गलेथा, सुमावली, पहाड़गढ़ सर्कल के पटवारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन के जो भी प्रकरण पेंडिंग हैं, उन्हें अगले 5 दिनों में निराकरण आवश्यक रूप से करवाना है। इस दौरान फार्मर रजिस्ट्री, बटांकन, सीमांकन जैसे प्रकरणों का भी शीघ्र ही निराकरण करने के निर्देश दिए गए। वहीं पटवारियों को यह भी हिदायत दी गई कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति नहीं बने, यदि किसी के द्वारा अतिक्रमण किया गया है तो तत्काल इसकी रिपोर्ट दें और मौके पर जाकर शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटवाने की कार्यवाही भी करें। राजस्व वसूली को लेकर भी पटवारी से कहा गया कि डायवर्सन अर्थ दंड की जो भी वसूली पेंडिंग है उसे भी अगली मीटिंग से पहले वसूलकर जमा करवाएं।

जिला पंचायत सीईओ ने बोर्ड परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार शुक्रवार को आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने जिले के 4 परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के अंतर्गत शासकीय जी.डी. जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना (भाग-1 एवं भाग-2) तथा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुरैना का अवलोकन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने परीक्षा कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा केंद्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कक्षा 10वीं में 1066 व 12वीं में 4 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

मुरैना। जिला शिक्षा अधिकारी बी.एस. इंदौलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि हायर सेकेंडरी परीक्षा में कुल 340 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 336 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। इसी प्रकार हाईस्कूल परीक्षा में कुल 29,323 परीक्षार्थियों में से 28,257 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 1,066 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

हत्या के मामले में फरार तीन इनामी बदमाश गिरफ्तार

मुरैना। जिले की नूराबाद थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। सौरभ पुरी थाना प्रभारी नूराबाद को मुखबिर से सूचना मिली कि अपराध क्रमांक 55/25 धारा 115 (2), 351(2), 191(2), 191(3),190 बीएन.एस. 109(1) बी.एन.एस. में लगभग 10 माह से फरार चल रहे 5-5 हजार रूपए के ईनामी आरोपीगण विशम्भर पुत्र माधो सिंह गुर्जर, शैलेन्द्र पुत्र रामप्रकाश सिह गुर्जर, हरिओम उर्फ छोटू पुत्र रामसिंह गुर्जर सभी निवासी ग्राम चुरहेला थाना नूराबाद को शुक्रवार की सुबह करूआ मोड़ से गिरफ्तार कर लिया गया।

पिपरई गांव के सामने हाईवे पर मिली युवक की डेड बॉडी, पुलिस ने कहा एक्सीडेंट

परिजनों ने लगाया मनीष पर हत्या का आरोप

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के सरायछौला थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे पिपरई गांव के सामने 25 वर्षीय नितेश नामदेव की डेड बॉडी मिली है। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन से बाइक टकरा जाने के कारण उसकी मौत हुई है, जबकि परिजनों ने मृतक की मारपीट का एक वीडियो जारी किया है, जिसमें मनीष रजक और उसके साथी लाठियों से उसकी मारपीट कर रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। पुलिस अगर सख्ती से पूछताछ करेगी तो मामला साफहो जाएगा।

थाना प्रभारी केके सिंह के अनुसार गुरुवार की रात्रि 11:00 बजे के लगभग सरायछौला थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे 44 पर स्थित पिपरई गांव के पास आगे जा रही टैक्टर-ट्रॉली से पीछे चल रहा बाइक सवार युवक भिड़ गया। तेज आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर घायल युवक को तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंची और उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कर दिया गया। पुलिस को

घायल युवक की जेब से मिले बाइक रजिस्ट्रेशन से नंबर निकाला और कॉल किया, तब घायल युवक की पहचान 25 वर्षीय नितेश पुत्र हरगोविंद नामदेव के रूप में हुई। पुलिस को पता चला की घायल युवक के पास जो बाइक थी, वो उसके जीजा नितेश दीक्षित निवासी धौलपुर राजस्थान की है। खबर सुनकर जब उसके परिजन देर जिला अस्पताल पहुंचे, तब तक घायल युवक नीतेश दम तोड़ चुका था। शुक्रवार को युवक का पोस्टमार्टम किया जा रहा था तो मृतक के जीजा ने साले की हत्या होने की आशंका जताई और बताया कि गुरुवार को नितेश को उसका दोस्त मनीष रजक घर से लेकर गया था। दोपहर के समय नितेश ने अपनी बहिन को कॉल कर बताया कि उसका किसी से झगड़ा हो गया है और सिर में चोट लगी है, इलाज कराकर मुझे मनीष धौलपुर छोड़ देगा, लेकिन शाम तक बहिन के घर भाई नहीं पहुंचा तो बहिन ने कॉल किए जो रिसीव नहीं हुए। फिर मनीष को कॉल किया तो उसने कहा वो तो एक घंटे पहले ही धौलपुर निकल चुका है, लेकिन देर रात पुलिस का कॉल उसके जीजा पर पहुँच गया कि सड़क हादसे में नितेश गंभीर घायल हो गया है। जीजा ने कहा कि उसके दोस्त को पकड़ लिया जाये तो सच सामने आ जायेगा। हत्या के मामले को सड़क हादसे में बदलने की साजिश रची गई है। परिजनों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफकार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस परिजनों के बीच हुई लंबी चर्चा और पुलिस द्वारा मिले आश्वासन के बाद शुक्रवार दोपहर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही परिजनों ने नितेश की मारपीट का एक सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दिया है, जिसमें मनीष रजक और उसके साथी गुरुवर की सुबह लाठियों से उसकी मारपीट कर रहे हैं।

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का विनियमितीकरण सर्वसम्मति से पारित, 9 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

जौरा नगर पालिका का साधारण सम्मेलन संपन्न

सत्ता सुधार ■ जौरा

नगर पालिका जौरा में पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार बुधवार, 25 फरवरी को नगर पालिका कार्यालय में अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी की अध्यक्षता में अध्यक्षीय परिषद का साधारण सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बैठक में प्रस्तुत 9 महत्वपूर्ण एजेंडों पर विस्तृत और गंभीर विचार-विमर्श के उपरांत सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। सम्मेलन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और चर्चित विषय दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के विनियमितीकरण का रहा। अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी के संतुलित, तथ्यपूर्ण एवं संवेदनशील नेतृत्व में यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। परिषद सदस्यों ने इसे कर्मचारियों के भविष्य की सुरक्षा और प्रशासनिक स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। बैठक में नगर विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इनमें

एमएस रोड तिकोनिया पार्क, रामसारे माता मंदिर तथा वार्ड-12 गढ़ी स्कूल के पास सुलभ शौचालय निर्माण, शहर के विभिन्न स्थानों पर मूत्रालय निर्माण, कार्यालय प्रांगण में स्टोर के पीछे तीन सेट निर्माण, नवीन बस स्टैंड स्थित नवनिर्मित दुकानों के ऊपर बने हाल की नीलामी हेतु पुनः दर निर्धारण, इस्लामपुर रोड स्थित टाउन हॉल के कक्ष एवं हाल को किराए पर दिए जाने तथा वार्ड-18 में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल रहे। बैठक का संचालन मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र रावत ने किया। इस अवसर पर परिषद सदस्य सहित पार्षदगण श्रीमती रंजना, डॉ. रविन्द्र त्यागी,, दामोदर सिंह जाटव एवं शिवदयाल सिंह गौड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत, दो बच्चे सहित देवर घायल

मुरैना। जिले के महुआ थाना अंतर्गत शुक्रवार की दोपहर एक महिला अपने बच्चों को लेकर देवर के साथ बाइक पर बैठकर गोरमी जा रही थी, तभी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे महिला की मौत हो गई, जबकि देवर और बच्चे घायल हो गए। जानकारी के अनुसार रूबी पत्नी धर्मेंद्र शाक्य अपने दोनों बच्चों को लेकर देवर के संग उसेदपुरा गांव से गोरमी की ओर बाइक से जा रही थीं। इसी दौरान विजयगढ़ के पास पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला और उसके दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को अंबाह अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मुरैना जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी डॉक्टर ने महिला रूबी को मृत घोषित कर दिया, जबकि दोनों बच्चों अंशु और अनुष्का को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है और मृत महिला को अस्पताल चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक के द्वारा शुक्रवार को करीब 5:00 बजे मृत महिला के शव को पीएम हाउस में रखवा दिया गया है, जिसका ड्यूटी डॉक्टर के द्वारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

सफाई कामगार को सेवानिवृत होने पर दी गई विदाई

जौरा। जौरा नगर पालिका के महेश कुमार बाल्मिक सफाई कामगार रिटायर हुए रिटायर होने पर नगर पालिका सीएमओ वीरेंद्र रावत एवं महेश कुमार त्यागी, अतुल शर्मा, अमर सिंह बाथम, महेश सविता अन्य कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर सीएमओ का कहना था कि सुबह 5 बजे जाकर ड्यूटी करना 11 बजे ड्यूटी समाप्त कर घर जाना फिर 2 बजे ड्यूटी पर आना, यही दिनचर्या रही। इस दौरान निकाय कर्मचारी एवं समाज बंधुओ द्वारा रिटायर हुए महेश बाल्मिक को बग्गी पर बिठाकर फूल मालाओं से लाद दिया और विदाई रैली नगर पालिका कार्यालय से एमएस रोड, चंद्रशेखर आजाद, नया बाजार, तहसील चौराहा, डाकखाना रोड होते हुए महेश वाल्मीकि निवास पुराना जौरा पहुंची।

महामाया मंदिर समिति के फर्जीवाड़ा को लेकर मांझी-बाथम समाज ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मुरैना। म.प्र. मांझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति शाखा जिला मुरैना के जिलाध्यक्ष चतुरीलाल बाथम के नेतृत्व में मांझी समाज के लोगों ने शुक्रवार को मुरैना कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कलेक्टर को समाज के लोगों ने बताया कि उनके समाज के महामाया मंदिर पर वर्तमान प्रबंध समिति के लोग फर्जीबाडा करके अवैध रूप से निर्वाचन प्रकिया कर रहे हैं। वर्तमान प्रबंध समिति के लोग पूर्व में भी अवैध रूप से बलपूर्वक काबिज हो गये थे, जिसके संबंध में उनके विरूद्ध माननीय सिविल न्यायालय में वाद विचाराधीन है।

सिविल न्यायालय में वाद विचाराधीन रहने के कारण अनुविभागीय अधिकारी मुरैना ने भी उन्हें केवल ट्रस्ट के संचालन के लिए निर्देश दिया था लेकिन

अभी वाद विचाराधीन है फिर भी साधारण सभा की बैठक न करते हुए प्रबंध समिति के नवीन चुनाव करा रहे है। जब कि प्रबंध समिति का चुनाव ट्रस्ट के सदस्यों की सहमति से ठहराव पारित किया जाकर किया जाता है और उसी बैठक में चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की जाती ही। निर्वाचनकर्ता षडयंत्रपूर्वक अवैध रूप से चुनावी प्रकिया अपना कर पुनः मंदिर पर कब्जा बरकरार रखना चाहते हैं, जिसका मांझी समाज के लोगों ने विरोध किया है और चुनाव का बहिष्कार किया है। मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टमण्डल के सदस्यों ने भी प्रबंध समिति के लोगों द्वारा स्वयं चुनाव कराये जाने और कोई बैठक आयोजित न करते हुए और ट्रस्टियों को सम्मिलित न करते हुए ठहराव न करते हुए अवैध चुनावी प्रकिया प्रारंभ की है, जिसे देखते हुए मंदिर ट्रस्ट मण्डल ने भी 22 फरवरी 2026 को आपातकालीन बैठक आयोजित कर प्रबंध समिति के लोगों द्वारा की जा रही चुनावी प्रक्रिया को निरस्त कर मंदिर संचालन कार्य अपने हाथों में लेकर मंदिर संचालन के लिए एक संचालन समिति का गठन किया है, जिसके द्वारा अब मंदिर संचालन किया जायेगा। लेकिन फिर भी जबरन मनमाने तौर पर चुनावी प्रकिया कर रहे हैं।

संपन्न आनन्द के लिए अल्पविराम परिचय हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न

जीवनः मदद, कृतज्ञता और क्षमा भाव से आनन्दमय होता हैः आचार्य

सत्ता सुधार ■ अम्बाह

आनंद विभाग मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान द्वारा एक दिवसीय अल्पविराम आनंद परिचय कार्यक्रम आचार्य आनन्द क्लब के सहयोग से युवा शिक्षाविदों के लिए जीनियस पब्लिक स्कूल के सभागार में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि से आनन्द विभाग के जिला संपर्क समन्वयक बालकृष्ण शर्मा, मास्टर ट्रेनर विश्वनाथ गुर्जर, विषय विशेषज्ञ डॉ सुधीर आचार्य, शिक्षाविद् अनुराधा शर्मा, डायरेक्टर अनिल कुमार दीक्षित, प्राचार्य नीलम तोमर और पूर्णिमा सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए मास्टर ट्रेनर अरविन्द मावई ने कहा कि तेज

रफ्तार भागती जिंदगी में आनन्द का स्टेशन तलाश रहे हैं, अल्पविराम आपको उस तक पहुंचाता है। इसके बाद सत्र को गतिशील बनाते हुए सुधीर आचार्य ने विभिन्न गतिविधियों के द्वारा तनाव मुक्त हेल्थी लाइफ के टिप्स दिए। आचार्य ने कहा कि जीवन को आनंदमय बनाने के लिए मदद, कृतज्ञता, और क्षमा भाव महत्वपूर्ण हैं। जब हम कृतज्ञता के भाव से भरते जाते हैं तो हमारे अंतर से जलन ईर्ष्या, क्रोध, भेदभाव स्वतः कम होने लगते हैं और इन दुर्गुणों के काम होने से जीवन में आनंद आता है। मदद मिलने और मदद करने से हमें खुशी प्राप्त होती है। इसका जीवन में मदद का भाव भी अति आवश्यक है। मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित एक दिवसीय अल्पविराम आनंद परिचय कार्यक्रम में यह विचार सांझा किए। कार्यक्रम जीनियस पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया था, जिसमें युवा शिक्षाविदों ने भाग लिया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को आनंद की ओर ले जाना और उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना था। आनंद विभाग मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अल्पविराम की शक्ति और आनंद के महत्व पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन विकास यादव और अभिषेक तोमर ने एवं आभार राजेंद्र दिवाकर ने किया।

इनरव्हील क्लब मुरैना द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित

मुरैना। इनरव्हील क्लब मुरैना द्वारा होली मिलन समारोह, फाग उत्सव का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम में होली के विभिन्न गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां, मनोरंजक गेम्स तथा हाउजी (हाउसी) का आयोजन किया गया, जिससे पूरे वातावरण में उल्लास और उत्साह छा गया। यह समारोह आपसी स्नेह, भाईचारे और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व क्लब की अध्यक्ष श्वेता महेश्वरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सचिव साक्षी गोयल, अर्थमंत्री अंजलि जैन, स्वाति मंगल, आरती कोठारी, पूजा मोदी, मधु गुप्ता, मधु महेश्वरी, वंदना गांधी, अर्चना शर्मा,

माधुरी मित्तल, अर्पिता गोयल, डॉ. मीरा प्रेमी, डॉ. अनुभा महेश्वरी, डॉ. सुधा महेश्वरी, डॉ. सरोज गुप्ता, डॉ ऋतु राठी, रचना शिवहरे, जागृति श्रीवास्तव, मेघा गोयल, नेहा गुप्ता, शिल्पा सिंघल, सीमा बत्रा, नीलम माहेश्वरी, श्वेता, राधिका, आस्था मंगल सहित क्लब के आधा सैकड़ा सदस्य उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गंभीर रहें अधिकारी

हरदा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। बैठक में कलेक्टर ने नामांतरण, बंटावारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, धारणाधिकार, सायबर तहसील में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही वन व्यवस्थापन एवं राजस्व वसूली की स्थिति की समीक्षा भी की।

रबी के लिये गेहूँ के पंजीयन 7 मार्च व 2 फरवरी से पूर्व अनुबंध

हरदा। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन 2026-27 के लिये गेहूँ का पंजीयन 7 मार्च 2026 तक किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी हरदा ने जिले के सभी किसानों से 7 मार्च के पूर्व गेहूँ पंजीयन कराने का अनुरोध किया है। उन्होने बताया कि विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार सिकमी/बटाईदार एवं वन पट्टाधिकारी के अनुबंध 2 फरवरी 2026 के पूर्व का होने पर ही पंजीयन हेतु मान्य होंगे एवं अनुबंध पर भू स्वामी और बटाईदार के हस्ताक्षर होना अनिवार्य है। सिकमी पंजीयन हेतु उचित मूल्य का स्टाम्प होना अनिवार्य है। जिला आपूर्ति अधिकारी हरदा ने किसानों से अनुरोध किया है कि सिकमी/बटाईदार एवं वन पट्टाधिकारी पंजीयन के समय 2 फरवरी 2026 से पूर्व के ही भूमि के अनुबंध प्रस्तुत करें ताकि सुगमता से पंजीयन किया जा सके।

मार्च में होली छोड़कर छुट्टियों में खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय

हरदा। आम जनता को दस्तावेजों के पंजीयन कार्य में अधिक सुविधा देने और सरकारी राजस्व को ध्यान में रखते हुए, मध्य प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, मध्य प्रदेश कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मार्च 2026 के महीने में होली के अवकाश को छोड़कर शनिवार व रविवार सहित सभी सार्वजनिक अवकाश दिवसों पर पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे। आदेश के पालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रीय उप महानिरीक्षक पंजीयन को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी पंजीयन कार्यालयों को खुला रखें।

निर्माण स्थल पर मिट्टी भराव कार्य हेतु संचालन प्रक्रिया का करें पालन

हरदा। श्रम पदाधिकारी ने जिले के सभी निर्माण कार्य नियोक्ताओं को अपने-अपने संचालित निर्माण कार्य स्थल पर सुरक्षित मिट्टी भराव कार्य के दौरान मानक संचालक प्रक्रिया का पालन करने के निर्देश दिये है। उन्होने निर्देशित किया है कि कार्य के दौरान दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु श्रमिकों, पर्यवेक्षकों एवं मशीन ऑपरेटरों की सुरक्षा कार्य प्रणाली अपनाये जाने के निदेशों का पालन किया जाए। उन्होने निर्देशित किया है कि लैंडफिलिंग कार्य के दौरान श्रमिकों को पी.पी.ई. अनिवार्य रूप में पहनावा सुनिश्चित करें, कार्य प्रारम्भ से पूर्व सुरक्षा की जांच की जावे, सामग्री की ढुलाई एवं अनलोडिंग समतल व स्थिर स्थान पर की जावे।

यह प्रदर्शन महिला सम्मान और देश की वैश्विक छवि से जुड़े गंभीर सवालों को लेकर किया गया

एप्सटिन फाइल विवादः केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का नाम सामने आने पर महिला कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ खंडवा

एप्सटिन फाइल में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम सामने आने के आरोपों को लेकर गुरुवार शाम खंडवा में महिला कांग्रेस ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी भवन से रैली निकालकर केवलराम पेट्रोल पंप पर पुतला दहन किया और केंद्र सरकार व भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि यह प्रदर्शन महिला सम्मान और देश की वैश्विक छवि से जुड़े गंभीर सवालों को लेकर किया गया। उन्होंने कहा कि एप्सटिन फाइल में भाजपा नेताओं के नाम सामने आना बेहद शर्मनाक है और सरकार जानबूझकर इस मामले पर पर्दा डाल रही है। महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव सुनीता सकरगाये ने कहा कि यह मामला सिर्फ किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि

महिलाओं के सम्मान और देश की साख से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि एप्सटिन फाइल्स में भाजपा और उसके नेताओं के नाम एक-दो नहीं, बल्कि सैकड़ों बार सामने आए हैं, जिससे भारत की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब हुई है। महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष हेमलता पालीवाल ने कहा कि भारत को नारी शक्ति का सम्मान करने वाला देश बताया जाता है, लेकिन जब किसी केंद्रीय मंत्री का नाम गंभीर आरोपों में आता है, तो नैतिकता के आधार पर उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह इस पूरे मामले में जानबूझकर चुप्पी साधे हुए है।

भाजपा नेताओं पर कार्रवाई क्यों नहीं?

जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) की अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी ने कहा कि भाजपा नेताओं के नाम सामने आने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिसके विरोध में कांग्रेस को सड़क पर उतरना पड़ा है। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

बड़े आंदोलन की चेतावनीः महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रचना तिवारी ने मीडिया को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि यदि इस मामले में जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो महिला कांग्रेस पूरे प्रदेश और देश में बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी और विरोध को और तेज किया जाएगा।

शांतिपूर्ण लेकिन आक्रोशपूर्ण प्रदर्शनः निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कांग्रेसजन शाम करीब 4:30 बजे गांधी भवन से नारेबाजी करते हुए केवलराम पेट्रोल पंप पहुंचे, जहां केंद्रीय मंत्री का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

इनकी रही प्रमुख मौजूदगी

इस अवसर पर महिला कांग्रेस की सुनीता सकरगाये, रचना तिवारी, हेमलता पालीवाल, सरोज बघेल, मीना वर्मा, रूपा कास्डे, जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) प्रतिभा रघुवंशी, सुनील सकरगाये, शांतनु दीक्षित, सलीम पटेल, प्रेमांशु जैन, इमरान गौरी, चैनसिंह वर्मा, मनोज मंडलोई, विकास व्यास, अय्यूब लाला, शहजाद पवार, सागर पवार, दिव्यांश ओझा, हन्नान खोकर, अब्दुल कादिर, गुरप्रीत सिंह होरा, विशाल जैन, वामनराव जाधव, वकील नीलकंठ, आशीष कपिल, योगेश जांगिड़, अयान, वीरेंद्र गौतम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

नगर पालिका हरदा के अतंर्गत जलकर में वृद्धि पर पुनर्विचार की दरकार

जलकर में अनुपात हैं वृद्धि का विरोध स्वभाव पर

सत्ता सुधार ■ हरदा

नगर पालिका हरदा द्वारा जलकर में अनुपातहीन वृद्धि कर दी गई है। जिसका जन मानस और जन साधारण पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। जिसको ध्यान में रखते हुए वृद्धि दर को दोगुना से भी कम किया जाय जिससे गरीब मजदूर वर्ग पर आर्थिक बोझ न पढ सके। मांग को गंभीरता से लेते हुए उस पर पुनर्विचार नहीं किया गया तो जलकर विरोध का मुद्दा सड़क पर उतर आयेगा और उग्र आंदोलन का रूप ले लेगा।

75 से बढ़ाकर 200 रूपये किया गया - साधारण सभा सम्मेलन 29 अगस्त 2025 के प्रस्ताव 17 के अनुसार जलकर में 75 से बढ़ाकर 200 रूपये मासिक करने का निर्णय बहुमत से पारित किया गया। तदनुसार अब जल का 75 से बढांकर 200 रूपये मासिक किया गया है। गरीब मजदूर वर्ग इस अनुपातहीन वृद्धि से परेशान है और उसका विरोध कर रहे हैं। 75 से बढ़ाकर 100 व 120 या फिर अधिकतम 150 रुपये कर दिया जाये आर्थिक बोझ अधिक नहीं पड़ेगा। इस संबंध में अध्यक्ष, सीएमओ नगर पालिका का ध्यान इस और आकृष्ट करते हुए जलकर वृद्धि पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है।।

उपाध्यक्ष ने लिखा पत्र

नगर पालिका उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने अध्यक्ष एवं सी.एम.ओ. को पत्र लिखकर जलकर वृद्धि दर पर पुनर्विचार करने की मांग की है। श्री गोयल ने बताया कि हमारे वार्ड नंबर 19 की जनता ने वृद्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसका विरोध किया है और इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। एकदम दोगुना से अधिक की वृद्धि कर दी गई जिससे गरीब मजदूर वर्ग के लोग परेशान है। जलकर वृद्धि दर को कम करने की मांग कर रहे हैं। 2 सितंबर 2025 और 23 फरवरी 2026 को इस संबंध में पत्र लिखकर मांग की गई थी आगामी बैठक में इस मांग को रखकर चर्चा उपरांत गरीबों के हित में निर्णय लिया जाय जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड सके।

उसके सभी वार्डो से हो रहा विरोधः नगर पालिका के सभी वार्डो से जलकर की वृद्धि का विरोध हो रहा है। जलकर में वृद्धि यदि आवश्यक है तो 100 से 120 रुपये तक अधिकतम वृद्धि की जाय। 75 से बढ़कर 200 रूपये करना आमजन के हित में नहीं है। यह गरीब विरोधी निर्णय है। नपा को हर को हो रहे नुकसान की भरपाई गरीबों से करना उचित नहीं है। कमीशन खोरी व भ्रष्टाचार को कम करके नगर पालिका को हो रहे आर्थिक नुकसान की भरपाई की जाये तो गरीबों पर बोझ भी नहीं पड़ेगा और नगर पालिका को हो रहा नुकसान भी कम हो जायेगा।

नेता प्रतिपक्ष ने भी बताया गरीब विरोधी निर्णय

नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष अमर लोचलानी ने जलकर से अनुपातहीन वृद्धि का विरोध करते हुए कहा कि यह गरीब विरोधी निर्णय है। उनके

हित का ख्याल नहीं रखा गया है। जलकर में वृद्धि पर पुनर्विचार किया जाये। इसको लेकर आमजन मानस में विरोध पनप रहा है। समय रहते पुनर्विचार कर वृद्धि दर को कम करने के संबंध में निर्णय नहीं लिया गया तो यह विरोध आंदोलन का रूप ले लेगा। गरीब मजदूर वर्ग सड़क पर उतरकर इसका खुलकर विरोध करने को मजबूर होंगे जिसकी सारी जबाबदारी नगर पालिका की होगी।

संभागायुक्त ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरदा। संभागायुक्त नर्मदापुरम के.जी. तिवारी ने शुक्रवार को जिला पंचायत हरदा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन अभिलेखों, विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर श्री तिवारी ने जिला पंचायत की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर स्थापना, लेखा, और विकास शाखा के रजिस्टरों एवं फाइलों की जांच की।

उन्होने निरीक्षण के दौरान मनरेगा शाखा में डाटा एन्ट्री ऑपरेटर श्री राजेन्द्र प्रहलाद से ई-ऑफिस संचालन की जानकारी ली। इस दौरान एक फाइल मेन्यूअली भेजी गई, जिस पर संभागायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होने निर्देशित किया कि सारी फाइलें ई-ऑफिस के माध्यम से ही भेजी जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी उपयोग किया जाए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की उन्होने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि प्रथम किश्त का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त ही द्वितीय किश्त की राशि के भुगतान किया जाए। उन्होने स्वच्छता मिशन के तहत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। ग्राम स्वराज संस्थान के कर्मचारियों का जिला पंचायत के कार्यों में सहयोग लेने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान सेवा पुस्तिकाओं, कैशबुक और भंडार पंजी के उचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने लंबित प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण के कड़े निर्देश दिए।

अनूप कुमार व मधु मिहानी दम्पत्ति ने की देहदान की घोषणा

देहदानी के लिए सीएम की घोषणा अंतिम संस्कार के समय पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर

सत्ता सुधार ■ खंडवा

नाकोड़ा नगर भंडारिया रोड़ निवासी अनूपकुमार मिहानी व पत्नी श्रीमती मधु मिहानी ने मरणोपरांत देहदान का घोषणा पत्र भरा। जानकारी देते हुए सक्षम संस्था के अध्यक्ष व लायन्स नेत्रदान देहदान एवं अंगदान जनजागृति समिति के संयोजक नारायण बाहेती व समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि राधा स्वामी सम्प्रदाय व सक्षम संस्था, लायन्स क्लब खण्डवा एवं लियो क्लब खण्डवा, नेत्रदान-देहदान एवं अंगदान जनजागृति समिति द्वारा निरंतर चलाए जा रहे जनजागरण अभियान से प्रेरित होकर मिहानी दम्पत्ति अनूपकुमार मिहानी व श्रीमती मधु मिहानी ने एक दूसरे के घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर पुत्र शशिकांत, रविकांत ,पुत्री लीना व बहु श्रीमती सुरभि मिहानी की सहमति युक्त देहदान घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर समिति को सौंपा। यह समिति द्वारा भरा गया 167 वाँ देहदान घोषणा पत्र है। सक्षम खण्डवा के अध्यक्ष एवं समिति संयोजक नारायण बाहेती ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घोषणा समाज में बढ़ती मानवीय चेतना का प्रमाण है। इस अवसर पर नेत्रदान-देहदान समिति के नारायण बाहेती, डॉ. सोमिल जैन, प्रहलाद तिरोले,सुनील जैन,राजीव मालवीय, लायन्स क्लब अध्यक्ष आशा उपाध्याय, सुरेन्द्रसिंह सोलंकी,अखिलेश गुप्ता सहित सक्षम संस्था,लायन्स क्लब खण्डवा, लियो क्लब खण्डवा एवं महर्षि दधीचि समिति के पदाधिकारियों का सहयोग रहा।

पिपलोद खास हादसा बना मौत का कारणः ट्रक हटाने पर मिली युवक की लाश

खंडवा। मप्र के खंडवा जिले के पिपलोद खास में मंगलवार तड़के हुआ सड़क हादसा अब एक दर्दनाक मौत में बदल गया। मध्यरात्रि करीब 3 बजे एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे बनी

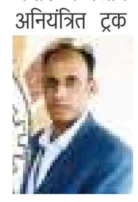

दुकानों में जा घुसा। शुरू में इस हादसे को केवल संपत्ति नुकसान तक सीमित बताया गया, जब दोपहर बाद ट्रक को हटाया गया तो मलबे के नीचे दबे एक व्यक्ति का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान सोहनसिंह चौहान (40), पिता फतेहसिंह, निवासी पिपलोद खास के रूप में हुई है। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार सोहनसिंह सुबह इंदौर जाने के लिए बस पकड़ने की तैयारी में था। वह गांव के बस स्टैंड के पास एक दुकान के बाहर बैठकर बस का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान मध्यरात्रि 3 बजे ट्रक ने दुकानों को टक्कर मार दी और सोहनसिंह दुकान व ट्रक के मलबे में दब गया।

'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत अटूटखास व नर्मदानगर में शिविर सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ खंडवा

सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ नागरिकों को दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में इन दिनों 'संकल्प से समाधान' अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत शुक्रवार को पुनासा विकासखण्ड के ग्राम अटूटखास व नर्मदानगर में शिविर आयोजित किए गए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि ग्राम पंचायत अटूट खास में आयोजित क्लस्टर स्तरीय शिविर में कुल 1605 आवेदन स्वीकृत किए गए। जबकि नर्मदानगर में कुल 1734 आवेदनों को स्वीकृति दी गई।

अटूटखास शिविर में ग्रामीणों को मिली सहायताः अटूटखास शिविर में कुमारी रिद्धि

पवन, प्रियांशु सालक्रम, प्रियांशी आत्माराम को लाडली लक्ष्मी योजना सम्बंधी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही कृष्णा, प्रताप, जयराम, बवाया, राधा बाई, द्रोपदी बाई, दयाराम, सुंदरलाल, मोजीलाल, हरिराम, मेवा बाई, शंकर हीरा, राजू व तारा राम की पेंशन स्वीकृत की गई। साथ ही जयराम जाधव, जयपाल, पियरसिंग, गाजू, विष्णु, जलमसिंह, शोभाराम, विष्णु प्रताप, मोहनलाल, लीला बाई और शिवराम को खसरा खतौनी की स्वीकृति वितरित की गई। इसके अलावा जानवी, शीला, प्रेमलता, अमित और सुनीता को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए।

दिगम्बर जैनाचार्य आर्जवसागर जी के शिष्य मुनि श्री विशोधसागर जी ने खण्डवा नगर प्रवेश पर अपने प्रथम प्रवचन पर कहा

जैन साधु चलते फिरते तीर्थ हैं..खण्डवा की धरती सिद्धभूमिः विशोधसागर जी

सत्ता सुधार ■ खंडवा

जैन संत नदी की बहती धारा के समान होते हैं।जिडस प्रकार नदी अपने प्रवाह से राह में आने वाले सभी तत्वों को सिंचित करती है उसी प्रकार जैन साधु भी बिना किसी भेदभाव के अपने विहार मार्ग में आने वाले सभी प्राणियों को धर्म लाभ एवम आशीर्वाद प्रदान करते हैं।अपने प्रत्येक कदम पर धर्म की प्रभावना करने के कारण जैन साधुओं को चलते फिरते तीर्थ कहा गया है।वे अपने ज्ञान,ध्यान और तप के निर्दोष पालन के द्वारा जिनधर्म और जिनवाणी की आराधना और प्रभावना करते हैं। दिगम्बर जैनाचार्य

आर्जवसागर जी के शिष्य मुनि श्री विशोधसागर जी ने खण्डवा नगर प्रवेश पर अपने प्रथम प्रवचन पर कही।खण्डवा की धरती को पवित्र और पुण्यशाली बताते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धवरकूट, बावनगजा,पावागिरी ऊन, नेमावर आदि सिद्धक्षेत्रों के बीच स्थित होने से खण्डवा में दिगम्बर जैन साधु संतों का आवागमन होता रहता है।पूर्वाचार्यो ने दिगम्बर जैन संतों को भावी सिद्धों की श्रेणी में रखा है।जैन धर्म अनादिकाल से है और अनादि काल तक रहेगा।शास्त्रों में श्रावक द्वारा मुनिराजों को औषध,शास्त्र,अभय आदि चार प्रकार के दान देने का उल्लेख किया गया है।हमारे द्वारा पूर्व जन्म में किये गये दान आदि कर्मों के फलस्वरूप ही उच्च कुल,गोत्र,जाति और उत्कृष्ट भोग सामग्री प्राप्त होती है।उसी तरह जिनेन्द्र भगवान और देव, शास्त्र, गुरु की निस्वार्थ भक्ति और उपासना करने से सुंदर रूप और यशकीर्ति प्राप्त होती है। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि मुनि श्री का चातुर्मास महाराष्ट्र के चिखली में हुआ था।पिछले दिनों मुनि श्री ने बुरहानपुर होते हुए म.प्र. की सीमा में प्रवेश किया था।खण्डवा सहित अब मुनि श्री पूर्व निमाड़ और पश्चिम निमाड़ के तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन वन्दना करते हुए ग्रामीण क्षेत्र में धर्म प्रभावना करेंगे।पंधाना में 20 दिन तक प्रभावना करने के बाद आज मुनि श्री ने खण्डवा नगर प्रवेश किया।मानसिंग मिल चौराहे पर समाजजनों द्वारा बैंड बाजे और जयकारों के साथ मुनि श्री की मंगल अगवानी की गयी। भक्तजनों ने अपने घरों के सामने मुनि श्री के पाद प्रक्षालन और आरती करके आशीर्वाद प्राप्त किया।मंगलाचरण पुष्पा रावका ने किया।दिलीप पहाड़िया,वीरेंद्र जैन,सुभाष सेठी सचिव सुनील जैन ने श्रीफल भेंट किया। मुनि सेवा समिति के अध्यक्ष विजय सेठी प्रचार मंत्री प्रेमांशु जैन ने बताया कि मुनि श्री के मंगल प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से घासपुरा स्थित सरावगी जैन मंदिर में होंगे। प्रातः 10 बजे आहारचर्या एवम दोपहर में 3 बजे से ग्रँथराज ज्ञानार्णव पर स्वाध्याय कराया जावेगा।शाम को 6:30 बजे से गुरु भक्ति एवम आरती होगी।रात्रि 8:45 बजे से वैयावृत्ति की जा सकेगी।आहारचर्या का अवसर विजया जी रावका परिवार को मिला।कार्यक्रम का संचालन अविनाश जैन ने किया।

स्कूल के विद्यार्थियों ने गोमुख मठ के किए दर्शन

टिमरनी। गीता निकेतन को एड स्कूल टिमरनी द्वारा बच्चों को गोमुख धाम भादूगांव दर्शन कराये गये। यह एक अद्भुत प्राचीन स्थान माना जाता है जिसके दर्शन मात्र से ही सारे कष्ट दूर होते हैं। 15 किलोमीटर दूर भादूगांव ग्राम में स्थित गौमुख के नाम से प्रसिद्ध है जिसमें लगातार विगत कई वर्षों से गौ माता के मुंह से पानी लगातार निकलता रहता है। जिसे आज तक वैज्ञानिकों ने भी सिद्ध नहीं कर पाए कि यह पानी कहां से आ रहा है। यह एक अद्भुत भव्य स्थान है जो देखने योग्य है। इस तीर्थ स्थान के दर्शन के लिए गीता निकेतन स्कूल परिवार के बच्चे एवं शिक्षक सभी यहां पहुंचे और दर्शन प्राप्त किया। स्कूल परिवार की ओर से डायरेक्टर डॉक्टर गणेश पाटिल, निशा पाटील, जैनु लौवंसी, वर्षा मालवीय, सिया परदेसी, योगिता मालाकार सहित स्टाफ मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं की राष्ट्रभक्ति ही भाजपा की असली पहचान : सिंह

एक विधायक के रूप में मेरी असली पूंजी आप कार्यकर्ताओं : विधायक बृजबिहारी पटेरिया

सत्ता सुधार ■ देवरी (सागर)

जिस राष्ट्र के लोग अपने धर्म और संस्कृति को छोड़ देते हैं, वह राष्ट्र बिना युद्ध के ही नष्ट हो जाता है। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता राजनीति से नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत होता है। सिद्धांत, मूल्य, राष्ट्रप्रेम और सेवा–यही भाजपा कार्यकर्ता की पहचान है।

यह विचार पूर्व गृहमंत्री एवं खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने देवरी विधायक बृजबिहारी पटैरिया के जन्मदिन पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।पूर्व गृहमंत्री श्री सिंह ने कहा कि वर्ष 2003 में भाजपा की सरकार बनने के बाद देवरी क्षेत्र में विकास का नया अध्याय शुरू हुआ। आज सागर से मात्र 40 मिनट में देवरी पहुँचा जा सकता है–यह प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा निर्मित स्वर्णिम चतुर्भुज फोरलेन परियोजना का परिणाम है। उन्होंने बताया कि 2003 तक देवरी विधानसभा क्षेत्र में केवल 2800 हेक्टेयर भूमि ही सरकारी सिंचाई स्त्रोतों से सिंचित थी, जबकि आज कुल 60,000 हेक्टेयर कृषि भूमि में से 29,000 हेक्टेयर क्षेत्र सरकारी सिंचाई योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है। वर्तमान में क्षेत्र में 40 सिंचाई परियोजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें से 25 पूर्ण और 11 पर कार्य प्रगति पर है।

कार्यकर्ता सम्मान दिवस के रूप में मनाया गया जन्मदिन

पूर्व गृहमंत्री श्री सिंह ने कहा कि विधायक बृजबिहारी पटैरिया का निर्णय–जन्मदिन को कार्यकर्ता सम्मान दिवस के रूप में मनाना, मालाएं न पहनना और रक्तदान शिविर आयोजित करना–वास्तव में अनुकरणीय है।उन्होंने बताया कि भाजपा जॉइन करते समय श्री पटैरिया ने किसी पद या टिकट की शर्त नहीं रखी, बल्कि एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में सेवा करने की इच्छा जताई थी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जन्मदिन मनाने की संस्कृति भी सेवा और समर्पण से जुड़ गई है, जिसका उदाहरण आज यह आयोजन है।

पूजन, वृक्षारोपण और रक्तदान–पूरा दिन सेवा को समर्पित

विधायक श्री पटैरिया ने सुबह माता हरसिद्धि मंदिर रानगिर में पूजा-अर्चना की, विधवास मंदिर में अनुष्ठान किया, शासकीय नेहरू महाविद्यालय में वृक्षारोपण और कृषि उपज मंडी में रक्तदान शिविर आयोजित किया।

उन्होंने कहा–एक विधायक के रूप में मेरी असली पूंजी आप कार्यकर्ताओं का निस्वार्थ प्रेम और विश्वास है। मेरे स्वास्थ्य के लिए की गई प्रार्थनाओं के कारण ही आज मैं स्वस्थ हूं।'

सीएम यादव ने दी शुभकामनाएं

विधायक श्री पटैरिया के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फोन पर शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सुंदरकांड पाठ और उत्साहपूर्ण माहौल

कृषि उपज मंडी परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पूरे दिन कार्यकर्ताओं में उत्साह बना रहा। विधायक मालाएं पहनने को तैयार नहीं थे, लेकिन कार्यकर्ताओं के आग्रह पर उन्होंने वही मालाएं कार्यकर्ताओं को पहनाकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह, सांसद राहुल सिंह लोधी सहित सभी अतिथियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया।कार्यक्रम को दमोह सांसद राहुल सिंह, पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह,जिला भाजपा अध्यक्ष श्याम तिवारी, ग्रामीण जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती रानी कुशवाहा, जिला पंचायत सभापपति हीरा सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल ढिमोले ने किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, सुश्री प्रियंका पटैरिया, जिला महामंत्री श्रीमती उमादेवी खटीक, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती ऊषा उमेश श्रीवास्तव, प्रीतम सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष श्रीमती रानी पटेल, जिला मंत्री महेश पाठक, जिला मंत्री राजेंद्र मिश्रा, भगवत पटेल, संदीप जैन बबलू सिनेमा, डा बलदेव लोधी, वैभव बिलथरे, अशोक साहू, शिवराज सिंह बेरखेड़ी, शैलेंद्र सिंह, नरेश पांडे, जाहर सिंह सीरि, मंडल अध्यक्ष देवरी मोंटू राजपूत, मंडल अध्यक्ष केसली रामलखन सिंह, मंडल अध्यक्ष सहजपुर पुष्पेन्द्र आदिवासी, मंडल अध्यक्ष गौरझामर देवेंद्र सिंह लोधी, मंडल अध्यक्ष अनंतपुरा लखन साहू, पार्टी के सभी कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने पंपचालक के सेवानिवृत्त होने पर किया सम्मान

सत्ता सुधार ■ सागर

नगर निगम में पंपचालक के पद पर कार्यरत देवी प्रसाद कुर्मी के सेवानिवृत्त होने पर निगम सभाकक्ष में गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार की उपस्थिति में सेवानिवृत्त कर्मचारी का पुष्पहार पहनाकर एवं शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने श्री कुर्मी की दीर्घकालीन एवं निष्ठापूर्ण सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। उनकी सेवाएं नगर निगम के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगी।

कार्यक्रम में निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने देवी प्रसाद कुर्मी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह में कार्यालय अधीक्षक मनोज अग्रवाल, कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक, उपाध्यक्ष श्रीमती शकुंतला गोस्वामी, श्रीमती जया श्रीवास्तव, श्रीमती विजया श्रीवास्तव , बृजेश नापित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

30 वर्षीय व्यक्ति का शव रेलवे लाइन पर मिला, पुलिस जांच में जुटी

खुरई (सागर)। शुक्रवार की सुबह नरेन नदी पर स्थित रेलवे पुल के पास एक युवक मृत अवस्था में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान सूरज पिता भैयालाल अहिरवार उम्र करीब 30 साल निवासी शास्त्री वार्ड खुरई के रूप में हुई। मिली जानकारी अनुसार मृतक ऑनलाइन दुकान चलाता है, वह गुरुवार को दुकान जाने की कहकर निकला था, उसके बाद वह बापिस नहीं लौटा। मृतक की मोटरसाइकिल भी पुल के पास खड़ी मिली। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार शास्त्री वार्ड निवासी एक व्यक्ति की ट्रेन के कटकर मौत हो गई। पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया।

आमलकी एकादशी पर सजे बाबा महाकाल, त्रिपुंड लगाकर दिए निराले स्वरूप में दर्शन

उज्जैन। फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर आज शुक्रवार सुबह भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल के दरबार मे हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। इस दौरान भक्तों ने देर रात से ही लाइन में लगकर अपने ईष्ट देव बाबा महाकाल के दर्शन किए।

आज बाबा महाकाल भी भक्तों को दर्शन देने के लिए सुबह 4 बजे जागे, जिनका भस्म रमाकर आकर्षक शृंगार किया गया। भक्तों ने इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया, जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर मे फाल्गुन माह शुक्ल पक्ष की आमलकी एकादशी तिथि पर आज शुक्रवार सुबह 4 बजे भस्म आरती हुई। इस दौरान वीरभद्र जी से आज्ञा लेकर मंदिर के पट खुलते ही पण्डे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन-अर्चन किया, जिसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर पंचामृत और फलों के रस से किया गया। पूजन के दौरान प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। पुजारियों और पुरोहितों ने इस दौरान बाबा महाकाल का आकर्षक स्वरूप मे शृंगार कर कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट धारण कराया, जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल के शिवलिंग पर भस्म अर्पित की गई और फिर झांझ-मंजीरे, ढोल-नगाड़े और शंखनाद के साथ भस्मारती हुई। आज के शृंगार की विशेषता यह थी कि आज बाबा महाकाल का त्रिपुंड, चन्द्रमा और बेल पत्र के साथ ही भांग का शृंगार कर बाबा महाकाल को भस्म अर्पित की गई। आज बाबा महाकाल के इस आलौकिक स्वरूप के दर्शनों का लाभ हजारों भक्तों ने लिया और जय श्री महाकाल का जयघोष भी किया। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार स्वरूप मे दर्शन देते हैं।

बड़केश्वर मंदिर पर आमल की एकादशी संकीर्तन के साथ फूलों की होली खेली गई

बीना(सागर)। राधे राधे प्रभात फेरी मंडल बीना में लगभग 12 वर्षों से प्रत्येक एकादशी को बीना के मंदिरों पर पहुंचकर संकीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। शुक्रवार को बीना के बड़केश्वर मंदिर पर आमल की एकादशी संकीर्तन के साथ फूलों की होली खेली गई जिसमें एक दूसरे पर फागुन के गीत गाते हुए भक्तों ने एक दूसरे के ऊपर फूलों को गुलाल के रूप में उड़ा कर एक दूसरे को बधाइयां दी।फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर आमल की एकादशी व्रत किया जाता है। यह अवसर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। इस अवसर पर राधे-राधे प्रभात फेरी मंडल की सदस्य डोली राय एवं राकेश सेन समस्त धर्म प्रेमी बंधुओ माता बहनों से अपील करते हुए कहा कि 2 मार्च को होलिका दहन होगी 3 तारीख को चंद्र ग्रहण होने के कारण 4 मार्च को सुबह 5:00 बजे प्रभात फेरी मां जागेश्वरी धाम से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करने के पश्चात जागेश्वरी धाम पर रंगभरी होली खेली जाती है जिसमें अनेक भक्तगण शामिल होते हैं। अतः सभी परिवार सहित पधारे।

शहर संभाग सागर में उपभोक्ता सुविधा हेतु आधुनिक हेल्प डेस्क का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ सागर

उपभोक्ताओं को त्वरित, पारदर्शी एवं सरल सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर संभाग सागर में नवीन हेल्प डेस्क का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस हेल्प डेस्क का उद्घाटन अधीक्षण अभियंता वृत्त श्रीमती चंद्ररेखा प्रभाकर, अधीक्षण अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता श्रीमती शांति परते एवं सुभाष नागेश्वर के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता इमरान खान ने बताया कि हेल्प डेस्क की स्थापना का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से एक ही स्थान पर सभी प्रमुख सेवाएं उपलब्ध कराना है। पूर्व में उपभोक्ताओं को विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग काउंटर या अधिकारियों के पास जाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम की हानि होती थी। अब अधिकांश समस्याओं का समाधान एक ही काउंटर से किया जाएगा।

हेल्प डेस्क से उपभोक्ताओं को मिलने वाले प्रमुख लाभ --

- त्वरित शिकायत पंजीयन एवं ट्रैकिंग
  उपभोक्ताओं की शिकायतें तत्काल दर्ज कर संबंधित शाखा अधिकारी को उसी समय अग्रेषित की जाएंगी। इससे शिकायतों के लंबित रहने की संभावना कम होगी और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित होगा।
- बिल एवं मीटर संबंधी समस्याओं का शीघ्र समाधान
  बिल सुधार, मीटर परिवर्तन, रीडिंग त्रुटि, अतिरिक्त राशि समायोजन आदि मामलों में त्वरित कार्यवाही की जाएगी।
- नवीन स्थायी एवं अस्थायी कनेक्शन सुविधा
  नए विद्युत कनेक्शन हेतु आवेदन, दस्तावेज जांच, प्रक्रिया मार्गदर्शन तथा समयबद्ध स्वीकृति सुनिश्चित की जाएगी।
- नाम, भार एवं श्रेणी परिवर्तन
  उपभोक्ता नाम परिवर्तन, लोड (भार) परिवर्तन एवं श्रेणी परिवर्तन हेतु सरल प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किया जाएगा।
- कनेक्शन विच्छेदन एवं पुनः संयोजन
  आवश्यकतानुसार कनेक्शन विच्छेदन एवं पुनः संयोजन की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्वरित बनाया गया है।
- मार्गदर्शन एवं परामर्श सुविधा
  उपभोक्ताओं को आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे अनावश्यक भ्रम या असुविधा से बचा जा सके।
- समय की बचत एवं बढ़ी पारदर्शिता
  सभी सेवाएं एक ही काउंटर पर उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को बार-बार कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे समय की बचत होगी और कार्यवाही में पारदर्शिता बढ़ेगी।

सिंगल विंडो व्यवस्था से मिलेगी त्वरित, पारदर्शी और सरल सेवाएं

प्रत्येक प्रकरण की होगी मॉनिटरिंग

कार्यपालन अभियंता श्री इमरान खान ने बताया कि हेल्प डेस्क में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी तथा निर्धारित समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित करने का विशेष प्रयास किया जाएगा। इससे उपभोक्ताओं का विभाग के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा।

उत्कृष्ट कर्मचारियों का सम्मान

जनवरी एवं फरवरी माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। जनवरी एवं फरवरी माह के श्रेष्ठ कर्मचारियों में–पाहा जोनः अभिषेक ठाकुर (लाइन परी) सिविल लाइन जोनः रवि अहिरवार (लाइन परी),सदर जोनः रविशंकर कोरी (लाइन परी),मकरोनिया जोनः राकेश जैन (वरिष्ठ लाइन परी)सुधार उपसंभागः शीतल सेन (आउटसोर्स)को सम्मानित किया गया।

शुभारंभ | विज्ञान के माध्यम से विकसित भारत 2047 के निर्माण का आह्वान, विद्यार्थियों को नवाचार के लिए किया प्रेरित

बीकेपी महाविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ देवरी (सागर)

पंडित बृजकिशोर पटेरिया शिक्षा महाविद्यालय, देवरी में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 28 फरवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर महाविद्यालय के संचालक डॉ. अवनीश मिश्रा, बीकेपी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. अनीश अहमद तथा शासकीय महाविद्यालय जैसीनगर से अतिथि विद्वान (वनस्पति शास्त्र) डॉ. आशीष जैन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

मंचासीन विद्वानों ने अपने उद्बोधनों में विज्ञान के बढ़ते प्रभाव, दैनिक जीवन में उसकी अनिवार्यता तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. अवनीश मिश्रा ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन को बेहतर, तार्किक और प्रगतिशील बनाने की सतत प्रक्रिया है। उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु, प्रयोगधर्मी और नवाचार की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

सरल प्रयोगों से विज्ञान को बनाएं रोचक

डॉ. आशीष जैन ने अपने प्रभावी व्याख्यान में छोटे-छोटे क्रियाकलापों और सरल प्रयोगों के माध्यम से विज्ञान को रोचक एवं व्यवहारिक ढंग से सीखने पर जोर दिया। वहीं डॉ. अनीश अहमद ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, फार्मेसी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों तथा अनुसंधान की संभावनाओं से अवगत कराया।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के व्याख्याता पं. शिवम शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर संतोष तिवारी, सुनील कुमार दुबे, शनि तिवारी, सुश्री रीतिका ठाकुर, सुश्री बुशरा खान, सुश्री श्रुति चौरसिया, श्रीमती आरती मेहरा, श्रीमती सत्यवती विश्वकर्मा, सुश्री प्रियांशी लोधी सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आगामी दिनों में विभिन्न वैज्ञानिक प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनी एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक सहभागिता कर विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया है।

पं.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला आज जिला प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर करेंगे सम्बोधित

सागर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सागर में पं.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया जाएगा। जिसकी तैयारियों को लेकर जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर विस्तृत चर्चा की एवं आयोजन हेतु विभिन्न टोलियों का गठन कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पं.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला 28 फरवरी शनिवार को धर्मा श्री स्थिति संभागीय भाजपा कार्यालय में दोपहर 1:30 से आयोजित की जाएगी।जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि पुनःभाजपा प्रदेश मंत्री एवं सागर जिला प्रभारी नियुक्त होने उपरान्त लोकेन्द्र पाराशर का प्रथम सागर आगमन शनिवार को होगा। जिला प्रभारी के प्रथम सागर आगमन पर पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बुंदेली परम्परा के साथ दोपहर 01.00 बजे मोतीनगर चौराहे पर उनका जोरदार स्वागत करेंगे।

ब्रीफ न्यूज़

एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम अगले माह की शुरुआत में होने वाली एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में अच्छा प्रदर्शन कर फीफा महिला विश्व कप में प्रवेश के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने उतरेगी। भारतीय टीम को एशियन कप के ग्रुप सी में वियतनाम, जापान और चीनी ताइपे के रखा गया । उसे 4 मार्च को वियतनाम, 7 को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना है। भारतीय टीम को हालांकि इस अहम टूर्नामेंट में अनुभवी मिडफील्डरअंजू तमांग के बिना ही उतरना होग। अंजू चोटिल होने के कारण इस टूर्नोमेंट से बाहर हो गयी है। ऐसे में उनकी जगह पर करिश्मा शिरवाइकर को शामिल किया गया है। अंजू को अभ्यास सत्र में चोट लगी थी। टीम प्रबंधन के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सा जांच में पाया गया है कि वह टूर्नामेंट से पहले फिट नहीं हो पायेंगी । अंजू ने भारतीय टीम की ओर से अब तक सबसे अधिक मुकाबले खेले हैं और ऐसे में उनका बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है। पिछले सत्र में अंजू ने ईस्ट बंगाल की टीम की ओर से महिला लीग में भी टीम को खिताबी जीत दिलायी थी। ऐसे में उनकी फॉर्म और अनुभव की कमी टीम को खेलेगी। उनकी जगह पर शामिल करिश्मा किस प्रकार का प्रदर्शन करती हैं। ये अब देखना होगा।

संगकारा ने श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव की जरुरत बतायी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगकार ने अपनी मेजबानी में हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराशा जतायी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये हमारे क्रिकेट भविष्य को लेकर एक चेतावनी भी है, अगर हम अभी नहीं संभले तो इसी प्रकार पिछड़ते जाएंगे। इसलिए अब हमें बड़े बदलाव की जरुरत है। संगकारा ने कहा, इस प्रकार बाहर होने सो हर तरफ बहुत दर्द है। प्रशंसक टूट चुके हैं, निराश और गुस्से में हैं। खिलाड़ी भी बेहद आहत हैं। मैं ऐसे ड्रेसिंग रूम में रहा हूं, यह आसान नहीं होता। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना एक जिम्मेदारी भी है और सौभाग्य भी। संगकारा ने खिलाड़ियों के जज्बे को समझते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन इससे उबरने के लिए बदलाव जरूरी है।

सेंटनर जैसा कप्तान होना हमारे लिए फायदेमंद : रचिन रविंद्र

कोलंबो। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को मजबूती का अनुभव कराते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। रचिन के अनुसार सैंटनर किसी भी परेशानी में टीम के बचाव में उतरते हैं और अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित अनुभव कराते हैं। रविंद्र ने कहा, सैंटनर काफी शांत स्वभाव के हैं पर इसके साथ ही उनका सोचने का अंदाज भी काफी सुलझा हुआ है, जैसे कि किस छोर से कैसी गेंद की जानी चाहिये। इससे भी अहम बात ये है कि वह अच्छा प्रदर्शन करके आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं।

257 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम छह विकेट पर 184 रन ही बना पाई

भारत के खिलाफ शतक नहीं लगा पाने से निराशा हुई : बेनेट

एजेंसी ■ चेन्नई

जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में खेली अपनी पारी से संतुष्ट हैं पर उन्हें इस बात का मलाल है कि वह इस मैच में शतक नहीं लगा पाये। बेनेट ने भारतीय टीम के खिलाफ 97 रनों की आक्रामक पारी खेली थी हालांकि अन्य बल्लेबाजों से उन्हें सहायता नहीं मिली। इस मैच में भारतीय टीम से जीत के लिए मिले 257 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम छह विकेट पर 184 रन ही बना पायी। बेनेट ने कहा, अगर मैं शतक पूरा कर लेता तो अच्छा होता। क्रिकेट में कभी-कभी ऐसा ही होता है जब इस प्रकार के अवसर मिलते हैं। मैं हमेशा उस स्थिति में नहीं रहूंगा। मुझे खुशी है कि मैंने अच्छी पारी खेली पर निराशा इस बात की रहेगी कि टीम को जीत नहीं दिला पाया। उन्होंने कहा, जब भी कोई नया बल्लेबाज क्रीज पर उतरता तो मैं उससे यही कहता कि गेंद को अच्छी तरह से देखो और फिर उस पर शॉट लगाओ। मैं क्या कर रहा हूं ये मत देखो, तुम अपना काम करो। हमारे लिए अच्छी साझेदारी निभाना जरूरी था।

बेनेट ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को खेलना कठिन था। मैं पहली बार उनके खिलाफ खेल रहा था। वह शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं। मैं बस यही सोच रहा था की गेंद पर अपना ध्यान बनाये रखूं और अपना स्वाभाविक खेल खेलूं। गेंद मेरे करीब थी और मैंने उस पर जोरदार शॉट लगाया। उन्होंने कहा, 250 से 260 रन के लक्ष्य को हासिल करना बेहद कठिन होता है। यह मैदान पर जाकर अपने प्रदर्शन को दिखाने के साथ ही स्कोरबोर्ड पर ध्यान न देते हुए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने और अपने मजबूत पक्षों के अनुसार खेलने का अवसर था। अगर परिणाम अच्छा निकलता है तो ठीक है, अगर नहीं निकलता तो भी ठीक है। आज परिणाम वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे। बेनेट ने कहा कि भले ही उनकी टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है लेकिन सुपर आठ में जगह बनाने से उनकी टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने कहा, हमने पहली बार सुपर आठ के लिए क्वालीफाई किया है, इसलिए जाहिर है कि हमारे लिए इस टूर्नामेंट में कई शानदार पल रहे हैं और हम इससे उत्साहित हैं। हमे इस टूर्नामेंट में भारत, वेस्टइंडीज जैसी टीमों से खेलने से काफी कुछ सीखने को मिला है।

एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम अगले माह की शुरुआत में होने वाली एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में अच्छा प्रदर्शन कर फीफा महिला विश्व कप में प्रवेश के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने उतरेगी। भारतीय टीम को एशियन कप के ग्रुप सी में वियतनाम, जापान और चीनी ताइपे के रखा गया । उसे 4 मार्च को वियतनाम, 7 को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना है। भारतीय टीम को हालांकि इस अहम टूर्नामेंट में अनुभवी मिडफील्डरअंजू तमांग के बिना ही उतरना होग। अंजू चोटिल होने के कारण इस टूर्नोमेंट से बाहर हो गयी है। ऐसे में उनकी जगह पर करिश्मा शिरवाइकर को शामिल किया गया है। अंजू को अभ्यास सत्र में चोट लगी थी।

भारतीय बल्लेबाजों ने 150 से अधिक स्ट्राइक रेट का रिकार्ड बनाया

एजेंसी ■ मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के अपने दूसरे ही सुपर-8 मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत के साथ ही सेमीफाइनल की संभावनाएं बनाये रखने के साथ ही एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 256 रन बनाए। इस मैच में भारतीय टीम के 6 बल्लेबाज उतरे और सभी ने 20 से ज्यादा रन बनाए और इस दौरान सबका स्ट्राइक रेट 150 से ऊपर का रहा। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहला अवसर है, जब किसी टीम के 6 बल्लेबाजों ने 20 से ज्यादा रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 150 से अधिक रहा। साल 2007 में टी20 विश्वकप शुरु होने से इससे पहले कभी ऐसा देखने को नहीं मिला। इस मैच में टॉस जीतने के बाद अभिषेक शर्मा के साथ पारी शुरु करते हुए संजू सैमसन ने तेजी से 15 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हो गए। उनका स्ट्राइक रेट 160 का रहा। इसके बाद अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के बीच दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की। ईशान 158.33 के स्ट्राइक रेट से 38 रन बनाकर पेवेलियन लौटे जबकि अभिषेक ने 183.33 के स्ट्राइक से 50 रन बनाये। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 13 गेंदों में 33 रन बना दिए। उनका स्ट्राइक रेट 253 का रहा। वहीं हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा ने अंतिम ओवरों में तेजी से खेलते हुए टीम को 250 रन के पार पहुंचा दिया। हार्दिक ने 23 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए. उनका स्ट्राइक रेट 217 का रहा. वहीं तिलक ने 16 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाये और उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से अधिक रहा।

अभिषेक के फार्म हासिल करने पर युवराज ने खुशी जतायी, बोले बल्ले से ही आता है असली जवाब

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह टी20 विश्वकप में अपने शिष्य अभिषेक शर्मा की शानदार पारी से बेहद खुश हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में पहली बार अच्छी पारी खेलने में सफल रहे हैं। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-आठ में 55 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं शुरुआती तीन लीग स्तर के मैचों में वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे जबकि सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 रन ही बना पाये थे। ऐसे में वह प्रशंसकों के निशाने पर थे। वहीं अब अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शर्मा ने 30 गेंद में 55 रन बनाकर लय हासिल की है। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 4 छक्के भी जड़े। सेमीफाइनल से ठीक पहले अभिषेक के फार्म में आने से उनके गुरु युवराज बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, अच्छी पारी सर अभिषेक, जारी रखो। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ संभलकर खेला पर अवसर मिलते हुए बड़े शॉट भी लगा दिये। इस बल्लेबाज ने हर गेंद पर बड़े शॉट लगाने की जगह पर स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया जिससे भी उन्हें लाभ हुआ।

रिंकूसिंह के पिता का निधन लिवर कैंसर से पीड़ित थे

बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों ने शोक जताया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का आज तड़के निधन हो गया। वह 60 साल के थे और पिछले काफी समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। उसके पिता को गंभीर हालात में ग्रेटर ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। लिवर कैंसर फोर्थ स्टेज में पहुंचने के बाद से ही उनकी हालात खराब चल रही थी। इसी कारण रिंकू भी विश्वकप के बीच ही आचानक अस्पताल पहुंचे थे। वह पिछले कुछ समय से गंभीर हालत में होने के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गये थे। डॉक्टरों ने उन्हें स्थिर करने की कोशिश की थी और लगातार किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी चल रही थी। मगर उनकी हालत संभल नहीं पायी। पिता के निधन के बाद से ही रिंकू के परिवार में मातम छाया हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी रिंकू के पिता के निधन पर शोक जताया है। शुक्ला ने लिखा, क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता श्री खानचंद सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू और उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोककुल परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने भी रिंकू के परिवार के प्रति संवेदना जतायी है।

रिंकू गत दिवस जम्बिाब्वे के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे।

रिंकू अपने पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। इसके बाद वह तुरंत चेन्नई लौट आए पर टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया था।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु हरने जा रही है। इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूबीपीएल) रखा गया है। इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे। ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा। बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है।

ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके साथ ई इससे नई प्रतिभाएं भी सामने आयेंगी। बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग काउंसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है। हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं। उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है। डब्लयूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी मॉडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा। हर टीम में कम से कम दो विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करना अनिवार्य होगा, जबकि अधिकतम संख्या तीन या चार तक हो सकती है। टूर्नामेंट की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस

खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

पिता की एक इच्छा पूरी नहीं कर पाये रिंकू

अलीगढ़। क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह अब नहीं रहे। इसी के साथ ही ही उनके रिंकू को सेहरा बांधे देखने की इच्छा भी अधूरी रह गयी। रिंकू के पिता को कुछ समय पहले ही लिवर कैंसर होने का पता चला था। इसके बाद से ही उनका इलाज चल रहा था पर वह कैंसर की जंग हार गये। रिंकू के पिता अलीगढ़ में सिलेंडर डिलिवरी किया करते थे पर उन्होंने कड़ी मेहनत से अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर आगे बढ़ाया। वहीं रिंकू के क्रिकेट जुनून को देखते हुए उसे क्रिकेटर बनाने के लिए पूरी ताकत लगा दि। कड़ी मेहनत के बल पर रिंकू ने भारतीय टीम में जगह बनायी। रिंकू ने अपने माता-पिता का हर सपना पूरा किया पर पिता की एक इच्छा पूरी नहीं कर पाए। पिता खानचंद्र चाहते थे कि रिंकू को दूल्हा बने देखें और बहू घर आये पर होनी को कुछ और ही मंजूर था और वह रिकू की शादी से पहले ही दुनिया छोड़कर चले गये।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे : तिलक

एजेंसी ■ चेन्नई

भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे। तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।तिलक ने कहा कि पिछले मैचों के वीडियो देखने और कोच की बातों से बल्लेबाजों के अंदर उत्साह पैदा। उन्होंने कहा, अहमदाबाद और दिल्ली दोनों की पिचें अच्छी थीं पर इस खेल में मानसिकता भी अहम भूमिका निभाती है। पहले हमारी मानसिकता यह थी कि विकेट गिरने के बाद हम बड़े शॉट खेलने के लिए थोड़ा समय देते थे पर इस मैच में अहम अगल रणनीति से उतरे। इससे पूरा दबाव विरोधी टीम पर आ गया।

सत्ता सुधार

वाराणसी में कचहरी और अधिवक्ता को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला आरोपी युवक गिरफ्तार कर लिया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी निवासी भेलूपुर को फोन पर मैसेज भेजकर कचहरी समेत बम से उड़ने की धमकी देने वाले आरोपी युवक अजीत कुमार सरोज निवासी रैसीपुर सतनपुर को भेलूपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

ब्रीफ न्यूज़

सीएम योगी के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी का कार्यकाल एक साल बढ़ा

लखनऊ। सीएम योगी के मुख्य सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। वह सीएम योगी के सबसे भरोसेमंद अधिकारी हैं। उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे करीबी अधिकारी माना जाता है। आईएएस अवनीश कुमार अवस्थी योगी सरकार में अपर मुख्य सचिव के पद पर भी रह चुके हैं और सेवानिवृत्ति के बाद मुख्यमंत्री योगी के प्रशासनिक सलाहकार के रूप में काम कर रहे हैं।

मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को दी जाने वाली नौकरी पर सख्त आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को नियमावली-1974 के तहत दी जाने वाली नौकरी के मामलों का निस्तारण अधिकतम तीन माह में करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने सभी विभागों को पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि परिवारों को राहत मिल सके। उत्तर प्रदेश शासन ने सेवाकाल में मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को दिए जाने वाले सेवायोजन (कंपैशनेट अपॉइंटमेंट) के मामलों में हो रही देरी पर सख्ती दिखाई है। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की ओर से जारी शासनादेश में निर्देश दिया गया है कि ऐसे सभी प्रकरणों का निस्तारण अधिकतम तीन माह के भीतर पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए।

मेंहदावल में दीवार से टकराई कार, 3 की मौत

संतकबीरनगर। यूपी के संतकबीरनगर के मेंहदावल क्षेत्र के अछिया गांव के पास एक बेकाबू कार सड़क किनारे दीवार से टकरा गई, जिसमें कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में घायल तीन लोगों को इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। सिंगरहट गांव से बरात जिले के दुधारा क्षेत्र के मटियरा गांव में गई थी। वापस लौटते समय रात करीब एक बजे कार अछिया गांव के पास सड़क किनारे दीवार से टकरा गई। इसमें सरवन निवासी तिवारीपुर, दुर्गेश गुप्ता पिड़री कला और सर्वेश पांडेय निवासी बढ़या ठाठर, मेंहदावल की मौत हो गई।

तीन मार्च को भी छुट्टी, कर्मचारी को पर्व के दौरान आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े

सीएम के निर्देश, सभी कर्मचारियों का वेतन होली से पहले देना सुनिश्चित करें

त्योहार के मद्देनजर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, कड़ाई से पालन करें

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के पर्व से पहले ही सभी कर्मचारियों को वेतन का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि त्योहार के मद्देनजर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग तय समयसीमा का कड़ाई से पालन करें। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही आउटसोर्सिंग, संविदाकर्मी, सफाईकर्मी समेत सभी श्रेणी के कर्मियों का भुगतान भी त्योहार से पहले सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि किसी भी कर्मचारी को पर्व के दौरान आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने शनिवार 28 फरवरी को कार्यदिवस घोषित कर दिया है। वहीं, कर्मचारियों को 03 मार्च का अवकाश दिया जाएगा। होली पर्व के अवसर पर 2, 3 और 4 मार्च को अवकाश

रहेगा। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि भुगतान और अवकाश संबंधी आदेशों के पालन में किसी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान कर्मचारियों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी।

10 मार्च तक संपत्तियों का ब्योरा देने वाले राज्य कर्मियों को मिलेगा वेतन

चल-अचल संपत्ति का विवरण न देने वाले राज्यकर्मियों को 10 मार्च तक ब्योरा देने पर जनवरी का वेतन जारी किया जाएगा। लेकिन 31 जनवरी 2026 तक विवरण न देने वाले 47816 कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। मुख्य सचिव एसपी गोयल द्वारा जारी शासनादेश के मुताबिक, 24 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत कर्मचारियों को 31 जनवरी 2026 तक चल-अचल संपत्ति का विवरण देना था।

जो कर्मचारी विवरण अपलोड नहीं करेंगे, उन्हें जनवरी का वेतन नहीं

6 जनवरी 2026 को स्पष्ट किया गया था कि जो कर्मचारी विवरण अपलोड नहीं करेंगे, उन्हें जनवरी का वेतन नहीं मिलेगा। 31 जनवरी तक 47,816 कर्मचारियों ने ब्योरा नहीं दिया। सरकार ने 26 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक एक बार फिर अवसर दिया है, लेकिन इसे प्रतिबंधों के साथ जोड़ा गया है। संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान चयन वर्ष में पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा। देय होने पर भी इस वर्ष एसीपी का लाभ नहीं मिलेगा। विदेश यात्रा, प्रतिनियुक्ति आदि के लिए विजिलेंस क्लीयरेंस नहीं दी जाएगी।

रंगभरी एकादशीः महादेव गौरा संग गलियों में भ्रमण पर निकले

हर-हर महादेव के जयकारे से गूंजी

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

महंत आवास के बाहर बैरिकेडिंग लगाकर रास्ता बंद किया गया था।

काशी की गलियों में महादेव गौरा संग भ्रमण पर निकले। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने अबीर-गुलाल उड़ाते हुए गलियों में गीत गाते दिखे। वाराणसी में रंगभरी एकादशी के अवसर पर शुक्रवार को पूर्व महंत आवास से पालकी यात्रा निकाली गई। कड़ी सुरक्षा के बीच महादेव गौरा संग गलियों में भ्रमण पर निकले। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने अबीर-गुलाल उड़ाते हुए गलियों में गीत गाते दिखे। अपने घरों से लोगों ने पालकी यात्रा पर गुलाल उड़ाया। पालकी यात्रा निकलने से पहले महंत आवास के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बाबा और गौरा की चल प्रतिमा को काशी की गलियों में भ्रमण कराते हुए श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पहुंचाया जाएगा।

काशी में रंगोत्सव का आगाजः नमामि गंगे ने गंगा किनारे महादेव संग खेली होली

रंगभरी एकादशी के पावन पर्व पर गंगा किनारे महादेव के साथ होली खेलकर नमामि गंगे के सदस्यों ने काशी में रंगोत्सव की शुरुआत की। इस दौरान गंगा सेवकों ने महादेव संग खूब होली खेली। नमामि गंगे गंगा विचार मंच के जिला संयोजक शिवम अग्रहरि के संयोजन में गायघाट पर देवाधिदेव महादेव के विग्रहों को गंगाजल से स्नानादि के बाद पुष्पहार, धूप दीप, नैवेद्य आदि अर्पित की गई। महादेव को हर्बल अबीर, गुलाल समर्पित करने के साथ ही काशी में रंगोत्सव का आगाज हो गया। विविध रंगों के मेल से रंगोली आर्टिस्ट चांदनी विश्वकर्मा ने आकर्षक रंगोली में बाबा श्री काशी विश्वनाथ व माता गौरा की सुंदर कलाकृति बनाई। ओम जय शिव ओमकारा की धुन के साथ आरती प्रारंभ हुई तो सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की।

उलझता जा रहा सांसद दिग्विजय सिंह की जमीन का मामला

तहसीलदार के बाद अब एएसपी और सीओ भी करेंगे जांच

एजेंसी ■ अम्बेडकरनगर

अंबेडकरनगर में सांसद दिग्विजय सिंह की जमीन का मामला उलझता जा रहा है। तहसीलदार के बाद अब मामले की जांच एएसपी और सीओ भी करेंगे। विपक्षियों ने खारिज होने के बाद दोबारा नामांतरण की अपील की है। यूपी के अंबेडकरनगर में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह की जमीन से जुड़ा मामला प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर और उलझता जा रहा है। केयरटेकर अनिल यादव ने जांच की निष्पक्षता पर प्रश्न चिह्न लगाए हैं। वहीं दूसरी ओर विपक्षियों की ओर से एक बार फिर नामांतरण की अपील दाखिल की गई है। इस मामले में तहसीलदार के बाद अब एएसपी व सीओ भी जांच करेंगे। आलापुर क्षेत्र के रामनगर महुवर गांव स्थित गाटा संख्या 1235 क, रकबा 0.152 हेक्टेयर भूमि मूल रूप से पूर्व मुख्यमंत्री की माता स्वर्गीय अर्पणा देवी के नाम दर्ज थी। 18 मई 2024 को उक्त भूमि ऑनलाइन विरासत के माध्यम से दिग्विजय सिंह के नाम दर्ज हुई। रामहरख चौहान निवासी केवटला गांव, थाना हंसवर ने स्वयं को दिग्विजय सिंह का मुख्तार-ए-आम बताते हुए 5 अक्टूबर 1989 को इस भूमि का बैनामा राजबहादुर, जियालाल, मंगली आदि के पक्ष में कर दिया गया था। बैनामे के आधार पर नामांतरण के लिए वाद दायर किया गया। इसे 22 दिसंबर 2025 को साक्ष्यों के अभाव में न्यायालय नायब तहसीलदार आलापुर द्वारा निरस्त किया जा चुका है।एसपी कार्यालय की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट में फर्जी हस्ताक्षर कर पॉवर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर जमीन बेचने के आरोपों की जांच के लिए एएसपी पूर्व और सीओ आलापुर को निर्देशित किया गया है।

अखिलेश यादव बोले- भाजपाई कपटजीवी

केजरीवाल का आरोप मुक्त होना उनके लिए 'नैतिक मृत्युदंड' जैसा

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केजरीवाल का कथित शराब घोटाले में आरोप मुक्त होना भाजपा के लिए नैतिक मृत्युदंड जैसा है। केजरीवाल के साथ सत्य और न्याय दोनों खड़े हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बहुचर्चित

आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आरोप मुक्त करार दिए जाने को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा के लिए, नैतिक मृत्युदंड करार दिया है। उन्होंने भाजपा को कपटजीवी करार दिया है। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि आज दिल्ली के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ सत्य और न्याय दोनों खड़े हैं। आरोप कभी इतना बड़ा नहीं हो सकता कि वो सच को आच्छादित कर ले।भाजपा ने दिल्ली के निवासियों से विश्वासघात किया है। जो कपटजीवी सनातनी शंकराचार्य जी, साधु, संतों, संन्यासियों तक पर झूठे आरोप लगाने का महापाप करते हैं, वो भला किसी सरकार, दल या किसी व्यक्ति को बदनाम करने के लिए किस हद तक जा सकते हैं, इसकी कल्पना कोई शरीफ़ आदमी कर ही नहीं सकता है।

पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत, थाने में हंगामा

बेटे की तहरीर पर एसओ और पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज

बहराइच। बहराइच में पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत हो गई। परिजनों ने थाने में जमकर हंगामा किया। इसके बाद सीओ ने बेटे की तहरीर पर एसओ और पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज कराई। यूपी के बहराइच में गुरुवार की रात दुष्कर्म के आरोपी की रामगांव थाने में मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने थाने में जमकर हंगामा

किया। चार थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू किया। मामले मे थानाध्यक्ष और कई पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, एक युवक की तरफ से रामगांव थाने में तहरीर दी गई। इसमें कहा गया कि रामगांव निवासी उनके परिचित रामगोपाल उर्फ राकेश कुमार श्रीवास्तव 22 फरवरी को उनके घर पहुंचे। उन्होंने उसकी 10 वर्षीय नाबालिग पुत्री से पहले छेड़छाड़ और फिर दुष्कर्म किया। सीओ पवन कुमार ने बताया कि परिजनों व अन्य लोगों को समझा-बुझाकर शांत कर दिया गया है। मृतक के पुत्र अनिकेत श्रीवास्तव की तहरीर पर थानाध्यक्ष गुरुसेन सिंह व थाने के अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

वैश्य महासम्मेलन का शपथ समारोह आज

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि नरेन्द्र सिंह तोमर करेंगे

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

वैश्य महासम्मेलन की ग्वालियर जिला मुख्य इकाई का शपथ विधि समारोह चेंबर आफ कामर्स में 28 फरवरी को सायं 7.30 बजे से आयोजित होगा। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर करेंगे, वहीं अध्यक्षता पूर्व गृहमंत्री व वैश्य महासम्मेलन के शिरोमणि संरक्षक उमाशंकर गुप्ता करेंगे। वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल के अनुसार वैश्य महासम्मेलन की जिला मुख्य इकाई के शपथ विधि समारोह में सभी नये पदाधिकारियों को उनके कार्य व सामाजिक हित के लिये सदैव तत्पर रहने की शपथ दिलाई जायेगी। इस मौके पर वैश्य महासम्मेलन व समाज से जुड़े सभी प्रमुख लोग उपस्थित रहेंगे। मुकेश अग्रवाल के अनुसार जिला मुख्य इकाई में अध्यक्ष अजय गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष कमल गोयल, प्रभारी अनूप अग्रवाल, संगठन महामंत्री आशीष जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश सांघी सहित 60 पदाधिकारी अपने पद की शपथ लेंगे। इसके साथ ही सभी को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किये जायेंगे। इसी मौके पर संभागीय इकाई से जुड़े 8 अन्य पदाधिकारियों को भी नियुक्ति पत्र दिये जायेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल व प्रदेश महामंत्री अनिल जैन के अनुसार कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित होगा और इसकी भव्य तैयारियां की गई है। वैश्य महासम्मेलन के संभागीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल, जिलाध्यक्ष अजय गोयल, युवा इकाई अध्यक्ष विवेक गुप्ता, युवा इकाई प्रभारी कपिल जैन व महिला इकाई अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल ने सभी लोगों से वैश्य महासम्मेलन के 28 फरवरी को सायं 7.30 बजे चेंबर आफ कामर्स के सभागृह में आयोजित शपथ विधि समारोह में उपस्थिति का आग्रह किया है। कार्यक्रम को लेकर संगठन पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओं में विशेष उत्साह का वातावरण है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अजय गोयल एवं युवा इकाई के अध्यक्ष विवेक गुप्ता ने बताया कि समारोह में जिला इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों को विधिवत नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर नवनियुक्त संभागीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल अपनी संभागीय टीम के साथ औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री अनिल जैन संगठनात्मक विस्तार, आगामी योजनाओं एवं समाज के सशक्तिकरण को लेकर अपने विचार व्यक्त करेंगे। समारोह में विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, वरिष्ठ समाजजन, युवा एवं महिला इकाई के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। जिला युवा इकाई के कपिल जैन एवं महिला जिला इकाई की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति बंसल ने समस्त वैश्य बंधुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमामय एवं सफल बनाएं। उल्लेखनीय है कि वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश लंबे समय से प्रदेश में सामाजिक एकता, संगठनात्मक मजबूती एवं वैश्य समाज के हितों की संरक्षणात्मक भूमिका निभाता रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव द्वारा करुणा प्रिन्टर्स महाडिक साहब के बाड़े के पास, निम्बालकर की गोठ नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित एवं सिद्धेश्वर नगर आईटीआई कॉलेज के पास झांसी से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई न. यूपीएचआईएन/2007/22048 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें- 6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।